डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 23 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

जीत अंत में सत्य की होती है।
-शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर, बुधवार, 07 दिसम्बर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

कौआ चला हंस की चाल... कर न सका लेकिन कमाल

गोवर्धनपुरी गलता गेट राजकीय बालिका विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण व अवैध निर्माण का मामला

गलतागेट कनक बिहारी मंदिर के अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास ने गत सप्ताह अन्य अख़बारों में ख़बरें प्रकाशित करवाकर नक़ली हिंदुत्व का वातावरण बनाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन धरातल पर इस ख़याली वातावरण की हवा निकल गयी न साधु पहुँचे यज्ञ में न आम जनता।

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। कनकबिहारी मंदिर के साधु सियारामदास का दुःसाहस दिनों दिन इतना बढ़ रहा है कि उसे न्यायालय के आदेश का भी ख़ौफ़ नहीं रहा है। अदालत में झूठे शपथ पत्र पेश करके अवैध नवनिर्माण न करने का हवाला देने वाला, अदालत को गुमराह करने का अपराध करने वाला साधु सियारामदास एक अतिक्रमणकारी,अवैध निर्माण करने वाला,जनहित के विरुद्ध कार्य करने वाला जघन्य अपराधी है किंतु स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान का संरक्षण व सहयोग पाकर उसके हौसले लगातार बुलंद हो रहे हैं।

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास ने मीडिया के कई बड़े प्रतिष्ठानों के माध्यम से झूठी ख़बरें प्रकाशित कर नक़ली हिंदुत्व का आडम्बर फैलाने का लगातार प्रयास किया।न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर लगातार राजकीय बालिका विद्यालय की ज़मीन पर नवनिर्माण करवाते हुए विशाल यज्ञ करवाने का माहौल बनाकर जनता व सरकार की आँखों में धूल झौंकने की कोशिश भी की। किंतु आम नागरिक अब अपने अधिकारों के लिए जाग गया है। साधु सियारामदास का ये ढोंग भरा वातावरण निर्माण असफ़ल हो गया है। मोटी रक़म देकर अन्य मीडिया प्रतिष्ठानों से साधु सियारामदास ने यज्ञ आयोजन में 10 हज़ार साधुओं के आगमन की झूठी ख़बर प्रकाशित करवाई। साथ ही बार-बार करोड़ों आहुतियों देने का माहौल बनाया लेकिन हाथ कंगन को आरसी क्या? सब झूठ सामने आ गया। दस हजार तो क्या केवल 10 साधु ही नहीं पहुँचे इस झूठ को सहारा देने न ही आम जनता ने कोई उपस्थिति दर्ज की।

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास, कनकबिहारी मंदिर, गलता गेट, जयपुर

महायज्ञ का माहौल बनाने के लिए यज्ञ वाहन यात्रा की तैयारी।

SC/ST एडीजे कोर्ट के मामले में अनुसंधान अधिकारी सुनील प्रसाद शर्मा के विरुद्ध याचिका पेश

पीड़ित राकेश मीणा,गलतागेट जयपुर

प्रार्थी राकेश मीणा ने SC/ST एडीजे कोर्ट में विधायक रफ़ीक़ ख़ान, उपमहापौर असलम फ़ारुखी,पार्षद संतोष कंवर व उसके पति,चंदू भाड़े वाला सहित कई पार्षदों कुल 23 लोगों के ख़िलाफ़ गुहार लगाई थी। इन सभी ने भीड़ इकट्ठी कर राकेश मीणा व उसके परिवार को डराने धमकाने की कोशिश की,गाली गलौच की,जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। मॉब लीचिंग के साथ-साथ राकेश मीणा के घर के बाहर विधायक रफ़ीक़ ख़ान व साधु सियारामदास तलवार से केक काटकर दहशत का माहौल बनाया और शक्ति प्रदर्शन किया। विधायक रफीक खान सहित 23 लोगों पर गलता गेट थाने में FIR दर्ज की गई।

इस मामले का अनुसंधान अधिकारी एसीपी हिदा की मोरी रामगंज थाना सुनील प्रसाद शर्मा को बनाया गया लेकिन आरोपित मुलजिमान सियारामदास, विधायक आदि के साथ जलपान और उठ बैठ करते एसीपी सुनील का अविधिवत विपरीत अनुसंधान कर गवाहों के प्रति ग़लत व्यवहार व बयान लिए जाने के बाद नाखुश होकर मनमर्ज़ी के बयान लेने हेतु बाध्य करना व महिला गवाहों के इर्द गिर्द भय का वातावरण बनाना एसीपी सुनील शर्मा अनुसंधान अधिकारी की संदिग्ध गतिविधियों को दर्शाता है। इसी को मध्यनज़र रखते हुए ने अनुसंधान अधिकारी बदले जाने की अपील व अनुसंधान अधिकारी की शिकायत सरकार से राकेश मीणा द्वारा कर दी गई है। जिस पर 20 दिन से ज़्यादा दिन हो गए अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है न ही इससे सम्बंधित कोई सूचना पीड़ित राकेश मीणा को दी गयी है।

SC/ST एडीजे कोर्ट में पीड़ित राकेश आमजन मामले के अनुसंधान अधिकारी सुनील प्रसाद शर्मा, एसीपी हिदा की मोरी, रामगंज,जयपुर

ख़बर- बेख़बर

C-31 बर्फ़ख़ाना चौराहा राजापार्क

सात मंज़िला इमारत के अवैध निर्माण में भी हिस्सेदार हैं वार्ड 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज आदर्शनगर ज़ोन में वार्ड 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल का भ्रष्टाचार केवल अपने वार्ड या नगर निगम ज़ोन तक ही सीमित नहीं है बल्कि अन्य वार्ड व ज़ोन के अवैध निर्माण व अतिक्रमण में भी है।

पार्षद नीरज अग्रवाल की मिलीभगत और हिस्सेदारी उर्फ पार्टनरशिप कई अवैध बिल्डिंग्स में है क्योंकि आदर्श नगर विधानसभा के विधायक रफ़ीक़ ख़ान की शैय पर पार्षद नीरज अग्रवाल के हौसले सातवें आसमान पर हैं।

मालवीय नगर ज़ोन नगर निगम ग्रेटर के वार्ड 149 में बर्फ़ख़ाना चौराहे पर सात मंज़िला खड़ी अवैध इमारत नीरज अग्रवाल के भ्रष्टाचार की कहानी चीख-चीख कर कह रही है।

हैरत की बात है कि वार्ड 93 के पार्षद नीरज अग्रवाल के हौसले इतने बुलंद हैं कि अपने वार्ड 93 में तो उनके अवैध भवन निर्माण और अतिक्रमण चल ही रहे हैं साथ ही साथ अन्य वार्डों में भी हिस्सेदारी लेकर पार्षद नीरज अग्रवाल ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर रखी हैं।

प्लॉट न.C-31 पर बन रही अवैध बिल्डिंग जो कि आवासीय की अनुमति में कमर्शियल बनी है और वो भी सात मंज़िला इस अवैध इमारत में भी पार्षद नीरज अग्रवाल की पार्टनरशिप है। आवासीय प्लॉट में कमर्शियल बनती यह बिल्डिंग सरकारी तंत्र के मुँह पर ज़ोरदार तमाचा है। सरकारी ख़ज़ाने को चूना लगाती यह इमारत शासन और प्रशासन की मिलीभगत व भ्रष्टाचार को साफ़-साफ़ उजागर कर रही है। **आख़िर नीरज अग्रवाल मात्र एक पार्षद होकर इतना भ्रष्टाचार कैसे कर रहा है जल्द खुलासा होगा हिलव्यू समाचार के अगले अंक में।**

मुनेश गुर्जर महापौर नगर निगम हैरीटेज,जयपु

रफ़ीक़ ख़ान, विधायक आदर्शनगर विधानसभा

गलतागेट चौराहे से दूर भूमि क्षेत्र में हरिहत वाटिका में लाखों रुपया फूँक कर हाईमास्ट लाइट लगवाने का लॉजिक जनता को समझाएं विधायक रफ़ीक़ ख़ान

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राहुल गाँधी की राजस्थान यात्रा में राजधानी जयपुर आगमन का रूट कहीं से भी प्लान नहीं है ऐसे में राहुल गाँधी के राजस्थान आगमन की आड़ लेकर,जैन समाज के नाम पर,लाखों रुपये की हाईमास्ट लाइट बिना आवश्यकता के गलता गेट चौराहा की लोकार्पण पट्टी का लिखकर चौराहे पर न लगाकर चौराहे से काफी दूर निजी भूमि क्षेत्र में हरिहत वाटिका में सरकार के नियम क़ायदे के ख़िलाफ़ जाकर विधायक रफ़ीक़ ख़ान द्वारा लगवाई गई। लाखों रुपया फूँक कर लोकार्पण करवाने वाले आदर्शनगर विधानसभा विधायक ज़रा यह सब करवाने का लॉजिक समझाएं आम जनता को। जहाँ एक ओर नगर निगम हैरीटेज भूखे नंगे होकर ख़ज़ाना खाली होने की दुहाई देता नज़र आता है और दिवाली पर वार्डों में लाइट न दे पाने की मज़बूरी दिखाता है वहीं दूसरी ओर दिखावे के लिए आम जनता के हित में काम आने वाला पैसा बिना ज़रूरत के हाईमास्ट लगवाकर लाखों रुपया पानी में बहा देता है?

मेयर मुनेश गुर्ज़र की तो कोई हैसियत ही नहीं है न ही पावर है। दो साल मौन और निष्क्रियता में गुज़ारने वाली मेयर से ख़ास उम्मीदें भी नहीं हैं आम जनता को लेकिन आदर्शनगर विधानसभा विधायक का ये कृत्य बड़ा ही शर्मनाक और अफ़सोस वाला है। जो जैन समाज करोड़ों अरबों के विशाल मंदिर अपने ट्रस्ट और आपसी सहयोग के दम पर बनाता आया है वह एक लाइट के लिए सरकार से आस लगायेगा बड़ा ही हास्यास्पद ख़्याल है।

विधायक रफ़ीक़ ख़ान लगातार जनता में अपना विश्वास खो रहे हैं बल्कि कहें कि सरकार में अपनी बिगड़ती छवि को नहीं बचा पा रहे हैं बल्कि रफ़ीक़ ख़ान भारत जोड़ों यात्रा की भरी भीड़ में अव्यवस्थाओं को लेकर राहुल गाँधी की फ़टकार का शिकार होकर जग हंसाई का पात्र भी बन गए हैं । ऐसे में विधायक रफ़ीक़ ख़ान को आत्ममंथन करने की बेहद आवश्यकता है क्योंकि सूरदास की तरह लगातार रफ़ीक़ ख़ान अपनी जड़ें काट रहे हैं । जिस डाल पर बैठे हैं उसी पर कुठाराघात कर रहे हैं। आम जनता व सरकार का विश्वास खोते दम्भी विधायक रफ़ीक़ ख़ान अगर ऐसे ही रहे तो सरकार व जनता के आक्रोश से आगामी चुनावों में सियासी गलियारों से बेदख़ल कर दिए जाएंगे।

अंकित टाइम्स का झूठा विज्ञापन लगाकर राजपार्क बर्फ़ख़ाना चौराहे पर बहुमंज़िला अवैध निर्माण चरम पर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। बर्फ़ख़ाना चौराहे पर प्लॉट नंबर 01,प्रदीप फ़ोटो स्टेट के सामने पाँच मंज़िला विशाल इमारत का अवैध निर्माण पूर्ण होने की कगार पर था लेकिन हौसलों की बुलंदी देखिए कि अब छः मंज़िला अवैध निर्माण शुरू हो चुका है। शासन और प्रशासन दोनों मौन हैं क्योंकि इस अवैध निर्माण के चार बिल्डर्स ने सबको सेट कर दिया है और तो और इन अवैध निर्माणकर्ताओं ने मीडिया का झूठा प्रदर्शन कर अर्थात अंकित समाचार टाइम्स का विज्ञापन लगाकर शासन-प्रशासन व जनता को चेतावनी भी दे डालने का प्रयास किया है।

प्लॉट 01, बर्फ़ख़ाना चौराहा, प्रदीप फ़ोटोस्टेट के ऑपोजिट,राजापार्क, जयपुर

अंकित समाचार टाइम्स का क्या अस्तित्व है यह खुलासा अगले अंक में किया जाएगा फ़िलहाल इस अवैध निर्माण की कहानी पर चलते हैं। बड़े भाग पर फैली यह आवसीय भूखंड की इमारत बिल्डिंग बायलॉज का पूरी तरह उल्लंघन कर रही है। आवसीय में कमर्शियल दुकानें व फ्लैट्स बनाकर सरकारी रेवेन्यू को तो नुक़सान हुआ ही है बल्कि अवैध निर्माणों को प्रेरणा देती यह बिल्डिंग मालवीय नगर जोन ही नहीं बल्कि पूरे सरकारी तंत्र के लिए शर्म की बात है। बिना अनुमति, बिना नक़्शे, बिना सेटबैक के बिल्डिंग बायलॉज को धता बताकर यह अतिक्रमणकारी सरकारी तंत्र के निकम्मेपन और भ्रष्टाचार को उजागर करता है।

सिंधी कॉलोनी सर्वानंद पार्क की करोड़ों की ज़मीन पर राजनैतिक पार्टी कार्यालय का संचालन कर रहे हैं वार्ड 94 के पार्षद घनश्याम दास चंदलानी

सुप्रीम कोर्ट की पार्क आदेशों के नियमों अवमानना

एक बड़ा प्रश्न राजस्थान शासन व प्रशासन से

प्लाट नम्बर 314, शांति पथ, राजापार्क के अवैध निर्माण का खुलासा अगले अंक में।

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। स्वास्थ्य की दृष्टि से सार्वजनिक पार्कों,उद्यानों, बाग़, बगीचों को खुला रखना जनहित कारी निर्णय रहा है और उच्च अदालत ने तो यह भी कहा है कि 'इस तरह के खुले स्थान बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए फेफड़े और वेंटिलेटर का कार्य करते हैं।' ऐसे में सर्वानंद पार्क जो कि सिंधी कॉलोनी आदर्शनगर जोन में स्थित है उसमें एक बड़े भाग पर पार्टी कार्यालय बनाकर उसका संचालन करना बड़ा ही अचरज का विषय है। वार्ड पार्षद घनश्यामदास चंदलानी ने पार्क का बहुत बड़ा हिस्सा कब्ज़ाया हुआ है जो कि सरासर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है ऐसे में सम्बंधित निकाय यानी नगर निगम जोन आदर्शनगर ज़ोन पर भी अदालत की अवमानना का आरोप बन जाता है। सबंधित मुद्दा नगर निगम ज़ोन कार्यालय के संज्ञान में जल्द लाया जाएगा ताकि सार्वजनिक संपत्ति एवम हितों की रक्षा की जा सके।

सुप्रीम कोर्ट आदेशानुसार सार्वजनिक पार्कों का किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग करना न्यासभंग जैसा माना गया है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने सामुदायिक भवन को गिराने का भी निर्देश दे दिया था।चीफ जस्टिस मोहम्मद रफीक और जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की खंडपीठ ने कहा, "एक बार जब कोई सार्वजनिक पार्क नागरिकों/ निवासियों को समर्पित हो जाता है, तो इसे नगरपालिका द्वारा जनता की ओर से ट्रस्ट में रखा जाता है और इसे किसी अन्य उपयोग में नहीं लाया जा सकता है। नगर निकाय द्वारा किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसके उपयोग में परिवर्तन न्यासभंग करने के समान होगा।"कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि उक्त स्थान को हमेशा केवल एक पार्क के रूप में बनाए रखा जाना चाहिए और किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय निर्णयों और हितकर सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए, न्यायालय ने कहा कि सरकारी अधिकारियों प्रतिवादियों से यह अपेक्षा की जाती है कि किसी शहर की योजना और विकास के अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करने में, उन्हें नियमों और अधिनयम में परिकल्पित प्रावधानों को उचित महत्व देना चाहिये ऐसा करने में, निवासियों और विशेष रूप से बच्चों के मनोरंजन और स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए आवश्यक पार्क, उद्यान, खेल के मैदान और मनोरंजन के मैदान के लिए पर्याप्त स्थान को छोड़ने की आवश्यकता का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए।

अदालत ने आगे कहा,"इस तरह के खुले स्थान बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए फेफड़े और वेंटिलेटर का कार्य करते हैं।"

सम्पादकीय

संकट में पड़ी शी चिनफिंग की सत्ता

कोविड प्रतिबंधों के विरुद्ध छिड़ा आंदोलन जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति

इन दिनों चीन एक ऐसे ऐतिहासिक जनउभार का केंद्र बना हुआ है, जिसकी एक दो महीने पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। कुछ दिन पहले तक यह हाल था कि चीन की किसी भी गली में विरोध के बोल बोलने वाले को कम्युनिस्ट पार्टी के खुफिया एजेंट और हिटलर की गेस्टापो से भी ज्यादा खूंखार पब्लिक सिक्योरिटी ब्यूरो (पीएसबी) के सिपाही तुरंत दबोच लेते थे। करोड़ों खुफिया टीवी कैमरों और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस लाखों पुलिस चौकियों का ऐसा दबदबा है कि प्रदर्शन की गुप्त योजना पर चुपचाप अपने घरों से निकले लोगों के तय स्थान पर पहुंचने से पहले ही पीएसबी एजेंट वहां पहले से खड़े मिलते थे। इसी कारण भूख और बुखार में तड़पते बच्चे को लेकर कोविड बैरियर पार करने की भी लोगों में हिम्मत नहीं थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से चीन के दर्जनों शहरों के आम लोग और छात्र सड़कों पर उतर आए हैं और राष्ट्रपति शी चिनफिंग तथा कम्युनिस्ट सरकार से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

इंटरनेट, टीवी, मोबाइल और अखबारों पर सरकार के कड़े नियंत्रण के बावजूद चीन से आ रहीं खबरों से पता चल रहा है कि भारी संख्या में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं और लगातार फैल रहे हैं। चीन के सभी हिस्सों में सैकड़ों स्थानों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस तरह के बड़े प्रदर्शन पिछली बार जून 1989 में देखने को मिले थे जब चीनी विश्वविद्यालयों के लाखों युवा कम्युनिस्ट तानाशाही खत्म करने की मांग कर रहे थे। लगभग 400 शहरों तक फैले उस आंदोलन को कुचलने के लिए तब प्रधानमंत्री ली पेंग और सर्वोच्च नेता देंग शियाओपिंग ने तीन लाख से ज्यादा सैनिकों को सड़कों पर उतार दिया था। सेना ने युवा प्रदर्शनकारियों पर टैंक चढ़ाकर और मशीनगनों के बल पर आंदोलन को कुचल दिया था। उस कार्रवाई में हजारों युवा मारे गए थे, लेकिन किसी सरकार ने न केवल मृतकों की संख्या जाहिर नहीं होने दी, बल्कि चीन के इतिहास लेखन में उस घटना के जिक्र पर भी पाबंदी लगा दी।

ऐसा नहीं कि 1989 के बाद चीन में कभी प्रदर्शन नहीं हुए। फैक्ट्रियों, बांधों और नए शहरों के विकास के लिए किए जाने वाले भूमि अधिग्रहण, उद्योगों और खनन के कारण होने वाले भयंकर प्रदूषण तथा पानी की कमी और रोजगार जैसे सवालों पर हजारों बार प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन वे स्थानीय स्तर तक सीमित थे और उन्हें पुलिस के दमन से दबा दिया जाता रहा। तिब्बत, शिंजियांग, दक्षिणी मंगोलिया जैसे उपनिवेशों तथा बाद में हांगकांग में लोकतंत्र की मांग को लेकर चलने वाले आंदोलनों को तो सैनिक और पुलिस के दम पर कभी पनपने ही नहीं दिया गया, लेकिन इस बार कोविड के कारण स्थिति बहुत बदली हुई है। कोविड के फैलाव ने चीनी वैक्सीन पर चीन सरकार के झूठे दावों की भी पोल खोल दी है।

पिछले तीन महीने से शी सरकार ने 'जीरो-कोविड नीति' की जिद में आकर सैकड़ों शहरों और हजारों फैक्ट्रियों में नागरिकों को और मजदूरों को घरों और कारखानों के भीतर बंद रहने पर मजबूर कर दिया है। अब समझ में आ रहा है कि अक्टूबर में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस में खुद को चीन का स्थायी नेता बनवा लेने के चक्कर में शी ने 'जीरो-कोविड नीति' का इस्तेमाल विरोधियों को चुपचाप जेलों में डालने और नागरिकों को किसी विरोध से रोकने के लिए किया था। वर्तमान आंदोलन शी चिनफिंग के खिलाफ चीनी जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति है।

भोजन, चिकित्सा, रोजगार, बिजली की किल्लत के खिलाफ लोगों के गुस्से को पहली अभिव्यक्ति गत 19 सितंबर को तब मिली, जब घरों से जबरन पकड़कर एक कोविड केंद्र ले जा रहे लोगों की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और 27 लोग मारे गए। चीनी जनता के आक्रोश ने 24 नवंबर को तब राष्ट्रव्यापी रूप धारण कर लिया जब उरुम्ची शहर में कोविड पाबंदी के कारण तालाबंद किए गए एक बहुमंजिला भवन में आग लग गई। पुलिस और सेना ने आग बुझाने वाली गाड़ियों को तीन घंटे तक रोके रखा, जिससे दर्जनों लोग घरों में ही भस्म हो गए। आग से घबराकर भवन की सातवीं-आठवीं मंजिल से गिरते लोगों के वीडियो जब चीनी इंटरनेट मीडिया पर घूमने लगे तो जनता का गुस्सा बम की तरह फूट पड़ा। रही-सही कसर कतर में चल वहे विश्व फुटबाल कप ने पूरी कर दी, जब लोगों ने वहां हजारों दर्शकों को खुली भीड़ में बिना मास्क पहने फुटबाल का आनंद लेते देखा।

चीन पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि शी चिनफिंग गुट के सताए हुए लाखों कम्युनिस्ट काडर और चीनी सेना के अधिकारी इस आंदोलन को हवा दे रहे हैं। इससे राष्ट्रपति शी की गद्दी को खतरा पैदा हो गया है। पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन की मृत्यु ने आंदोलनकारियों के लिए सड़कों पर उतरने का रास्ता और आसान कर दिया है। जिस चीन में पिछले सात दशकों से एक अकेले व्यक्ति को भी ऊंची आवाज में नारा लगाने पर पाबंदी रही है, वहां अब शोक के नाम पर विद्यार्थी मोमबत्तियां, फूल और सादे कागज लेकर उतर आए हैं। चीन के सौ से ज्यादा विश्वविद्यालयों को बंद करने और विद्यार्थियों को घर जाने का आदेश दे दिया गया है, ताकि प्रदर्शनों से उन्हें दूर किया जा सके। शी सरकार ने प्रदर्शनकारियों के गुस्से को शांत करने के लिए कई शहरों में कोविड प्रतिबंधों में ढील की घोषणा की है। यह आंदोलनकारियों के लिए जीत का संकेत है। अब देखना यह है कि चीन का आजीवन शासक बनने का सपना पाले बैठे शी चिनफिंग नई रियायतों से युवा आंदोलकारियों को रिझाते हैं या अपने पुराने आका देंग और ली पेंग का रास्ता अपनाकर फौजी टैंक उतारते हैं। शी का फैसला जो भी हो, इस बार सड़कों पर उतरी युवा पीढ़ी 1989 वाले आदर्शवाद से प्रभावित पीढ़ी नहीं है। यह वह नई पीढ़ी है जिसे देंग ने ''अमीर होना एक उपलब्धि है'' का सबक देकर आर्थिक और सामाजिक रूप से महत्वाकांक्षी बना दिया है और जिसके हाथ में मोबाइल जैसा हथियार है, जिसके बूते वह लाखों-करोड़ों लोगों की आवाज को सामूहिक दहाड़ में बदलने का दम रखती है।

THREE चीयर्स

जावेद जाफरी

जन्म- 4 दिसंबर
उम्र - 58 वर्ष

- पहली फिल्म- तहलका
- हिट फिल्में- धमाल, 100 डेज, मेरी जंग

धर्मेन्द्र

जन्म- 8 दिसंबर
उम्र- 86 वर्ष

- पहली फिल्म - बॉयफ्रेंड
- हिट फिल्में- कुंदन, क्षत्रिय, फरिश्ते, बटवारा, करिश्मा कुदरत का, रजिया सुल्तान, आस पास, नसीब, धरमवीर, शोले, चुपके चुपके, जुगनू, ब्लैकमेल, झील के उस पार, सीता और गीता, मेरा गांव मेरा देश, जीवन मृत्यु, आया सावन झूम के, मेरे हमदम मेरे दोस्त, आंखें, काजल, बंदिनी.

दिया मिर्जा

जन्म- 9 दिसंबर
उम्र- 40 वर्ष

- पहली फिल्म- रहना है तेरे दिल में
- हिट फिल्में- शूट आउट एट लोखंडवाला, हे बेबी, लगे रहो मुन्ना भाई, परिणीता.

डिनो मारिया

जन्म- 9 दिसंबर
उम्र- 46 वर्ष

- पहली फिल्म- प्यार में कभी कभी
- हिट फिल्में- राज, गुनाह

साहसी रुखसाना का रोल निभाएंगी श्रद्धा

बॉलीवुड के विलेन शक्ति कपूर की ब्यूटीफूल बेटी श्रद्धा कपूर एक बार फिर बायोपिक करने जा रही हैं. वह उस युवती का किरदार निभाने जा रही हैं जिसके साहस की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने की है. श्रद्धा सिल्वर स्क्रीन पर रुखसाना बनेंगी. मेकर्स ने एक्ट्रेस से बातचीत शुरू की है, लेकिन अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है. अगर सब कुछ सही रहता है तो यह श्रद्धा की दूसरी फिल्म होगी, जो रियल स्टोरी बेस्ड होगी. इससे पहले वो अंडरवर्ल्ड दाउद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर का किरदार निभा चुकी हैं.

'सभी खाना खाकर सोने की तैयारी कर रहे थे. तभी कुछ ऐसा हुआ, जिसके बारे में तब 20 साल की रुखसाना कौसर ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा. हाथ में बड़ी सी गन लिए 3 शख्स ने घर पर धावा बोल दिया. अंदर घुसे और पनाह मांगी. रुखसाना और उसके परिवार को समझते देर नहीं लगी कि ये आतंकवादी हैं. रुखसाना के पिता ने आतंकियों को घर में एक रात गुजारने से सख्त मना कर दिया. इतना सुनते ही आतंकियों का चेहरा गुस्से से तमतमाने लगा. उन्होंने बंदूक की बट से रुखसाना के पिता को मारना शुरू कर दिया. रुखसाना और उसका भाई बेड के नीचे छिपकर ये सब देख रहे थे, लेकिन पिता पर हमला होते देख वो खुद को रोक नहीं पाई. पास पड़ी कुल्हाड़ी उठाई और एक दहशतगर्द के गले पर दे मारी. जब तक कुछ समझ आता, रुखसाना ने बंदूक छीनी और फायर कर दिया. एक आतंकी को मौत के घाट उतार चुकीं रुखसाना को उस मुश्किल घड़ी में कहां से हिम्मत मिली, इसके बारे में उन्होंने बाद में बताया भी और अल्लाह का शुक्रिया भी अदा किया. लेकिन उस वक्त बस वो खतरनाक हथियारों से लैस आतंकवादियों से भिड़ चुकी थीं. रुखसाना का ये रौद्र रूप देख आतंकी भी डर से कांप गए थे और हाथ-पांव उठाकर भाग निकले थे. बाद में रुखसाना और उनका परिवार पुलिस के पास पहुंचा, सारी आपबीती सुनाई और फिर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रुखसाना की हिम्मत की दाद दी थी.'

ये कहानी अब सिल्वर स्क्रीन पर भी देखने को मिलेगी.

CATCH काउंटर

मैं 35 साल की हूं, और जब 30 साल की थी, तब से मैं एक बच्चा पैदा करना चाहती थी. लेकिन मैं समझती हूं कि ये चीजें तब होती हैं जब उन्हें होना होता है. अब वह समय आ गया है.

– नेहा मर्दा, एक्ट्रेस.

ईडी एक एक्सपीरियंस है और यह जीवन है. मुझे जब बुलाया गया तो मैंने अपनी ड्यूटी निभाई. मैंने सभी सवालों के जवाब दिए हैं.

विजय देवरकोंडा, एक्टर.

---

12 साल गुमनाम रहे, अब करेंगे विस्फोट

करीब 12 साल गुमनामी की जिंदगी जीने के बाद फरदीन खान कूकी गुलाटी की फिल्म 'विस्फोट' से दोबारा बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं. इस फिल्म को संजय गुप्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख भी होंगे. इस दौरान कहा गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन हाल ही में संजय ने खुलासा किया है कि फरदीन की कमबैक मूवी थिएटर में नहीं, बल्कि ओटीटी पर स्ट्रीम की जाएगी.

ये 2012 की वेनेजुएला की फिल्म 'रॉक, पेपर, सीजर' का आधिकारिक रीमेक है. फिल्म में रितेश एक पायलट का रोल प्ले कर रहे हैं. वहीं, फरदीन खान किडनैपर के रोल में हैं, जो रितेश के बेटे का अपहरण कर लेता है. इस साल के शुरुआत में एक इंटरव्यू में फरदीन ने खुलासा किया था कि वह फिल्म में डोंगरी के एक लड़के की भूमिका निभा रहे हैं. फिल्म में फरदीन-रितेश के अलावा प्रिया बापट, क्रिस्टल डिसूजा, सीमा बापट और शीबा चड्ढा भी हैं. संजय गुप्ता के साथ-साथ भूषण कुमार भी इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. वहीं, संजय ने कहा कि हर्षवर्धन राणे और मीजान जाफरी अभिनीत उनकी डायरेक्टोरियल वेंचर को भी वे सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज करेंगे. ये पूछने पर कि उनकी फिल्मों को थियेटर में न चलाने का कारण क्या है, उन्होंने कहा- हमने इन फिल्मों को थिएटर में ले जाने और बड़ी संख्या में कमाई करने का कोई भ्रम नहीं पाला है. मैं स्पष्ट था कि बॉलीवुड को महामारी के बाद ठीक होने में कम से कम 2 साल लगेंगे.

- संजय गुप्ता ने खुलासा किया कि उनका प्रोडक्शन हाउस 3 और फिल्में बना रहा, जो सभी डिजिटल रिलीज के लिए हैं. इन तीनों में से एक फिल्म का निर्देशन वे करेंगे, जो एक ब्लैक कॉमेडी है. अन्य 2 फिल्मों में एक चांदनी चौक में सेट है, जबकि दूसरी एक कॉमेडी थ्रिलर है. उनकी आखिरी फिल्म मुंबई सागा थी, जिसमें जॉन अब्राहम और इमरान हाशमी थे.

मेलोडी SONG

- फिल्म – जॉनी मेरा नाम (1970)
- गायक- किशोर कुमार
- संगीतकार- कल्याणजी, आनंदजी
- गीतकार – इंदिवर (श्यामलाल बाबू राय)

पल भर के लिए कोई हमें
प्यार कर ले, झूठा ही सही (2)
दो दिन के लिए कोई इकरार कर ले (2)
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...
हमने बहुत तुझको चुप चुपके देखा (2)
दिल पे खिंची है तेरे काजल की रेखा
काजल की रेखा बनी, लक्ष्मण की रेखा
हो हो हो हो काजल की रेखा बनी लक्ष्मण की रेखा
राम में क्यों तूने रावण को देखा (2)
खड़े खिड़की पे, आ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ
खड़े खिड़की पे जोगी स्वीकार कर ले
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें प्यार...
हीरे से जड़े तेरे नैन बड़े,
जिस दिन से लड़े, तेरे दर पे पड़े (2)
सुन सुनकर तेरी नहीं-नहीं
जां निकल जाए ना कहीं,
जरा हां कह दे मेरी जान कह दे,
मेरी जान कह दे जरा हां कह दे
जब रैन पड़े, नहीं चैन पड़े (2)
नहीं चैन पड़े, जब रैन पड़े
माना तू सारे हसीनों से हसीं है (2)
अपनी भी सूरत बुरी तो नहीं है (2)
कभी तू भी ओ, कभी तू भी हमारा
दीदार कर ले, झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...
हम वो नहीं जो छोड़ दें तेरा दमन,
अपने होठों की हंसी हम तुझको देंगे (2)
आंसू तेरे अपनी आंखों में लेंगे (2)
तू हमारी वफा का ऐताबर कर ले (2)
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...

TV कैलिडोस्कोप

शो में 20 साल का लीप

कहानी में आएगा बड़ा ट्विस्ट

टीवी के पॉपुलर शो 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' में राम कपूर यानी नकुल मेहता की याददाश्त वापस आ जाएगी. शो के मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है. इन दिनों अपनी पत्नी प्रिया और बेटी पीहू को भुलाए बैठे राम कपूर की याददाश्त इसी माह दिसंबर में वापस आ जाएगी. पहले यह दावा भी किया था कि शो में जल्दी ही 20 साल का लीप आएगा और इसके लीड एक्टर नकुल मेहता और दिशा परमार इस शो को अलविदा कह देंगे. कहा जा रहा है कि सीरियल में आगे राम और प्रिया कपूर की बेटी पीहू पर फोकस किया जाएगा. बड़ी पीहू और शो के अन्य एक्टर्स की कास्टिंग जारी है, जो जल्दी ही फाइनल हो सकती है. इसी महीने की शुरुआत राम और प्रिया की जिंदगी में सबकुछ ठीक हुआ था. राम को अपनी सौतेली मां नंदिनी कपूर यानी शुभावी चौकसे, सौतेले भाई शुभम यानी मनराज सिंह और पूर्व प्रेमिका वेदिका यानी रीना अग्रवाल की असलियत का पता चल गया था. लेकिन इसी बीच उसका और प्रिया का कार एक्सीडेंट हुआ और वह अपनी जिंदगी के कुछ हिस्से को भूल चुका है. उसे यह याद नहीं कि प्रिया उसकी पत्नी और पीहू उसकी बेटी है. प्रिया राम की याददाश्त वापस लाने की कोशिश कर रही है. अब देखना यह है कि वह अपने इस काम में सफल हो पाती है या नहीं.

बेपरवाह तब्बू

अभिनेत्री तब्बू को कभी काम की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी. हाल ही में उन्होंने अनीस बज्मी की फिल्म 'भूल भुलैया' को लगभग पूरा कर दिया है. इसके साथ ही वह अपने अगले 2 प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हो गई हैं. इनमें एक फिल्म 2023 के शुरू में रिलीज होगी. जहां तक फिल्मों का सवाल है, कोई विशिष्ट रोल होने पर ही वह खुलकर फिल्म का जिक्र करती हैं. अपनी जिंदगी की तरह अपने करिअर को लेकर भी उन्हें कोई परवाह नहीं है. उनके मन में जो आता है, वह वही करती हैं. तब्बू का कहना है, 'अभी तक मैंने यह सब कभी अपने पर्सनैलिटी बिल्डअप के लिए नहीं किया. दरअसल मैं हूं ही ऐसी. एकदम बेपरवाह ....' यह जिंदगी जीने का उनका अपना फलसफा है.

छोटे रोल में खुश हैं एली

पिछले दिनों रिलीज 'गुडबॉय' में अभिनेत्री और मॉडल एली एबराम भी एक छोटे से रोल में दिखाई पड़ी हैं. अब दिसंबर में आनेवाली फिल्म 'गणपत' में भी वह ऐसा ही किरदार कर रही हैं. इस बारे में उनका कहना है कि कई बार ऐसे छोटे-छोटे रोल को ऑडियंस खूब नोटिस करते हैं. इसलिए मैं इन पर भी खूब मेहनत करती हूं. विदेश से आई इस मॉडल को आज भी सलमान की दोस्त के तौर पर ज्यादा पहचाना जाता है, पर एली अब इस बात का जिक्र नहीं करना चाहती हैं.

कार्तिक करेंगे रश्मिका संग 'आशिकी 3'

कुछ समय पहले घोषणा हुई थी कि कार्तिक आर्यन फिल्म आशिकी-3 में लीड रोल निभाएंगे. उसके बाद से ही फिल्म में उनकी एक्ट्रेस को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं. पहले चर्चा थी कि दीपिका पादुकोण, कृति सेनन और श्रद्धा कपूर में से कोई एक उनकी हीरोइन बन सकती है. फिर यह भी खबर आई कि लीड एक्ट्रेस की रेस में रश्मिका मंदाना भी चल रही हैं और अब ऐसा लगता है कि रश्मिका इस रेस की विनर साबित हुई हैं.

रश्मिका ने फिल्म 'पुष्पा द राइज' में अल्लू अर्जुन के साथ काम करके हिंदी सिनेमा के दर्शकों के दिलों में खासी जगह बना ली है. रश्मिका को ही मेकर्स ने इस प्रोजेक्ट के लिए हीरोइन के तौर पर फाइनल किया है. रश्मिका और कार्तिक बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं नजर आए हैं, इसलिए वह फ्रेश पेयर लगेंगे. इसके अलावा कार्तिक ने कृति सेनन, कियारा आडवानी, अनन्या पांडे के साथ काम किया हुआ है. इसलिए मेकर्स चाहते हैं कि वह किसी नए चेहरे के साथ नजर आएं. कई दर्शक हैं जो इस जोड़ी को देखना चाहते हैं.

दिल्ली आते ही ललचाया अर्जुन का मन

बोले, 'ट्रेनर को चीट डे के लिए मना लिया है'

दिल्ली की सर्दियां अभिनेता अर्जुन कपूर को बचपन से पसंद रही हैं. इन दिनों वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग के लिए दिल्ली में हैं और यहां की सर्दी के साथ-साथ यहां के पकवानों का भी खूब लुत्फ उठा रहे हैं. अपनी इस नई फिल्म की शूटिंग के लिए वह ऋषिकेश भी जाने वाले हैं. अर्जुन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को अपने फिल्मी करिअर के लिए बहुत भाग्यशाली मानते रहे हैं. वह कहते हैं, 'दिल्ली हमेशा से मेरे लिए बहुत खास रही है और यह मेरा लकी चार्म है.

'दिल्ली में अपनी तमाम चर्चित फिल्मों जैसे '2 स्टेट्स', 'की एंड का', 'संदीप और पिंकी फरार' की शूटिंग कर चुके अर्जुन कहते हैं, ये सभी फिल्में मेरी फिल्मोग्राफी की सबसे खास फिल्में रही हैं और इन फिल्मों से मुझे बड़ी पहचान मिली, जिसका मैं आभारी हूं.' जानकारी के मुताबिक, अर्जुन कपूर दिल्ली अपनी नई फिल्म 'मेरे हस्बैंड की बीवी' की शूटिंग के लिए पहुंचे हैं. इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर और रकुलप्रीत सिंह काम कर रही हैं.

अर्जुन कहते हैं, 'मैं अपनी अगली फिल्म के लिए दिल्ली वापस आकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे उम्मीद है कि यह फिर से सिनेमा में मेरे करिअर की सबसे खास फिल्म होगी. फिटनेस के लिए कड़ी दिनचर्या का पालन करने वाले अर्जुन का मन दिल्ली के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने के लिए भी ललचा रहा है. वह कहते हैं, 'चूंकि आजकल मैं फिटनेस के लिए सतर्क हूं और जल्द ही अपेक्षित शरीर हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद रोज नहीं ले पाऊंगा लेकिन मैंने अपने ट्रेनर को मना लिया है कि वह एक दिन मुझे दिल्ली में अपने मन की चीजें खाने दें.' अर्जुन के पिता बोनी कपूर की बुआ और दूसरे कई रिश्तेदार दिल्ली और आसपास के शहरों में रहते हैं. उनकी दिली तमन्ना शूटिंग से ब्रेक लेकर उनके घर जाने की भी है. अर्जुन कहते हैं, 'मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं, जब मैं अपनी बुआ के घर का खाना और यहां की चाट खा पाऊंगा. मैं दिल्ली में इस आउटडोर शेड्यूल के लिए इसलिए भी उत्साहित हूं क्योंकि मेरे बचपन की छुट्टियां यहीं बीती हैं.'

एक नज़र

स्वास्थ्य विज्ञान विवि में 42 पद सृजित

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों का नामांकन एवं संबद्ध कॉलेजों की संख्या निरंतर बढ़ने से अशैक्षणिक पदों की संख्या में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर स्थित राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 42 अशैक्षणिक पदों के सृजन को मंजूरी दी है। विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के 2 पद, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, उप विधि परामर्शी, सीनियर लीगल ऑफिसर, कनिष्ठ लेखाकार तथा सूचना सहायक के 1-1 पद, अनुभाग अधिकारी के 5, सहायक अनुभाग अधिकारी के 3, वरिष्ठ सहायक के 5, कनिष्ठ सहायक के 15 तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 7 पद सृजित किए गए हैं।

कांवटिया में एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी हुई शुरू

जयपुर। शास्त्री नगर में स्थित कांवटिया राजकीय चिकित्सालय में शनिवार से एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी शुरू हुई। यहां के सर्जरी विभाग की टीम ने पहली बार दूरबीन से हर्निया की सर्जरी की है। अधीक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि पहले मरीजों को इस प्रकार की सर्जरी के लिए एसएमएस में रेफर करना पड़ता था, जहां पहले से ही काफी लंबी वेटिंग लिस्ट होती हैं। प्राइवेट अस्पतालो में ऐसी सर्जरी के लिए 40-50 हजार का खर्चा आता है, लेकिन अब यह सुविधा कांवटिया में शुरू हो गई है।

28 सदस्यीय प्रतिनिधि केरल से पहुंचे जयपुर

पंचायतीराज योजनाओं का अवलोकन करेगा दल

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। केरल से बीनू मोलके के नेतृत्व में रविवार को 28 सदस्यीय प्रतिनिधि जयपुर आए। यह दल 13 दिसंबर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर पंचायती राज की विभिन्न योजनाओं और इन योजनाओं के तहत अपनाए जा रहे नवाचारों का अवलोकन करेंगे। इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में उन्हें पंचायती राज सचिव नवीन जैन ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विभिन्नता से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि राज्य की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति विश्व पटल पर अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने 'सतत विकास लक्ष्य' के उद्देश्य से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। शासन सचिव ने प्रदेश की योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि राजस्थान में पंचायती राज संस्थान 'ग्लोबल टू लोकल' रूपरेखा के जरिए कार्य कर रही है। राज्य में कुल 11 हजार 272 ग्राम पंचायतों के जरिए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाया जा रहा है।

जल्द खुले में शौच मुक्त होगा प्रदेश: स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक प्रताप सिंह ने प्रतिनिधियों को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रदेश में स्वच्छता मिशन के तहत विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही राजस्थान 'खुले में शौच मुक्त' प्रदेश होगा। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों ने दल से मुलाकात कर केरल में चल रही पंचायती राज की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

मंत्री और विधायकों ने दिया आश्वासन, तुड़वाया था पार्षदों का अनशन

अब तक नहीं गठित हुई जयपुर नगर निगम हेरिटेज में समितियां!

जयपुर। ऑन नगर निगम हेरिटेज में संचालन समितियों का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। समितियों के गठन के लिए विधायकों द्वारा दिया गया समय बीतने के बाद भी समाधान नहीं निकलने पर कांग्रेस पार्षदों ने बुधवार को अनशन शुरू कर दिया था। गत गुरुवार शाम अनशन पर बैठे पार्षदों से समझाइश करने देर शाम मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, मंत्री महेश जोशी, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी और महापौर मुनेश गुर्जर निगम मुख्यालय पहुंचे। मंत्री व विधायकों की समझाइश के बाद पार्षदों ने अनशन खत्म कर दिया था। विधायकों ने सात दिन में कमेटिया गठित करने का आश्वासन दिया है। शहर के कांग्रेस विधायकों में चल रही खींचतान के चलते समितियों का गठन नहीं हो रही। पार्षदों से समझाइश करने पहुंचे मंत्रियों और विधायकों में भी एकजुटता नजर नहीं आई। धरना स्थल से प्रतापसिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी के जाने के बादमंत्री महेश जोशी और उपमहापौर असलम फारूकी भी निगम मुख्यालय पहुंचे और पार्षदों से समझाइश की थी। गत बुधवार रात अनशन पर बैठे पार्षदों से महापौर ने मंत्री विधायकों से बात करने के लिए तीन दिन का समय मांगा था किन्तु आज तक कमेठियां गठित नहीं हुई।

पार्षदों को तारीख पर तारीख़

निगम हेरिटेज में कांग्रेस का बोर्ड बने दो वर्ष बीतने के बाद भी संचालन समितियों का गठन नहीं होने पर नाराज कांग्रेस पार्षदों ने धरना शुरू किया। धरने पर बैठने से पहले पार्षदों को मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सात दिन में कमेटियों का गठन करने का आश्वासन दिया था। सोमवार को सात दिन पूरे होने पर पार्षदों ने अनशन पर जाने की घोषणा की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। गुरुवार को फिर से मंत्री-विधायकों ने सात दिन का समय मांगा था। पार्षदों का कहना था कि जब तक समितियों का गठन नहीं होता तब तक धरना जारी रहेगा।

नहीं दे पा रहे चेयरमैनों के नाम

नगर निगम हेरिटेज में चारो कांग्रेस विधायक अपने अपने क्षेत्र के चेयरमैन के नाम और संख्या निर्धारित नहीं कर पा रहे। इस कारण अब इनमें आपसी विवाद भी बढ़ता जा रहा है। वहीं, कांग्रेस के समर्थन में आए 9 निर्दलीय पार्षदों को भी निर्धारित स्थान देने पर विवाद है। इसी विवाद को सुलझाने के लिए मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास विधायकों में सामंजस्य बैठाने का प्रयास करते आ रहे है।

पुलिस को गैंगवार की आशंका

प्रताप नगर में दिन दहाड़े युवक को गोली मारी, मौत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में बदमाशों ने दिन दहाड़े एक युवक पर फायरिंग कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए ए श्रेणी की नाकाबंदी करवाई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस के अनुसार वारदात गोदावरी अपार्टमेंट के पास हुई। थड़ी पर महेन्द्र मीणा अपने साथियों के साथ चाय पी रहा था। इसी दौरान चौपहिया वाहन में आए बदमाशों ने उस पर फायरिंग शुरु कर दी।

गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आशंका जता रही है कि मृतक महेंद्र मीणा और विनीत मेडी में आपसी रंजिश चल रही थी। पुलिस ने बताया कि बदमाश फायरिंग करने के बाद अपनी गाड़ी से भागने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुई तो गाड़ी को छोड़ दूसरे वाहन से भाग निकले। बदमाश के खिलाफ जयपुर सहित कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। शहर में लगातार हो रही फायरिंग की घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल है।

राजकाज सॉफ्टवेयर के जरिए ई-फाइलिंग कार्य शुरू

प्रदेश का पहला ऑनलाइन जिला कलेक्ट्रेट बनेगा जयपुर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट प्रदेश का पहला ऑनलाइन कलेक्टर बनने जा रहा है। प्रशासन प्रदेश आमजन के कार्य को आसान बनाने और प्रशासनिक कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए जयपुर जिला प्रशासन प्रदेश के सरकारी कार्यालयों के लिए नजीर बनने जा रहा है। जयपुर कलेक्ट्रेट में ई फाइल सिस्टम शुरू कर किया है। कागजी कार्यवाही को कम करते हुए सभी कार्य ऑनलाइन होंगे। कलेक्ट्रेट में एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी तक चलने वाली कागजी फाइलें अब ई फाइल के रूप में बनेगी। जिला प्रशासन ने इस सिस्टम पर काम करते हुए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कलेक्ट्रेट की दो शाखाओं संस्थापन शाखा और सामान्य शाखा में ई फाइल सॉफ्टवेयर पर पत्रावलियों का संधारण का कार्य शुरू किया है।

जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने गुरुवार को ई फाईलिंग का काम शुरू करते हुए जिला कलेक्टर ने चार-चार फाइलों का निस्तारण ई फाइल सिस्टम से किया। प्रक्रिया में ई फाइल सिस्टम पर प्रस्तुत की गई इन फाइलों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम और अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर पूर्व ने अपनी टिप्पणियों के साथ ऑनलाइन ही जिला कलेक्टर के पास भेजी। उसके बाद जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने ऑनलाइन ही फाइलों पर ई साइन कर इन फाइलों का निस्तारण किया।

ई-साइन से फाइलों का निस्तारण

ई फाइल सिस्टम के नोडल अधिकारी और डीओआईटी के उप निदेशक रितेश कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआईटी) की ओर से सरकारी विभाग और कार्यालयों में आसान, पेपरलेस और ऑनलाइन कार्य करने के लिए एकीकृत सॉफ्टवेयर राजकाज सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही ई फाइल सिस्टम डेवलप किया गया है। इसके लिए कर्मचारियों को पहले ही ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

पहले चरण में 2 शाखाओं में शुरू

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि कलेक्ट्रेट की दो शाखाओं में ई फाइल सिस्टम शुरू किया गया है। धीरे-धीरे सभी शाखाओं में ई फाइल सिस्टम से ही फाइलों का निस्तारण करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्ट्रेट में पूरी तरह से ई फाइल सिस्टम लागू होने के बाद पंचायत और तहसील स्तर पर भी इस सिस्टम को लागू किया जाएगा।

ई-फाइल सिस्टम के ये होंगे लाभ

- फाइल की ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो सकेगी।
- कार्यों में सरलता और पारदर्शिता आएगी।
- समय की बचत होगी।
- फिजिकल मूवमेंट की आवश्यकता नहीं होगी और कोरोना जैसी विकट परिस्थिति में वर्क फ्रॉम होम या एनी व्हेयर कार्य संभव हो सकेगा।
- कार्यालय टिप्पणी से लेकर पत्रावली अनुमोदन की प्रक्रिया पेपरलेस होगी।

रथ हुए रवाना: भाजपा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ आमजन को बांटी आरोप पत्र की प्रतियां

200 विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश यात्रा का शंखनाद

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। भाजपा की जनआक्रोश यात्रा रविवार को प्रदेश की पूरी 200 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ चली। प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में यात्राओं का जगह-जगह स्वागत किया गया। रथ यात्रा के आगाज के साथ ही चौपाल और नुक्कड़ सभाओं के आयोजन भी शुरू कर दिए गए हैं, जो पूरी यात्रा में प्रतिदिन होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड महादेव मंदिर व आमेर में शिला माता मंदिर, राष्ट्रीय मंत्री व प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ताड़केश्वर मंदिर चौड़ा रास्ता, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सर्वस्तु विलास से, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जंभेश्वर मंदिर ओसियां से जनाक्रोश यात्रा का शंखनाद किया। यात्रा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र की प्रतियां जनता को बांटी जा रही हैं, जिसमें वादा खिलाफी, कानून व्यवस्था को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसके अलावा शिकायत पत्र फॉर्म भी जनता से भरवाए जा रहे हैं, जो रथ में लगी शिकायत पेटिका में एकत्र किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक वितरित किए जा रहे हैं। पूनियां ने आमेर में शिला माताजी मंदिर से यात्रा का शुभारंभ रथ का पूजन कर किया। इस दौरान वह करीब 5 किमी कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चले। पूनियां ने कहा कि कांग्रेस के शासन में जंगलराज, कुशासन, भ्रष्टाचार और वादा खिलाफी के खिलाफ भाजपा ने इस यात्रा का आगज किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसान कर्जमाफी को लेकर किसानों से, रोजगार को लेकर युवाओं से वादा खिलाफी की। साथ ही भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था, बदहाल चिकित्सा और शिक्षा व्यवस्था, बिजली, सड़क और पानी की समस्याओं को लेकर की जनता में आक्रोश है, जिसको मुखरता देने के लिए भाजपा ने जन आक्रोश अभियान की शुरुआत की है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था हुई बदहाल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस सरकार के जंगलराज में पूरे राजस्थान की कानून व्यवस्था बदहाल है, निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं, एक बेटी के सामने उसके पिता की गोलियों से हत्या कर दी जाती है और राज्य सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहती है, इसलिए गूंगी, बहरी कांग्रेस सरकार और कुर्सी से चिपके बैठे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जनता हमेशा के लिए विदाई को तैयार बैठी है।

नड्डा के बयान पर गहलोत का पलटवार

'यूपीए की योजनाओं का नाम बदल काम चला रहे मोदी'

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के केंद्र की योजनाओं का नाम बदलने के आरोप को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। गहलोत ने कहा- यह तो हमारा आरोप उनके ऊपर है, जो यूपीए गवर्नमेंट की योजनाएं थी, उनका नाम बदल कर मोदी जी ने काम चलाया है। सीएम ने कोटा में राहुल गांधी की सभा की तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बातचीत में जयपुर में नड्डा की सभा में कुर्सियां खाली रहने की बात करते हुए कहा कि बीजेपी की जन आक्रोश यात्रा फेल हो रही है, उससे लोग जुड़ नहीं रहे हैं। जनता तब जुड़ती है, जब मुद्दे हों। हमने मुद्दों का मौका ही नहीं दिया। वो क्या संघर्ष करेंगे, क्या विरोध करेंगे? अब चुनाव के लिए आए हैं। चुनाव जीतने के लिए वो झूठ बोलते हैं कि किसानों का ऋण माफ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 22 लाख किसानों के ऋण माफ हुए हैं। 1 से 6 लाख तक के ऋण माफ हुए हैं। लोग उनके झूठ का पर्दाफाश, खुद ही कर रहे हैं।

जी20 शेरपा बैठक उदयपुर में शुरू

दुनिया की मदद के लिए आज विशिष्ट स्थिति में है भारत: शोंबी शार्प

हिलव्यू समाचार
उदयपुर। संयुक्त राष्ट्र के स्थानिक समन्वयक शोंबी शार्प ने भारत की विदेश नीति की तारीफ करते हुए कहा कि टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। भारत जी20 की अध्यक्षता के साथ और अन्य देशों के साथ वैश्विक आवाज के रूप में लक्ष्यों को हासिल करने में मदद के लिहाज से इस समय विशिष्ट स्थिति में है। पिछले कुछ साल और महीनों में अनेक संकट देखे गए हैं। भारत को अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है जब हम एसडीजी एजेंडा के आधे रास्ते में हैं। शार्प ने कहा कि भारत 'हमें पटरी पर वापस लाने' के लिए विशिष्ट स्थिति में है।

भारत हासिल कर सकता है 9% जीडीपी

आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत कई वर्षों तक 9% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए जरूरी है कि दुनिया लगातार उच्च वृद्धि दर हासिल करे। भारत की प्रति व्यक्ति आय केवल 2,200 अमेरिकी डॉलर है और यह कई वर्षों की उच्च वृद्धि दर के बाद हासिल की गई है।

हम लोकतंत्र की जननी: कांत

बैठक में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने बैठक में टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक सह-आयोजन को संबोधित करते हुए कहा, हम बड़े भू राजनीतिक संकट से गुजर रहे हैं। हमने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को टूटते, देशों पर कर्ज बढ़ते और जलवायु कार्रवाई एवं जलवायु वित्त पोषण संबंधी बड़े संकट देखे हैं। उन्होंने कहा पहले हमें एजेंडा के विषय विकसित देशों से मिलते थे। अब, हम जी20 की बैठक का एजेंडा तय करने जा रहे हैं। हम दुनिया को बताएंगे कि हम लोकतंत्र की जननी हैं।

एसडीजी लक्ष्यों का संग्रह

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2015 में अपनाए गए एसडीजी लोगों और धरती के लिए शांति एवं समृद्धि के लिए, अभी और भविष्य के लिए 17 वैश्विक लक्ष्यों का संग्रह है, जिन्हें 2030 तक प्राप्त करना है। एसडीजी के लक्ष्यों में- गरीबी और भुखमरी का खात्मा, अच्छा स्वास्थ्य और कुशलता, अच्छी शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल और साफ-सफाई आदि शामिल हैं।

इन विषयों पर होगी चर्चा

भारत जी20 की अध्यक्षता के तहत पहली शेरपा बैठक की मेजबानी कर रहा है। इसकी अध्यक्षता भारतीय शेरपा अमिताभ कांत कर रहे हैं। बैठक में यूरोपीय संघ (ईयू) और नौ विशेष आमंत्रित देशों समेत 19 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस बैठक में 40 से अधिक प्रतिनिधि पहुंचेंगे। बैठक में रोजगार, स्वास्थ्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश और उद्योग, पर्यावरण और जलवायु, ऊर्जा, भ्रष्टाचार विरोधी, कृषि, महिला सशक्तीकरण, पर्यटन और संस्कृति के विषय पर चर्चा होगी।

एक नज़र

जयपुर सहित उत्तरी राजस्थान में सर्द हवाओं का असर

माउंट आबू में रात में बर्फ़... गुलाबी नगरी में दिन में बढ़ी ठंड

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पहाड़ों पर बर्फबारी का सीधा असर अब मैदानी भागों में पड़ने लगा है। प्रदेश में सर्द हवाओं का सितम शुरू हो गया है। इसके चलते माउंट आबू से लेकर शेखावाटी तक सर्दी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है।

राजधानी जयपुर सहित शेखावाटी और उत्तरी राजस्थान में दिन के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है, वहीं सिरोही के माउंट आबू में रात तापमान शून्य से एक डिग्री के बीच बना हुआ है। रविवार को माउंट आबू का न्यूनतम तापमान 1 डिग्री दर्ज किया गया।

सीजन में रहेगा औसत तापमानः भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक उत्तर भारत एक या दो भागों में मौसम सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान रहने का अनुमान है। साथ ही मौसम विभाग ने उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों सर्दियों में कुछ क्षेत्रों को छोड़कर अन्य स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया है।

कई स्थानों पर छाया कोहरा

सर्द हवाओं के चलते प्रदेश के कई जिलों में सुबह के समय कोहरे की स्थिति बन रही है। राजधानी जयपुर के टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, सीतापुरा, न्यू सांगानेर रोड, जगतपुरा सहित अन्य जगहों पर कोहरा छाया रहा। इसके साथ ही वाहनों और खेतों में ओस की बूंदे नजर आईं। रविवार को करीब 14 से अधिक जिलों का न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया।

एक दर्जन जिलों में 2 डिग्री तक की गिरावट

सर्द हवाओं से प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। रविवार को अलवर में अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री की गिरावट रही, वहीं अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, श्रीगंगानगर, सीकर, झुंझुनू, उदयपुर, जैसलमेर, चूरू सहित एक दर्जन जिलों में एक से दो डिग्री तक तापमान कम रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार आगामी पांच-छह दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। चूरू, झुंझुनूं, सीकर के अलावा सिरोही, बीकानेर, नागौर, जैसलमेर आदि स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है।

पर्यटन विकास निगम ने शुरू की कवायद

तारागढ़ किले में जल्द शुरू होगा पर्यटन, बनेगा रोप-वे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने तारागढ़ किले में जायरीन और पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई है। विभाग डेढ़ हजार साल पुराने तारागढ़ किले की सूरत बदलने की तैयारी कर रहा है। निगम किले तक आवाजाही के लिए रोप-वे, पुराने रेलवे क्वार्टर में कैफेटेरिया और पर्यटकों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा का प्रस्ताव राज्य और केंद्र को भेजेगा।

साथ ही पर्यटन विकास निगम तारागढ़ किले को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने के प्रयास भी होंगे।

1400 साल पुराना है किला

तारागढ़ किला चौहान काल का 1400 साल से भी ज्यादा पुराना किला है। यह 2855 फीट ऊंची अरावली पहाड़ी पर बना है। किला 50 से ज्यादा युद्धों का गवाह रहा है। किले का निर्माण चौहान सम्राट अजयपाल ने ग्याहरवीं सदी में करवाया था। विदेशी आक्रान्ताओं के हमले से बचने के लिए ढाई दिन के झौंपड़े के पास ही तारागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया गया था। यह किला अजेयमेरू दुर्ग के नाम से जाना जाता था। मुगलों के काल में इस किले का बड़ा सामरिक महत्व था।

18वीं शताब्दी के रेलवे क्वार्टर भी लिए जाएंगे लीज पर, रेल मंत्री को लिखा पत्र

दरगाह स्थित अढाई दिन के झोंपड़े अथवा पृथ्वीराज चौहान स्मारक से तारागढ़ पहाड़ी तक रोप-वे बनेगा, जिसका काम जल्द शुरू किया जाएगा। रोप-वे से पर्यटक-जायरीन अरावली पर्वतमाला की खूबसूरती का लुत्फ उठा सकेंगे। आरटीडीसी ब्रिटिश काल में बने 18वीं शताब्दी के रेलवे क्वार्टर को भी लीज पर लेगा। क्वार्टर में कैफेटेरिया-रेस्टोरेंट के साथ रुकने के लिए सुविधायुक्त रूम बनाए जाएंगे। इससे जायरीन और पर्यटकों को सुविधा होगी। इस सम्बन्ध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजा गया।

प्रस्ताव मंजूर, कामकाज जल्द शुरू होगा: धर्मेन्द्र राठौड़: आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने बताया कि तारागढ़ किले स्थित रेलवे के क्वार्टर को लीज पर लेने के लिए रेल मंत्री को प्रस्ताव भेज चुके हैं। स्वीकृति मिलते ही यहां कैफेटेरिया और रूम बनाए जाएंगे। रोप-वे का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। कामकाज जल्द शुरू होगा। पुष्कर हेलिकॉप्टर सेवा को तारागढ़ से जोड़ने को लेकर सर्वेक्षण कराया जाएगा।

गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में तुर्की और चाइना मेड पिस्टल का इस्तेमाल

बदमाशों से मुठभेड़... हमलावर दबोचे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान की पुलिस ने गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में शामिल बदमाशों को 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस की 150 से अधिक अलग-अलग टीमों ने गांव वालों की मदद से हत्याकांड के आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार 5 आरोपियों में से 2 सीकर के और 3 हरियाणा के रहने वाले हैं। इनमें एक नाबालिग है। शनिवार की सुबह सीकर के पिपराली में राजू ठेहट पर गोलियां बरसाने वाले यह बदमाश किसके कहने से आए थे या किस गैंग से जुड़े हैं, पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया हैं।

एडीजी क्राइम डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि बदमाशों के पास से चीन और तुर्की में बने 5 विदेशी पिस्टल बरामद किए गए। इनके पास इतनी गोलियां थी कि अगर यह किसी एक स्थान पर छिप कर पुलिस की टीमों पर फायर करते तो पूरी पुलिस टीम का खात्मा कर सकते थे। पुलिस ने ऐसा जाल बिछाया कि वे पूरी गोलियां चला ही नहीं सके। इनके पास कुल करीब 185 राउंड बुलेट्स थी। इनमें से 1 हजार से ज्यादा गोलियां चल सकती थी। इन्होंने 52 राउंड सीकर में, 3 बबाई गांव में और पुलिस से मुठभेड़ में 5 राउंड फायर किए।

मुठभेड़ में दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

बदमाशों ने पुलिस निरीक्षक मनीष शर्मा व हिम्मत सिंह पर फायरिंग की, जो बाल-बाल बचे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में सतीश व जतिन को पैर में गोली लगी है, जिनका जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज जारी है। सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप, जयपुर रेंज आईजी उमेश दत्ता और झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा ने टीमों को लीड किया।

ऐसे पकड़े गए बदमाश

बदमाश राजू ठेहट के घर के सामने ही करणी हॉस्टल में रह रहे थे। हत्या कर भागते समय झुंझुनूं के बाबई में इन्होंने पहली नाकाबंदी तोड़ी। फिर कार में सवार बदमाश फायरिंग करते हुए हरड़िया से बागोली नदी में उतर गए। पुलिस की 15 टीमों ने बाघोली नदी के निकट पहाड़ियों और गांवों में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान सराय (हरियाणा), डाबला व स्यलोदड़ा-थाना पाटन के नजदीक पहाड़ियों के पास खेतों में छिपे हुए बदमाश मनीष उर्फ बच्चिया (25) निवासी जोरा वाली ढाणी थाना नीमकाथाना और विक्रम गुर्जर (28) निवासी बामरडा जोहड़ा थाना खंडेला को पकड़ लिया। वहीं 3 बदमाश आगे भाग निकले। जो गुढ़ा पौंख में स्थित पहाड़ियों पर जा चढ़े। पता चलते ही पहाड़ियों को पुलिस ने घेर लिया और ग्रामीणों की मदद से गांव झुंझुनूं से माला खेत की पहाड़ियों से सतीश मेघवाल (40), जतिन कुमार (24) निवासी ढाढवा-थाना बाढड़ा, हरियाणा को पकड़ लिया। वहीं, एक अन्य बाल अपचारी भी इनके साथ था, जिसे भी निरुद्ध कर लिया।

विजेंद्र सिंह हत्याकांड में परेड कराई

गैंगस्टर्स को फटे कपड़े पहनाकर घुमाया ताकि उनका डर ख़त्म हो

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजधानी में लगातार हो रहे अनकंट्रोल क्राइम को कंट्रोल करने के लिए जयपुर पुलिस ने गैंगस्टर्स की सरेआम परेड करवाई। करधनी थाना पुलिस ने विजेंद्र सिंह हत्याकांड मामले में गिरफ्तार हुए बदमाशों को फटे कपड़ों में शुक्रवार को गली-गली घुमाया, ताकि आसपास के इलाके में डर फैलाने वाले इन बदमाशों की दहशत खत्म हो सके। करधनी इलाके में प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र सिंह हत्याकांड में गिरफ्तार पांचों बदमाशों को थाने से लेकर घटना स्थल तक परेड करवाई गई। हथियारबंद पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में हत्या में शामिल आरोपी सागर सिंह, नागर सिंह, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह और अजय सिंह को घटना स्थल तक तस्दीक करने के लिए पहुंची। इस दौरान नजारा कुछ अलग ही था। पुलिस हथकड़ी लगाकर, हथियारबंद जवानों के साथ फटे कपड़ों में पांचों को गली-गली घुमाते हुए घटनास्थल तक लेकर पहुंची।

यूरिया की आपूर्ति में जुटा कृषि विभाग

93 हजार एमटी यूरिया की उपलब्धता का दावा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में अच्छी बारिश के बाद हुई रिकॉर्ड बुवाई के बीच कृषि विभाग यूरिया की आपूर्ति में जुट गया है। कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में 93 हजार मैट्रिक टन यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। गंगानगर में सबसे अधिक 11 हजार मैट्रिक टन यूरिया स्टॉक उपलब्ध है। कृषि आयुक्त कानाराम ने बताया कि अच्छी वर्षा से अग्रिम एवं अधिक बुवाई हुई है। शुक्रवार तक 99.04 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है, जो पिछले साल के इसी समय की तुलना में 9 लाख हैक्टेयर अधिक है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रबी सीजन के लिए केन्द्र सरकार की ओर से 14.50 लाख मैट्रिक टन यूरिया की मांग स्वीकृत की गई थी, जिसके तहत अक्टूबर व नवम्बर में 9 लाख मैट्रिक टन मांग के विरूद्ध 7.57 लाख मैट्रिक टन आपूर्ति की गई है। कृषि आयुक्त ने बताया कि अलवर, बूंदी, कोटा, सवाई माधोपुर, झालावाड़ व दौसा सहित सभी जिलों में खपत के अनुसार वितरण करवाया जा रहा है।

मंत्रीजी हमारी भी सुनो फरियाद: दिव्यांग बोले-

750 में तो सिलेंडर भी नहीं आता, कैसे चलाएं घर खर्च?

हिलव्यू समाचार
जयपुर। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली के सामने अपनी समस्याएं रखीं और कहा कि सरकार की तरफ से पेंशन को 750 से बढ़ाकर तीन हजार रुपए किया जाना चाहिए। आज महंगाई इतनी हो गई है कि 750 का तो गैस सिलेंडर भी नहीं आता फिर इतने में दिव्यांगजनों के घर का चूल्हा कैसे जलेगा। अधिकतर ग्रामीण दिव्यांगजन पेंशन पर ही आश्रित रहते हैं, ऐसे में सरकार द्वारा पेंशन को बढ़ाया जाना जरूरी है। दिव्यांगजनों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की व्यवस्था करवाने की भी अपील की। दरअसल शनिवार को एचसीएम रीपा में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में मंत्री टीकाराम दिव्यांगजनों को संबोधित कर रहे थे। जूली ने दिव्यांगजनों की समस्याओं को जल्द ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

5000 स्कूटियां वितरित

कार्यक्रम में मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि पिछले वर्ष 2000 स्कूटियां वितरित की गई थी और इस वर्ष मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घोषणा अनुसार 5000 स्कूटियां वितरित की जा रही हैं। उन्होंने विशेष योग्यजन स्कूटी सवार के पीछे बैठकर सवारी भी की।

दिव्यांगता शारीरिक नहीं, मानसिक

शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि दिव्यांगता शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक होती है। उन्होंने उपस्थित सभी विशेष योग्यजनों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रत्येक दूसरे विशेष योग्यजनों तक पहुंचाने का आग्रह किया और योजनाओं से लाभान्वित कराने का संकल्प दिलाया।

दृष्टिबाधित स्टूडेंट बोले... हमें लैपटॉप दो

दृष्टिबाधित स्टूडेंट्स ने मंत्री को कहा कि और दिव्यांगों के लिए स्कूटी जैसी कई सुविधाएं हैं, मगर हमारे लिए सरकार द्वारा सुविधाओं के नाम पर केवल स्टिक दी जाती है। हमें लैपटॉप की सुविधा दी जानी चाहिए। कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए सरकार या कॉलेज द्वारा लैपटॉप की सुविधा दी जाए। कई सॉफ्टवेयर हैं जिनको इंस्टाल करके हम हमारी आगे की पढ़ाई जारी रख सकते हैं। इस पर मंत्री बोले कि हम आप लोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को लेकर सरकार से बात करेंगे।

25 रुपए प्रतिदिन मिलती है पेंशन

अलवर निवासी दिव्यांगजन देवेंद्र यादव ने बताया कि सरकार को महंगाई क्यों नहीं दिखाई देती। दिव्यांगजनों को एक दिन के 25 रुपए मिलते हैं जिसमें आज के समय दो वक्त चाय भी पीना मुश्किल है। रोजगार नहीं है, प्राइवेट कंपनी हमें रोजगार नहीं देती। लोगों के तानों के साथ प्रशासन की भी सुनते हैं। सरकार को दिव्यांगजनों की मांग को मानकर पेंशन को बढ़ाना चाहिए।

आश्वासन नहीं, मांगें पूरी हों

विकलांग समिति के अध्यक्ष करणीलाल शर्मा ने बताया कि हम प्रताड़ना झेलते हैं। विकलांग अधिकार अधिनियम 2016 को धरातल पर लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में हमारे लिए अलग से धारा नहीं है, जब कोई विकलांग थाने केस कराने जाता है तो धारा नहीं आती है। हमें नकार दिया जाता है। हम सरकार से आश्वासन नहीं, मांगें पूरी करवाना चाहते हैं।

काम की बात

धारीवाल ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

जयपुर। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने शनिवार को कोटा के रामपुरा सैटेलाइट अस्पताल में 17.91 करोड़ के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस अस्पताल में सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोटा में चिकित्सा सुविधा के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार पर 193 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। स्वायत्त शासन मंत्री ने एमबीएस अस्पताल के भवन का फसाड़ बदलने एवं अन्दर के कार्यों का रिनोवेशन कराने की घोषणा की। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. विजय सरदाना ने स्वायत्त शासन मंत्री का स्वागत कर अस्पताल में हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदेशभर के न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं होने से कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर हैं। कर्मचारी संघ की जयपुर शाखा ने जिला एवं सेशन न्यायाधीश को पत्र लिख जल्द कार्रवाई की मांग की है। भांकरोटा थाना पुलिस की ओर से सुभाष मेहरा की मौत के संबंध में परिजनों की ओर से दी गई शिकायत पर एफआईआर हाईकोर्ट प्रशासन के निर्देश के बावजूद दर्ज नहीं की गई है।

राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव 24 दिसंबर को

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनावों का नया शेड्यूल शुक्रवार को मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील अरोड़ा ने जारी कर दिया है। नए शेड्यूल के अनुसार आरसीए के चुनाव 24 दिसंबर को होंगे। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार 19 दिसंबर को नए सिरे से वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। जिसके बाद 20 दिसंबर को नामांकन, 21 दिसंबर को नाम पत्रों की जाँच, 23 दिसंबर को नामांकन वापसी, 24 दिसंबर सुबह 10 बजे से वोटिंग होगी। वोटिंग के तुरंत बाद मतगणना कर आरसीए की नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना

स्कूल में दूध पीने से 28 बच्चियों की तबीयत बिगड़ी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। हनुमानगढ़ के सेठ राधाकिशन बिहाणी राजकीय गर्ल्स मिडल स्कूल में मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का दूध पीने से 282 में से 28 छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। दरअसल, दूध पीने के बाद उनका जी मिचलाने लगा और उल्टी की शिकायत हुई थी, जिसके बाद स्कूल स्टाफ ने स्टूडेंट्स को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 27 स्टूडेंट्स को डिस्चार्ज कर दिया गया। योजना शुभारंभ के बाद शुक्रवार को पहली बार स्कूल में दूध पिलाया गया था। इनमें से 11 बालिकाओं ने पहली बार दूध पीया था।

तीन दिन पहले हुआ था योजना का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को सीएमआर से वर्चुअल उद्घाटन किया था। योजना के तहत सरकारी स्कूलों, मदरसों और विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों के कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के लिए सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को पाउडर से तैयार दूध उपलब्ध कराया जाता है। इसमें कक्षा एक से पांचवीं तक के स्टूडेंट को 150 मिलीलीटर और कक्षा छह से आठवीं तक के स्टूडेंट को 200 मिलीलीटर दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।

11 बच्चियां कभी नहीं पीतीं दूध

पूरे घटनाक्रम पर पीएमओ डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि बच्चियों की हालत सामान्य है। 27 बच्चों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। दूसरी तरफ, डेयरी एमडी एसएस पाल का कहना है कि बीमार हुए बच्चों में 11 ऐसे थे जो कभी दूध नहीं पीते, 4 बच्चे घर से खाली पेट और 6 बच्चे घर से केवल चाय पीकर आए थे वहीं कुछ बच्चों को दूध पीना अच्छा नहीं लगता।

उदयपुर में टैक्सी ड्राइवर हत्याकांड का खुलासा

मर्डर के बाद शव ठिकाने लगाया और ले भागे टैक्सी

चालक को गोली मारने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

उदयपुर। उदयपुर के गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र में 11 दिन पहले हुई टैक्सी चालक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने मर्डर का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी विकास शर्मा ने बताया कि थाना फलासिया निवासी आरोपी कुलदीप सिंह पुत्र इंद्र सिंह व मनीष मीणा पुत्र काना मीणा एवं थाना भीलोडा गुजरात निवासी विजय उर्फ जीजू उर्फ चंदन मीणा पुत्र राम जी व अनिल लट्ठा उर्फ अंका पुत्र रजनीकांत को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने टैक्सी लूटने के इरादे से फलासिया क्षेत्र के बिछीवाड़ा निवासी टैक्सी चालक हाफिज खान (35) की हत्या की। आरोपियों ने टैक्सी चालक की गर्दन में तीन गोलियां मारी और शव को बारापाल के जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने हत्या एवं लूट के आरोपी समेत लूटी गई कार खरीदने एवं मध्यस्था करने के आरोप में 4 जनों को गिरफ्तार किया है। एसपी शर्मा ने बताया कि हाफिज खान उदयपुर रूट पर इको कार टैक्सी में चलाता था। 18 नवंबर की सुबह घर से निकला, लेकिन शाम को घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने अगले दिन फलासिया थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 20 नवंबर को हाफिज खान की लाश बारापाल के जंगल में थाना गोवर्धन विलास पुलिस को मिली। इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले

मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कांवरिया एवं सीओ भूपेंद्र एवं जितेंद्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन में टीम गठित की गई। टीम ने फलासिया से बारापाल की तरफ आने वाले सभी मार्गों पर करीब 80 किलोमीटर के रूट पर 300 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें 18 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे हाफिज खान तीन अज्ञात युवकों के साथ जाता दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों से पूछताछ व तकनीकी आधार पर हत्या एवं लूट के आरोपी कुलदीप सिंह को फलासिया के जंगल से गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया गया।

सरकार नहीं चाहती जनता के मुद्दों को सदन में उठाया जाए

■ देवनानी ने मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

हिलव्यू समाचार

अजमेर। पूर्व शिक्षा मंत्री व वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक 15वीं राजस्थान विधानसभा के 7वें सत्र का सत्रावसान नहीं करना लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। यह विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का खुल्लमखुल्ला हनन है। अजमेर उत्तर विधायक देवनानी ने गुरूवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी को पत्र लिखकर सत्रावसान करने की मांग की।

पत्र के बारे में जानकारी देते हुए देवनानी ने बताया कि पिछला बजट सत्र मार्च माह में समाप्त हो गया था जिसका सत्रावसान आज तक भी नहीं होने से लोकतंत्र की धज्जियां उड़ी है।

इस बीच एक सत्र ही बुलाया गया जिसमें भी विधायक नए प्रश्न नहीं लगा सके साथ ही विधायकों को अन्तःप्रश्न से भी मरहूम रहना पड़ा। वहीं इस सत्र को भी समाप्त हुए सवा दो माहिने हो गए लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं किया गया। अब नया बजट सत्र आने वाला है जिसमें भी इन हालातों में विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का गला घोटा जाना तय है।

जिसमें भी विधायकों को संशय है कि वे नए प्रश्न नहीं पूछ सकेंगे और जनता की समस्याओं को नहीं उठा सकेंगे। देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार नहीं चाहती कि विधायक जनता से जुड़ी कोई समस्याओं को सदन में उठाए। प्रदेश में आए दिन काननू व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं।

महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। कांग्रेस में आंतरिक कलह जगजाहिर है।

सीकर दौरे पर सीएस

सीएस के निर्देश के बाद छुट्टी के दिन फील्ड में उतरे अफसर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सरकार की योजनाओं और कार्यों के निरीक्षण के लिए मुख्य सचिव द्वारा अधिकारियों को फील्ड में दौरा कर रिपोर्ट बनने और समस्याओं के निराकरण के निर्देश के बाद शनिवार को करीब एक दर्जन प्रशासनिक अधिकारी फील्ड में नजर आए। स्वयं मुख्य सचिव उषा शर्मा शनिवार को सीकर दौरे पर रहीं। वहीं अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल झुंझुनू दौरे पर रहे। जयपुर जिला कलेक्टर सहित अन्य जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों ने फील्ड में दौरा किया। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सीकर में सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही राज्य सरकार की फ्लैगशिप व जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। जिले में चल रहे विकास कार्यों, लक्ष्मणगढ़ में संचालित इन्दिरा रसोई व केंद्र समेत कई सरकारी संस्थानों की जानकारी प्राप्त की। सीएस ने ठिकरिया में कम टीकाकरण पर असंतोष व्यक्त करते हुए टीकाकरण बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सेवा सहकारी समिति पलसाना में खाद उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा किसानों को जागरूक किया। सीएस ने लक्ष्मणगढ़ में इकोलॉजिकल गार्डन का निरीक्षण कर कहा कि लक्ष्मणगढ़ शहर में पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षियों के लिए यह गार्डन अपने आप में एक अनूठा प्रयोग हैं। उन्होंने नेचुरल गार्डन की वीडियो फिल्म बनाने के लिए उपवन संरक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने इस अवसर पर नेचुरल गार्डन में कल्पवृक्ष का पौधा रोपण किया।

अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल सीकर-झुंझुनू के खेतड़ी क्षेत्र, श्रीसीमेंट के लीज क्षेत्र, आसपास के खनिज इलाकों और हिन्दुस्तान कॉपर प्लांट व अण्डर ग्राउण्ड खदान कोलियान का बारीकी से मुआयना किया। इस मौके पर एसीएस ने झुंझुनू और सीकर जिले में आयरन व कॉपर सहित खनिजों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खनिज खोज कार्य में तेजी लाने, ऑक्शन के लिए नए ब्लॉक तैयार करने और खनन सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास

प्रदेश में माइक्रो मॉनिटरिंग तकनीक से हाई रिस्क क्षेत्रों में जीरो डेथ रिपोर्ट

हिलव्यू समाचार

जपुर। राजस्थान में वर्ष 2022 में नवंबर माह तक करीब 21 हजार सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई है। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा बीते तीन वर्ष में सबसे अधिक है। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा, परिवहन विभाग और पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

राजस्थान पुलिस ने दुर्घटनाओं और इनसे बढ़ते मौत के ग्राफ को कम करने के लिए माइक्रो मॉनिटरिंग तकनीक पर काम किया। इसके परिणामस्वरूप 6 थाना क्षेत्र में नवंबर माह में शून्य मृत्यु दर्ज की गई, वहीं सड़क सुरक्षा एवं परिवहन विभाग द्वारा पुलिस, डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ को एडवांस ट्रॉमा केयर ट्रेनिंग देकर दुर्घटनाओं में घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात वीके सिंह ने बताया कि जुलाई महीने के अंत में किए गए विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि कुछ थाना क्षेत्र में दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। ऐसे 20 से ज्यादा दुर्घटना दर्ज होने वाले 40 थानों को पुलिस मुख्यालय द्वारा चिह्नित कर माइक्रो मॉनिटरिंग प्रारंभ की। दुर्घटनाओं को घटाने के लिए इंफोर्समेंट से लेकर रोड इंजीनियरिंग इंप्रूवमेंट आदि आवश्यक कदम उठाए गए। इसका परिणाम यह निकला कि 40 में से 6 थाना क्षेत्र में नवंबर माह में ही जीरो डेथ रिपोर्ट दर्ज की गई।

नवम्बर में छह थाना क्षेत्रों में हादसे से एक भी मौत नहीं

एडीजी ने बताया कि जयपुर ग्रामीण का मोजमाबाद, बीकानेर का श्रीडूंगरगढ़, पाली का जैतारण, जोधपुर पश्चिम का बोरानाडा, उदयपुर का ऋषभदेव और बांसवाड़ा के खमेरा थाना क्षेत्र में नवंबर महीने में सड़क दुर्घटना में एक भी मृत्यु दर्ज नहीं हुई। इससे पहले जनवरी से लेकर अक्टूबर महीने तक मोजमाबाद थाना क्षेत्र में 50 व्यक्ति, श्री डूंगरगढ़ में 42, जैतारण में 35, बोरानाडा में 29, ऋषभदेव में 30 और खमेरा में 21 सहित कुल 207 व्यक्तियों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई थी। उधर, एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में बनी स्किल लैब की तर्ज पर जोधपुर,अजमेर और बीकानेर तीन संभागों में स्किल लैब शुरू की जाएगी। इसके बाद अन्य संभागों में स्किल लैब का निर्माण किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाइफ सपोर्टिंग ट्रेनिंग दी जा सके और घायलों को बचाया जा सके।

SMS के ट्रॉमा में वर्ल्ड क्लास स्किल लैब सेंटर

राजस्थान परिवहन एवं रोड सेफ्टी विभाग द्वारा एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में पांच करोड़ की लागत से स्किल लैब का निर्माण किया है। यह उत्तर भारत की पहली वर्ल्ड क्लास का स्किल लैब सेंटर है। परिवहन विभाग की ओर से दो तरीके के ट्रेनिंग सेंटर कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यक्रम जो कि एक दिन आमजन और निर्धारित विभाग के स्टाफ जिसमें अधिकारी-कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरी ट्रेनिंग तीन दिन की डॉक्टर्स और नर्सेज एडवांस ट्रॉमा केयर ट्रेनिंग दी जा रही है। इसमें रोड एक्सीडेंट के दौरान घायल की किस तरीके से सहायता की जा सकती है, इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग के लिए विभाग द्वारा एक ऐप का निर्माण किया जा रहा है। इसमें जो आमजन ट्रेनिंग करना चाहता है उसे राज्य सरकार द्वारा संचालित रोड सेफ्टी फंड से निःशुल्क ट्रेनिंग दी जा रही है।

सैटेलाइट इंटरनेट

दुनिया के कई देशों में स्टारलिंक, सैटेलाइट इंटरनेट की सुविधा दे रही है. एशिया की बात करें तो जापान ऐसा पहला देश है जहां कंपनी ने सैटेलाइट इंटरनेट की सर्विस शुरू की थी और यहां इसका इस्तेमाल हो रहा है.

गांव-कस्बों में भी मिलेगी नेटवर्क सुविधा

आसान भाषा में समझें तो सैटेलाइट इंटरनेट बिल्कुल वैसे ही काम करेगा, जैसे आपकी टीवी का केबल नेटवर्क काम करता है, जो सीधे सैटेलाइट के जरिए आप तक पहुंचता है, यानी यह दूर-दराज से केबल के जरिए नहीं आता. सैटेलाइट के जरिए मिलने वाले इंटरनेट को दूर-दराज गांव और कस्बों तक पहुंचाया जा सकेगा.

आएगी डिजिटल क्रांति

इसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को होगा, जिनको इंटरनेट नहीं होने के कारण छोटे-छोटे ऑनलाइन कार्यों या ट्रांजेक्शन के लिए शहर का रुख करना पड़ता है. गांवों में डिजिटल क्रांति आएगी. इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ने पर उनकी लाइफ और आसान बनेगी. इमरजेंसी की स्थिति में यह काम का साबित होगा. जब फायबर नेटवर्क में किसी तरह के डैमेज होने वाली स्थिति बनेगी तो यह नेटवर्क काम आएगा.

सैटेलाइट इंटरनेट सीधे अंतरिक्ष में लगे सैटेलाइट के जरिए यूजर्स तक पहुंचाया जाएगा, इसलिए इस इंटरनेट का इस्तेमाल दूर-दराज के उन हिस्सों तक होगा जहां पर मोबाइल टावर नहीं है. देश में 5जी सर्विस शुरू होने के बाद बड़े स्तर पर सैटेलाइट इंटरनेट लाने की तैयारी चल रही है. इसके लिए दिग्गज टेलिकॉम कंपनियों के अलावा एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भी तैयारी में जुटी है.

फाइबर नेटवर्क बिछाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

सीधे सैटेलाइट से मिलने के कारण इसे सैटेलाइट इंटरनेट नाम दिया गया है. इसका इस्तेमाल भी वैसे ही किया जाएगा, जैसे यूजर्स टीवी के लिए सैटेलाइट नेटवर्क पाने के लिए करते हैं. सैटेलाइट इंटरनेट की सर्विस उपलब्ध कराने के लिए टेलिकॉम कंपनी एंटीना देगी, जो सैटेलाइट से मिलने वाले सिग्नल को यूजर तक इंटरनेट के रूप में पहुंचाएगा. ये सिग्नल एंटीने तक पहुंचने के बाद मॉडम और वायरलेस राउटर तक पहुंचेगा और यहां से यूजर्स की डिवाइस से कनेक्ट हो जाएगा. इस तरह दूर-दराज के क्षेत्रों में इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए फाइबर नेटवर्क बिछाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुंचाना आसान हो पाएगा.

विकास के नाम पर खड़े कंक्रीट के जंगलों में हरियाली खोती जा रही है. रेजोनेंस कंसल्टेंसी ने विश्व के 21 ऐसे पर्यावरण अनुकूल शहरों की सूची बनाई है, जहां न केवल विकास और हरियाली का संतुलन नजर आता है, बल्कि हवा की गुणवत्ता को बेहतर करने के साथ ही पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, स्वच्छता तथा अपशिष्ट प्रबंधन में बेहतर कार्य किया है.

प्लानिंग से महक रहा पर्यावरण

इन शहरों से सीखें विकास और हरियाली के बीच संतुलन

सिंगापुर

एशिया के सबसे हरे-भरे देशों में सिंगापुर का जिक्र आता है. 2008 से ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेट लेना जरूरी है, इसलिए सिंगापुर में रूफटॉप गार्डन आम बात है. यहां न्यूयॉर्क की हाईलाइन की तरह पुराने रेलमार्ग को 15 मील के ग्रीनवे में बदल दिया गया है. शहर के कई पार्कों को खास बुजुर्गों के लिए चिकित्सीय उद्यान के रूप में बदला गया है.

रेकजाविक, आइसलैंड

धरती पर आइसलैंड जैसी जगह ढूंढने में आपको मशक्कत करनी पड़ सकती है. देश का 11 फीसदी हिस्सा ग्लेशियर से बना है. रेकजाविक में देश की 60 फीसदी आबादी रहती है. देश की 90 फीसदी से ज्यादा आबादी की ऊर्जा जरूरत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी होती है. ईवी के लिए मुफ्त चार्जिंग सुविधा है.

सैन फ्रांसिस्को

सैन फ्रांसिस्को ने कई वर्षों से 'लोकल फूड खाओ' अभियान चलाया है. 2016 में शहर में 10 मंजिल या उससे अधिक की इमारतों में सौर पैनल जरूरी कर दिया गया. शहर में सिंगल यूज और पानी की प्लास्टिक बोतल की बिक्री पर बैन है.

पेरिस, फ्रांस

लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल पेरिस, पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं में भी अग्रणी है. 900 मील की बाइक लेन पूरे शहर में बिछी है. सीन नदी को यातायात के लिए बंद रखा गया है. 2024 तक डीजल कारें और 2030 तक गैस से चलने वाली कारें शहर में नहीं आ सकेंगी.

स्टॉकहोम, स्वीडन

यूरोप के सबसे हरे-भरे शहरों में शामिल स्टॉकहोम की दो-तिहाई से अधिक आबादी काम के लिए या तो पैदल जाती है या साइकिल चलाती है. आधे से अधिक शहरवासियों को अक्षय ऊर्जा से बिजली मिलती है. शहर की इमारतों में ऊर्जा दक्षता मानक हैं.

बर्लिन, जर्मनी

ईवी को बढ़ावा देने के लिए शहरभर में 400 से अधिक चार्जिंग स्टेशन हैं. शहर में लगभग हर जगह साइकिल के लिए लेन बनी हुई है, ताकि लोग वाहनों का प्रयोग कम करें. सौर ऊर्जा और रिसाइकल प्रणाली अच्छी है. पानी की सबसे कम बर्बादी होती है.

वाशिंगटन डीसी

यहां खाद्य संस्कृति भी पर्यावरण अनुकूल है. यहां कई किसान बाजार हैं, जहां स्थानीय फल-सब्जियों को प्रमुखता से खरीदा जाता है. इसके अलावा रॉक क्रीक जैसे बड़े पार्क यहां का जीवन सुखद बनाते हैं.

एम्सटर्डम, नीदरलैंड

यहां पर्यावरण अनुकूल संस्कृति को अपनाया गया है. बढ़ता शाकाहार, प्लास्टिक का सीमित प्रयोग, कॉर्बन उत्सर्जन में कमी और हरियाली से हवा में स्वच्छता तथा पर्यावरण में ताजगी महसूस होती है. साइकिल, एम्सटर्डम में परिवहन का मुख्य साधन है. 2030 तक 55 फीसदी कॉर्बन उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य है.

वियना, ऑस्ट्रिया

संगीत का शहर, मोजार्ट, बीथोवेन और सिगमंड फ्रायड का घर वियना न केवल अपनी समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, बल्कि हरियाली भी यहां की पहचान है. यहां का नगर नियोजन बेहतरीन है और बसावट के साथ ही पार्कों को उचित स्थान दिया गया है. यहां सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग अधिक होता है. माउंट कैलनबर्ग में शानदार अंगूर के बागान हैं.

कुरिटिबा, ब्राजील

वर्ष 1970 से कुरिटिबा की सरकार हरित नीतियों को आगे बढ़ा रही है. यहां के लोगों ने ही राजमार्गों के किनारे 15 लाख पेड़ लगाए हैं. 20 लाख की आबादी वाला कुरिटिबा, दक्षिण अमेरिका के सबसे हरे शहरों में गिना जाता है.

दुनियाभर की अज़ीबोग़रीब नौकरियाँ

हम लोग जिस चीज के लिए शायद सबसे ज्यादा रोते हैं, वो है नौकरी. अगर अभी भारत में बेरोजगारों की संख्या बता दी जाए तो हो सकता आप और हम गंभीर चिंता में आ जाएं. जिन्हें नौकरी नहीं मिली, उन्हें डर लगा रहता है कि कल क्या होगा? जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें डर है कि कहीं कल हमारी न चली जाए. साइंस से लेकर कॉमर्स, आर्ट्स से लेकर स्पोर्ट्स तमाम क्षेत्रों में ढेरों नौकरियों के अवसर निकलते हैं. लेकिन क्या आपने सुना है कि कोई सो रहा है और उसे पैसे मिल रहे हैं? क्या आपने सुना है कि किसी को रोने के एवज में पैसे मिल रहे हैं? कोई स्मेल सूंघकर पैसे कमा रहा है. अब बताइए, आखिर कहां नौकरियों की कमी है! ये नौकरियां आपको अजीब लग सकती हैं लेकिन इसमें अच्छी-खासी सैलरी है. आइए जानते हैं, दुनिया भर की अजीबोगरीब जॉब्स के बारे में.

पैसेंजर पुशर

जो लोग बाहरी देशों में घूमते हैं, वे जानते होंगे कि लंदन का अंडरग्राउंड सबसे ज्यादा क्राउडेड रहता है. लेकिन सिर्फ यही एक भीड़भाड़ वाली जगह नहीं है. क्या आपने कभी जापान की ट्रेनों के सीन देखे हैं? जापान की मेट्रो में रोजाना इतने असंख्य लोग यात्रा करते हैं कि मेट्रो के दरवाजे आसानी से बंद नहीं होते. बस इसी एक काम के लिए उन्होंने पैसेंजर पुशर रखे हैं. न्यूयॉर्क, टोक्यो और बीजिंग में पैसेंजर पुशर को नौकरी पर रखा जाता है. उन्हें वहां 'ओशिया' कहते हैं और यह ट्रेन में अधिक से अधिक लोगों को धकेलकर दरवाजों को बंद करवाने में मदद करते हैं.

पांडा कीपर

आप इन्हें पांडा कीपर भी कह सकते हैं और पांडा नैनी भी. जू में छोटे-बड़े और क्यूट से दिखने वाले पांडा को खिलाने-पिलाने से लेकर सुलाने के लिए पैसे मिलते हैं. आपको एक बच्चे की तरह पांडा का ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही पांडा को पूरे दिन गले लगाकर रखने के लिए भी चीन में पैसे दिए जाते हैं. इस नौकरी को पाने के लिए आपकी एजुकेशन के साथ वाइल्ड लाइफ और खासतौर से पांडा के बारे में जानकारी व अच्छी फोटोग्राफी स्किल होनी चाहिए.

प्रोफेशनल मोर्निंग (रुदाली)

क्या आपने बॉलीवुड हिंदी फिल्म 'रुदाली' देखी है? इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया ने जो किरदार निभाया है, वो दूसरों के मातम में जाकर रोता है. आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह दक्षिण पूर्व एशिया में एक परंपरा भी है. वहां ऐसा माना जाता है कि मृतक जीवन के आगे की यात्रा को ठीक से कर सके, इसलिए अंतिम संस्कार में प्रोफेशनल रोने वाले बुलाए जाते हैं. प्रोफेशनल मोर्निंग करके लोग पैसा भी कमा रहे हैं.

क्यू स्टैंडर

एक लाइन स्टैंडर, क्यू स्टैंडर, लाइन सिटर या प्रोफेशनल क्यूअर वह व्यक्ति होता है जो अक्सर भुगतान के लिए कतार में दूसरे के स्थान पर पोजीशन लेता है. आपने सुना होगा कि कुछ लोग टीवी शोज में पेड ऑडियंस रखते हैं. यह बस उसी तरह की नौकरी है. स्टैंडर अपने क्लाइंट के लिए एक भौतिक वस्तु, जैसे गेम कंसोल, खरीदने के लिए कतार लगा सकता है या सेवा के लिए कतार में होने पर उस व्यक्ति के लिए जगह रख सकता है. लंदन में एक प्रोफेशनल क्यूअर है जो दिन में 16,000 रुपये तक कमाता है, वो भी सिर्फ लाइन में दूसरों की जगह खड़े रहकर.

हाल ही में हवाई का मौना लोआ ज्वालामुखी 40 बाद फिर से फूटा है. यह दुनिया के सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है. इस प्रस्फोट के बारे में अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी जारी कर आपातकालीन दल वहां भेजा है. अमेरिका के यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी लावा बहुत फैला नहीं है, क्योंकि अभी यह केवल पहाड़ी के शीर्ष तक ही सीमित है, लेकिन जल्दी ही यह आसपास के लोगों को प्रभावित कर सकता है.

मौना लोआ वर्ल्ड का सबसे बड़ा ज्वालामुखी

अभी शीर्ष क्षेत्र तक ही सीमित

यह प्रस्फुटन पहाड़ के शीर्ष क्षेत्र तक ही सीमित था, जिसे कैल्डेरा कहते हैं. यूएसजीएस का कहना है कि लावा और ज्यादा निकलता है तो वह आसपास बहुत तेजी से फैलेगा. लेकिन अभी तक तो लावा शीर्ष तक ही सीमित है. फिलहाल आसपास के लोगों को तैयार रहने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्होंने जल्द से जल्द अपनी जगह से दूर ले जाया जा सके. मौना लोआ प्रशांत महासागर के हवाई द्वीपों के उस इलाके में आता है जहां ज्वालामुखियों की सक्रियता की ज्यादा संभावना होती है. हवाई द्वीपों में 6 सक्रिय ज्वालामुखी हैं और इनमें से मौना लोआ पृथ्वी पर सबसे बड़ा ज्वालामुखी है. 1843 के बाद से यह 33 बार फूट चुका है. 1984 में पिछला प्रस्फोट हुआ था जो 22 दिन तक लगातार लावा उगलता रहा जो 60 किलोमीटर के इलाके में फैल गया था.

यह भी है वजह

मौना लोआ हवाई भाषा का शब्द है जिसका मतलब लंबा पहाड़ होता है. इसकी कुछ रोचक विशेषताएं और बड़ा आकार है, इसी वजह से यह दुनिया का सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है. इसकी वजह इसका आयतन और क्षेत्रफल है जो दूसरे मौना केआ जैसे ज्वालामुखियों से भी बड़ा है. साथ ही इसके हो चुके विस्फोट के कारण भी इसे सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है.

स्थानीय मानते हैं पवित्र स्थल

स्थानीय लोग इस ज्वालामुखी को एक पवित्र स्थल की तरह मानते हैं. इस ज्वालामुखी का प्रभाव क्षेत्र 5,721 वर्ग किलोमीटर और चौड़ाई 120 किलोमीटर है. यह न केवल क्षेत्र में बड़ा है, बल्कि ऊंचाई में काफी प्रमुखता से गिना जाता है. समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 4,179 मीटर है. इससे निकले लावे से ढकी जमीन भी आयतन में बहुत बड़ी मानी जाती है.

अनुसंधान के लिए रोचक

यह लगातार बहाव वाला ज्वालामुखी है जो पृथ्वी पर सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है. गठन के बाद से इसमें सबसे ज्यादा विस्फोट हुए हैं, लेकिन इसके विस्फोट बहुत शक्तिशाली नहीं रहे. इस तरह तमाम अनोखी विशेषताओं के कारण यह अनुसंधान का प्रिय विषय बना रहा है. गुंबद के आकार के इस ज्वालामुखी के काल्डेरा (शीर्ष क्षेत्र) की गहराई 183 मीटर है.

4 उपसमूह क्रेटर

इस ज्वालामुखी की एक और खास बात है कि उसके 4 उपसमूह क्रेटर हैं. इन्हें लुआ होहोउन, लुआ होउ, ला फोहोलो और साउथ पिट कहते हैं. ये ज्वालामुखी हवाई द्वीप समूह पर दूसरा सबसे युवा है. ये टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के कारण 3 लाख साल पहले ऑलिगोसिन युग में बने थे. मौना लोआ ज्वालामुखी पहले 1.6 करोड़ साल के आसपास समुद्र में शुरू हुआ था. लगातार विस्फोट और उससे लावा निकलने के कारण यह एक द्वीप में बदल गया. माना जाता है कि इसने 40 हजार साल पहले सतह पर आकर द्वीप के रूप में आकार लिया और उसके बाद से पिछले 10 हजार वर्षों क दौरान इसकी वृद्धि दर धीमी हो गई.

स्मार्ट मूनवॉकर्स सबसे तेज जूते

पिट्सबर्ग के स्टार्टअप शिफ्ट रोबोटिक्स ने ऐसे जूते पेश किए हैं, जो आपको 250 फीसदी तेज रफ्तार से चलने में सक्षम बनाते हैं. पहिएदार स्मार्ट मूनवॉकर्स के आविष्कारकों का कहना है कि इससे आपको 250 फीसदी का स्पीड बूस्ट मिलेगा. कंपनी का कहना है कि ये 'दुनिया के सबसे तेज जूते' हैं. इन जूतों को आप नियमित जूते या फैंसी सैंडल पर स्ट्रैप कर सकते हैं. जूता सामान्य चलने की गति को सक्षम करने का काम करता है, जबकि 8 पहिये आपको तेजी से आगे बढ़ाते हैं और आपकी रफ्तार को तेज करते हैं. 2 किलोग्राम वजनी ये जूते आपको लगभग 10.5 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत चाल में सक्षम बनाते हैं. जूते सॉफ्टवेयर से लैस हैं, जो इन्हें आपके मूवमेंट के अनुकूल रखता है. जरूरत पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक पहियों को बंद कर देता है.

सोशल मीडिया में सराहे गए अपनेपन के किस्से

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का दंश झेलने के बाद दुनिया में प्यार, सहिष्णुता, अपनापन व दयालुता की जरूरत और बढ़ गई है. जानते हैं सहानुभूति और दयालुता के कुछ ऐसे ही किस्सों के बारे में, जो वर्ष 2022 में सोशल मीडिया पर वायरल हुए-

हवाई सफर में मददगार

उत्तर प्रदेश का एक दंपति हवाईअड्डे की औपचारिकताओं से अनजान था. ऐसे में अमिताभ शाह नाम के शख्स ने उनकी मदद की. शाह ने लिंक्डइन पर बताया, 'यह दंपति 8 घंटे बस के सफर के बाद हवाई अड्डे पर फ्लाइट में बैठने की तैयारी कर रहा था, वे परेशान थे. मैं मुस्कान के साथ उनके पास गया और उनसे मेरे पीछे चलने को कहा. बुजुर्ग महिला चाहती थी कि मैं उनकी तस्वीर खींचूं और उनकी बेटी को भेजूं. मैंने तस्वीर भेज दी. जब एयर होस्टेस खाना परोसने आई तो उन्होंने मना कर दिया. दोनों भूखे-प्यासे लग रहे थे. मैंने एयर होस्टेस से कहा कि उन्हें सैंडविच और ज्यूस दें और उन्हें बताएं कि वे भाग्यशाली ग्राहक हैं, जिन्हें मुफ्त भोजन मिल रहा है. मैंने इसके लिए छिपकर भुगतान किया. मुझे आंतरिक खुशी मिली.

सार्वभौमिक भाषा है दयालुता

इस साल अप्रैल में छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अवनिश शरण ने ट्विटर पर एक तस्वीर साझा की. तस्वीर में स्कूल में पढ़ने वाला एक छोटा बालक अपनी पानी की बोतल से एक अभावग्रस्त बुजुर्ग दम्पति की बोतल में पानी भर रहा है. 'घृणा सिखाई जाती है, दया स्वाभाविक है' कैप्शन वाली यह भावुक तस्वीर इंटरनेट पर दयालुता की मिसाल के रूप में वायरल हुई. ट्विटर यूजर्स ने कहा कि दयालुता एक सार्वभौमिक भाषा है, जिसे बच्चों को बहुत छोटी उम्र से ही सिखाया जाना चाहिए. एक अन्य यूजर ने इसे 'मानवता का आदर्श उदाहरण' बताया.

छोटी-छोटी चीजों से खुशी

इस साल फरवरी में प्रबलीन कौर नाम की एक इंस्टाग्राम यूजर ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'कल रात मुझे इडली खाने का बहुत मन हुआ और हम इडली वाले अंकल की तलाश में यहां आए. जब हम यहां पहुंचे तो मैंने उनका नंबर मांगा. पता चला कि उनके पास फोन नहीं है. हम सभी ने सोचा कि हमें उन्हें एक फोन गिफ्ट करना चाहिए. हम घूमते रहे, एक दुकान मिली और हमने यह फोन खरीदा. इसे पाकर अंकल बहुत खुश और अचंभित हुए. इस तरह की छोटी-छोटी चीजों को करने से बहुत खुशी मिलती है. हम बहुत खुश थे, क्योंकि अंकल खुश थे.'

टूटने नहीं दी उम्मीद

नोएडा के एक फास्ट फूड चेन आउटलेट के कर्मचारी की दयालुता का किस्सा भी पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इस वीडियो में दिखाया गया कि एक बच्ची बर्गर खाना चाहती थी. काउंटर पर बर्गर की कीमत 90 रुपए बताई गई, लेकिन बच्ची के पास सिर्फ 10 रुपए ही थे. वह मायूस हो गई, लेकिन अगले ही पल उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई. एक कर्मचारी ने उससे 10 रुपए का नोट लेकर अपनी ओर से 80 रुपए मिलाए और उसे बर्गर खरीदकर दिया. मानवता और दयालुता के इस काम को धीरज कुमार नाम के एक कर्मचारी ने अंजाम दिया था. फास्ट फूड कंपनी ने उनकी पहचान कर उन्हें सम्मानित किया.

जोसेर की कब्र तक ले जाती हैं ये 4800 वर्ष पुरानी सीढ़ियां

प्राचीन मिस्र के तीसरे राजवंश के दूसरे राजा जोसेर की कब्र तक ले जाने वाली सीढ़ियां गीजा गवर्नरेट के सक्कारा गांव में हैं. इनके ऐतिहासिक और पुरा महत्त्व का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि ये सीढ़ियां करीब 4800 वर्ष पुरानी हैं. जोसेर का पिरामिड मिस्र की पत्थर से निर्मित आरंभिक संरचना है.

रेगिस्तान में बने बड़े गोले

नामीबिया के तट से 140 किलोमीटर दूर नामीब रेगिस्तान में 2 से 10 मीटर तक बड़े ये गोले (फेयरी सर्कल) हमेशा कौतुहल का केंद्र रहे हैं. इन सर्कल के बीच करीब 10 मीटर तक दूरी है. अब तक माना जाता था कि दीमक लगने से ऐसा होता है. अब जर्मनी की गोएटिंगेन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि बारिश होने के बाद सर्कल के अंदर भी घास दिखाई देती है, लेकिन बारिश के बाद धीरे-धीरे अंदर की तरफ लगी घास गायब होती जाती है. वैज्ञानिक भाषा में इसे 'ईको-हाइड्रोलॉजिकल फीडबैक' कहते हैं.

एक नज़र

अभिषेक बनर्जी की रैली स्थल के पास विस्फोट, तीन लोग मारे गए

कोंटाई (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी की रैली के स्थान के पास हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी की रैली के स्थल कोंटाई शहर से 1.5 किलोमीटर दूर भूपतिनगर इलाके में अर्जुननगर के ब्लॉक दो में हुई। भूपतिनगर पुलिस थाने के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शुक्रवार रात करीब सवा 11 बजे बजे एक घर में धमाका हुआ। अभी यह पता नहीं लग पाया है कि विस्फोट किस वजह से हुआ और मामले की जांच जारी है। धमाका इतना जोरदार था कि इस घटना में फूस की छत वाला मिट्टी का घर ध्वस्त हो गया। मृतकों की पहचान राजकुमार मन्ना, देबकुमार मन्ना और बिस्वजीत गायेन के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि राजकुमार तृणमूल का कार्यकर्ता था। फॉरेंसिक दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए।

घटना के लिए टीएमसी जिम्मेदार: BJP

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने इस घटना के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल बम बनाने का उद्योग फल-फूल रहा है। माकपा के वरिष्ठ नेता सुजान चक्रवर्ती ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ऐसी घटनाओं पर चुप क्यों हैं और उन्हें इस घटना पर बयान देना चाहिए। टीएमसी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि विपक्ष के लिए बिना किसी सबूत के पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी को दोष देना बहुत आसान है।

कांग्रेस संचालन समिति की बैठक: खरगे का जवाबदेही पर जोर

कांग्रेस का अधिवेशन फरवरी में, 26 जनवरी से नई यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस का तीन दिवसीय अधिवेशन अगले साल फरवरी महीने के दूसरे पखवाड़े में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होगा, जिसमें अध्यक्ष के तौर पर मल्लिकार्जुन खरगे के निर्वाचन पर मुहर लगेगी और फिर नई कार्यसमिति के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी अध्यक्ष खरगे की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस संचालन समिति की बैठक में अधिवेशन को लेकर यह निर्णय लिया गया। यह पार्टी का 85वां अधिवेशन होगा। खरगे के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार संचालन समिति की बैठक हुई। पिछले महीने पार्टी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के शीर्ष निकाय कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के स्थान पर इस संचालन समिति का गठन किया था। खरगे ने बैठक की शुरुआत में संगठन में ऊपर से लेकर नीचे तक जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जो लोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें नए लोगों को मौका देना चाहिए।

संपर्क के लिए चलेगा अभियान

संचालन समिति की बैठक के बाद पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं को बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के समापन के बाद आगामी 26 जनवरी से देश भर में 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत ब्लॉक, पंचायत और बूथ के स्तर पर लोगों से संपर्क साधा जाएगा। दो महीने तक चलने वाले इस अभियान में राहुल गांधी का पत्र भी लोगों को सौंपा जाएगा, जिसमें यात्रा का संदेश होगा तथा उसके साथ नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी संलग्न होगा।

खरगे ने ये दिए मंत्र

- जो लोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें नए लोगों को मौका देना चाहिए।
- जन आंदोलनों के लिए 30 से 90 दिन में तैयार करें रूपरेखा

प्रियंका करेंगी महिला मार्च की अगुवाई

पार्टी की ओर से महिला मार्च भी निकाला जाएगा, जिसकी अगुवाई प्रियंका गांधी करेंगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि 'भारत जोड़ो' यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगी तथा 26 जनवरी तक श्रीनगर में इसका समापन होगा। 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के तहत तीन स्तरीय कार्यक्रम होगा। ब्लॉक और बूथ के स्तर पर यात्राएं होंगी, जिला स्तर पर अधिवेशन होंगे तथा राज्य के स्तर पर रैलियां होंगी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता इस अभियान से संबंधित कार्यक्रमों शामिल होंगे।

ये मौजूद थे बैठक में

बैठक में खरगे के अलावा पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता शामिल थे। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के कारण भाग नहीं ले सके।

पंजाब: ड्रोन और तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरन तारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट एक ड्रोन से तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त अभियान में यह बरामदगी की गयी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक ट्वीट में कहा, सीमा पार तस्करी नेटवर्क के विरूद्ध विशेष अभियान चलाते हुए तरण तारण पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त अभियान में तरण तारण के पी एस वोलतोहा इलाके में तलाशी अभियान के दौरान एक ड्रोन बरामद किया जिसमें तीन किलोग्राम हेरोइन थी। एक दिन पहले ही सीमा सुरक्षा बल ने फाजिल्का जिले लगभग 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी जिसे पाकिस्तान ड्रोन द्वारा गिराया गया था।

मूसेवाला हत्या मामला

साजिशकर्ता गोल्डी बराड़ को अमेरिका में किया गया डिटेन

एजेंसी
चंडीगढ़। गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया है। हालांकि पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि अब तक बराड़ को हिरासत में लिए जाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सिद्धू मूसेवाला के नाम से लोकप्रिय गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की पंजाब के मानसा जिले में 29 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य बराड़ ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। बराड़ के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। रेड कॉर्नर नोटिस विदेश में भगोड़े बदमाशों की गिरफ्तारी या हिरासत के लिये जारी किया जाता है। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ 2017 में स्टूडेंट वीजा पर कनाडा गया था। वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य है। बराड़ पिछले महीने डेरा सच्चा सौदा के एक अनुयायी की हत्या में भी एक प्रमुख साजिशकर्ता था।

मूसेवाला के पिता ने किया स्वागत

सिद्धू मूसेवाला के पिता ने गोल्डी बराड़ को हिरासत में लिए जाने की खबर का स्वागत किया। सिंह ने गुरुवार को केंद्र सरकार से बराड़ की गिरफ्तारी की खातिर किसी भी सूचना के लिए 2 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा करने का आह्वान किया था।

नौसेना प्रमुख की घोषणा: 2047 तक आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य

नौसेना की सभी शाखाओं के महिलाओं के लिए खुलेंगे द्वार

एजेंसी | नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने शनिवार को कहा कि भारतीय नौसेना अगले साल से अपनी सभी शाखाओं को महिलाओं के लिए खोलने पर विचार कर रही है। करीब 3,000 अग्निवीरों के पहले बैच की भर्ती कर ली गई है जिसमें 341 महिलाएं भी हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2047 तक नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने की समय सीमा निर्धारित करते हुए शनिवार को कहा कि इस बारे में विचार किया जा रहा है कि स्वदेशी विमान वाहक पोत (आईएसी)2 की दिशा में आगे बढ़ा जाए, या आईएसी-1 का आर्डर दोहराने को प्राथमिकता दी जाए। एडमिरल आर. हरि कुमार ने नौसेना दिवस से एक दिन पूर्व शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नौसेना अनगिनत सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर क्षमता वृद्धि करने की राह पर है।

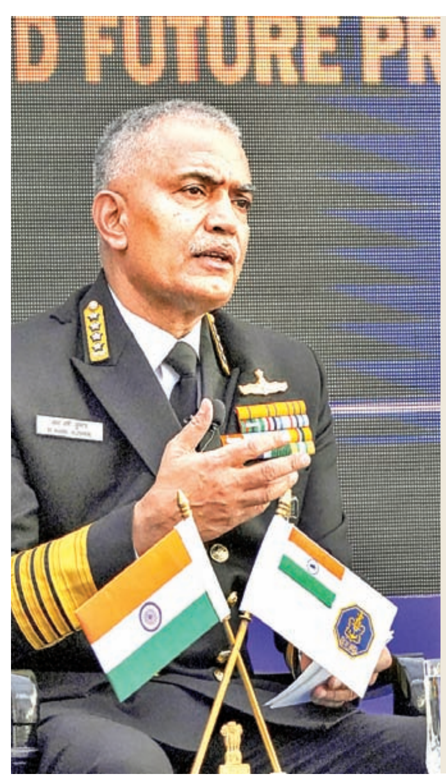

आईएसी-2 फिलहाल ठंडे बस्ते में

नौसेना प्रमुख से आईएसी-2 के बारे में कहा, हम अब भी इस बारे में विचार कर रहे हैं कि इसका आकार क्या होना चाहिए और उसकी क्षमता क्या होनी चाहिए? फिलहाल हमने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है क्योंकि हमने अभी-अभी आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किया है। परीक्षण के दौरान इस पोत ने जो प्रदर्शन किए उससे हम बहुत खुश हैं।

नौसेना तीन विमान वाहक पोत के पक्ष में

ज्ञात रहे कि नौसेना समुद्र में चीन की बढ़ती ताकत तथा हिंद महासागर में उसके बढ़ते दबदबे से निपटने के लिए तीन विमान वाहक पोत हासिल करने की हिमायत कर रही है। फिलहाल भारत के पास दो विमानवाहक आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत हैं। आईएनएस विक्रमादित्य रूसी मूल का है। हल्के लड़ाकू विमान (नौसेना संस्करण) परियोजना से बंदरगाह आधारित लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित अगली पीढ़ी के विकास में बहुत मदद मिलेगी। मानों का उत्पादन 2032 तक शुरू होगा।

वायु गुणवत्ता आयोग का आदेश

एनसीआर में गैर जरूरी निर्माण कार्यों पर लगाई रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बीच केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग ने रविवार को दिल्ली-एनसीआर में अधिकारियों को चरणबद्ध कार्रवाई कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत गैर-जरूरी निर्माण कार्य पर रोक लगाने का निर्देश दिया। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार को शाम चार बजे 407 रहा। एक्यूआई को 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 और 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर चार नवंबर के बाद 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचा है, जब एक्यूआई 447 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 14 नवंबर को अधिकारियों को जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत दिल्ली-एनसीआर में लागू प्रतिबंधों को हटाने का निर्देश दिया था, जिसमें गैर-जरूरी निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध भी शामिल था।

मद्रास हाईकोर्ट: मंदिरों में मोबाइल फोन पर लगे प्रतिबंध

एजेंसी
मदुरै। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वह राज्यभर के मंदिरों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू करे, ताकि मंदिरों की शुद्धता और पवित्रता को बरकरार रखा जा सके। यहां न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायाधीश जे सत्यनारायण प्रसाद की पीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग को यह निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता एम. सीतारमन ने याचिका में संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि वे तूतीकोरिन जिले में तिरुचेंदूर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के परिसर में एंड्रायड मोबाइल फोन ले जाने और इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर कदम उठाएं। यह मंदिर भगवान मुरुगा के छह अधिष्ठानों में से एक है। पीठ ने मंदिर में मोबाइल पर पाबंदी लागू करने का निर्देश देते हुए कुछ उदाहरण भी दिए। इसने कहा कि केरल में गुरुवायुर स्थित श्री कृष्ण मंदिर, मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर और आंध्र प्रदेश में तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाकर इस पर सफलतापूर्वक अमल किया गया है।

Google के CEO सुंदर पिचाई पद्म भूषण से सम्मानित

वाशिंगटन। गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई को शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को में उनके करीबी परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में व्यापार और उद्योग श्रेणी में 2022 के लिए भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने पिचाई को यह पुरस्कार सौंपा और कहा कि उनकी प्रेरणादायक यात्रा भारतीय प्रतिभा के वैश्विक नवाचार में योगदान की पुष्टि करती है।

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था

जजों की नियुक्ति को लेकर अब उपराष्ट्रपति के निशाने पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर पिछले लंबे समय से खूब चर्चा हो रही है। देश के कानून मंत्री जजों की नियुक्ति वाली कॉलेजियम व्यवस्था की खुलकर आलोचना कर चुके हैं। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी जजों की नियुक्ति के संबंध में सुप्रीम कोर्ट को आड़े हाथों लिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को रद्द किए जाने को लेकर संसद में 'कोई चर्चा' नहीं हुई और यह एक ''बहुत गंभीर मसला'' है। धनखड़ ने यह भी कहा कि संसद द्वारा पारित एक कानून, जो लोगों की इच्छा को दर्शाता है, उसे उच्चतम न्यायालय ने 'रद्द' कर दिया और 'दुनिया को ऐसे किसी भी कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है।' उपराष्ट्रपति ने संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जब कानून से संबंधित कोई बड़ा सवाल हो तो अदालतें भी इस मुद्दे पर गौर फरमा सकती हैं।

2015-16 में संसद ने पारित किया अधिनियम

धनखड़ ने कहा कि 2015-16 में संसद ने एनजेएसी अधिनियम पारित किया। उन्होंने कहा, "हम भारत के लोग- उनकी इच्छा को संवैधानिक प्रावधान में बदल दिया गया। जनता की शक्ति, जो एक वैध मंच के माध्यम से व्यक्त की गई थी, उसे खत्म कर दिया गया। दुनिया ऐसे किसी कदम के बारे में नहीं जानती।" एनजेएसी अधिनियम में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को पलटने का प्रावधान था, हालांकि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।

शक्ति जनादेश में बसती है

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में शुक्रवार को यहां एल एम सिंघवी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के लोग' का उल्लेख है और संसद लोगों की इच्छा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि शक्ति लोगों में, उनके जनादेश और उनके विवेक में बसती है।

कोई है ऐसा उदाहरण?

धनखड़ ने कहा "मैं यहां के लोगों- जिसमें न्यायिक अभिजात्य वर्ग, विचारशील व्यक्ति, बुद्धिजीवी शामिल हैं- से अपील करता हूं कि कृपया दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण खोजें जिसमें किसी संवैधानिक प्रावधान को रद्द किया गया हो।" उन्होंने कहा कि वह "हैरान हैं कि इस फैसले (एनजेएसी) के बाद संसद में कोई चर्चा नहीं हुई।"

एक नज़र

'एक शाम अर्जुन के नाम' में गूंजेंगे फिल्मी नग़मे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में एक शाम अर्जुन के नाम अनूठा प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा। इसमें पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति को याद करने के साथ उनका सृजन पेश होगा। महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में 10 दिसम्बर को शाम 6 बजे से होने वाले 'एक शाम अर्जुन के नाम' कार्यक्रम में माटी मानस अर्जुन कला संग्रहालय व अर्जुन आर्ट गैलरी की ओर से प्रोग्राम होंगे। कार्यक्रम में खूबसूरत मूर्तियों के चितेरे रहे प्रजापति के पसंदीदा फिल्मी नगमे और गजलें प्रस्तुत की जाएंगी। कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र प्रजापति ने बताया कि कार्यक्रम वरिष्ठ संगीतकार डॉ. प्रकाश छबलानी की परिकल्पना में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम में प्रदेश की गायिका सीमा मिश्रा, संजय रायजादा, सुमंत मुखर्जी और दीपशिखा जैन गीत और गजलों को आवाज देंगे। कार्यक्रम का संचालन उद्घोषिका डॉ. सालेहा गाजी करेंगी। कार्यक्रम में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

जयरंगम जयपुर थिएटर फेस्टिवल 18 से

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश की खूबसूरती नाटकों के बीच फोटो के जरिए दिखाई देगी। मौका होगा जेकेके में 18 से 24 दिसंबर तक होने वाले जयरंगम जयपुर थिएटर फेस्टिवल में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन का। महोत्सव के तहत होने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता 'खुशबू-ए-राजस्थान' में फोटोग्राफर्स अपना हुनर तस्वीरों में दिखाएंगे। जयरंगम के तत्वावधान में नजर फोटो एग्जीबिशन की सहभागिता में यह ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता होगी। इसके लिए प्रतिभागी को जयरंगम के फेसबुक पेज को लाइक करके 'खुशबू-ए-राजस्थान' ग्रुप पर जाना होगा, जहां सारे नियमों के तहत वो अपनी कोई दो तस्वीर अपलोड कर सकते हैं। अपनी वही 2 फोटो खुशबू-ए-राजस्थान की

नारी का सम्मान सभ्य समाज की पहचान: डॉ. महेश जोशी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जिस समाज में महिलाओं का सम्मान होता है, उसे सभ्य समाज माना जाता है। महिलाओं का उनके आसपास के समाज पर बहुत प्रभाव पड़ता है। वे समाज की समस्याओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कोई भी महिला अपने बच्चे की पहली टीचर भी होती हैं। वह बच्चे को जो सिखाती है, वह उसका व्यक्तित्व तय करता है। यह विचार राजस्थान के पीएचईडी मंत्री महेश जोशी ने रखे तो वहां मौजूद लोगों ने उस पर मोहर लगाई। वे इवेंट मैनेजर यश कालरा द्वारा लिखित पुस्तक 'ओमाना- द कम्प्लीट वुमन' के विमोचन में बोल रहे थे। महेश जोशी, लेखक यश कालरा और संगीत की प्रोफेसर कांता धवन की ओर से पुस्तक का विमोचन किया और पुस्तम पर चर्चा की।

ओमाना के इर्द-गिर्द घूमती है पुस्तक

पुस्तक ओमाना के इर्द-गिर्द घूमती है। सफल व्यवसायी रुद्र स्थापित वकील ओमाना के प्यार में पड़ जाता है। वह कभी नहीं जान पाती है कि रुद्र उसे कितनी गहराई व सच्चाई के साथ महसूस करता है। रुद्र लेखक को अपने भावपूर्ण सफर के बारे में बताता है, जो उसकी यादों की गलियों में गुजरते हुए अंत में रुद्र का दोस्त बन जाता है। ओमाना के बारे में बताते हुए रुद्र भावनाओं में बह जाता है और बताता है कि एक महिला किस प्रकार स्वयं के अस्तित्व के साथ आसपास के लोगों के जीवन को बदल सकती है। कहानी ओमाना के आस-पास घूमती है, जो बुद्धिमान, गुणवान, मजाकिया, सुंदर और महत्वाकांक्षी है।

पुस्तक में सफलता की कहानियों को पिरोया

पुस्तक की बात करते हुए लेखक यश कालरा ने कहा कि पुस्तक के हर अध्याय में उन महिलाओं की कहानियां हैं, जिन्होंने अपने जीवन को सफलता की नई ऊंचाइयां प्रदान की। अपनी सीमाओं को चुनौती दी और आत्म दया व दोषारोपण के खेल में फंसने के बजाय समय की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती गई।

ओमाना की बातचीत के रूप में आगे बढ़ी कहानी

कहानी प्रमुख पात्र रुद्र और उसके जीवन की सबसे प्रिय महिला ओमाना की बातचीत के रूप में आगे बढ़ती है। इस दौरान ओमाना जीवन, लोगों, स्थितियों के बारे में अपना दृष्टिकोण बताती है। साथ ही यह बताती है कि एक व्यक्ति क्या सीख सकता है।

स्पेशल प्रतिभाओं को दी गाय के गोबर से बनी स्पेशल ट्रॉफी

दिव्यांगों ने किया जोश-ज़ज़्बे के साथ परफॉर्म

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पैरों में परेशानी थी तो हाथों से और हाथों से लाचार हुए तो पैरों से स्टेज पर धमाल मचाया। कहीं से भी ऐसा नहीं लगा कि कुदरत ने उन्हें अलग बनाया है। उनका जोश और जज्बा किसी भी आम इंसान की तरह ही था। यह ही कारण था कि देश भक्ति गीत हो या बॉलीवुड मसाला, सभी में उन्होंने बेहतरीन परफॉर्म करके मैसेज दिए। ये थे स्पेशल पर्सस, जिन्होंने भारतीय दिव्यांग संघ, मैत्रेय संस्थान व यशस्वी प्राकृतिक फार्म की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस की पूर्व संध्या पर जवाहर कला केंद्र में दिव्यांग जनों के कार्यक्रम में परफॉर्मेंस में प्रभावित किया। कार्यक्रम में उमा शंकर शर्मा, अमित गुप्ता, पंकज लीला, आचार्य अनुपम जौली, किशोर कुमार टांक, ललित सिंह सचोरी, नरेंद्र कुमार जैन, सांवर मल जांगिड़ आदि मौजूद थे।

गाय और प्रतिभा दोनों का हुआ सम्मान

यशस्वी प्राकृतिक फार्म के अमित गुप्ता और पंकज लीला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गोबर से बने हुए स्मृति चिन्ह दिए गए। ये सबसे बड़ा और विशेष आकर्षण था। स्मृति चिन्ह एक विशेष प्रकार की पद्धति से बनाया गया था। इसमें गाय के गोबर का इस्तेमाल किया गया।

ये हुए सम्मानित

कार्यक्रम में दिव्यांग ज्योति और दिव्यांग गौरव सम्मान दिए गए। इसमें डॉ. आशीष राणा, दिनेश शर्मा, सांवर मल जांगिड़, अमित गुप्ता व पंकज लीला, रमित, अशोक जैन, दया जैन, देव अमित सिंह को दिव्यांग ज्योति सम्मान दिया गया। इसी प्रकार दिव्यांग गौरव सम्मान लीलाधर, महेश कुमार साहू, बृजेश, मोना अग्रवाल, ममता वर्मा, नेहा अरोडा, निर्मला कुमावत, साधना मलिक सिंह, मुकेश चौधरी और मेहश कुमार शर्मा को दिया गया।

अभिनय ने साकार किया श्रीकृष्ण रास

जयपुर। ओडिसी कलाकार ने जयपुर के मंच पर कला के विभिन्न रंग दिखाए। नेट थिएट कार्यक्रमों की कड़ी में ओडिसी कलाकार गोकुल श्रीदास ने नृत्य और भाव भंगिमा से श्रीकृष्ण के रास को जीवंत किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा ने बताया कि गोकुल श्रीदास ओड़िशा के भुवनेश्वर शास्त्रीय नृतक हैं। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत काली मंगलाचरण से की और फिर गोविंद का रास व ओडिया अभिनय से ओडिया नृत्य की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का संचालन आलोक ने किया।

रजिस्ट्रार कार्यालयों में अधिवक्ताओं में आक्रोश

जयपुर में स्लॉट बुकिंग टाइमिंग का विरोध, नहीं हो पाई एक भी रजिस्ट्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की ओर से रजिस्ट्री के लिए टाइम स्लॉट प्रणाली लागू करने के साथ ही विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार से जयपुर में टाइम स्लॉट प्रणाली लागू की गई, जिसका जयपुर के रजिस्ट्रार कार्यालयों में अधिवक्ताओं ने विरोध किया। इसके चलते जयपुर सहित अन्य रजिस्ट्रार कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हुआ और वकीलों के विरोध के चलते जयपुर में एक भी रजिस्ट्री नहीं सकी।

दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग का फैसला हमें मान्य नहीं है। अगर किसी को अर्जेंट रजिस्ट्री करवानी है तो वह इस नई प्रणाली के चलते जल्दी नहीं करवा पाएगा, क्योकि अगर स्लॉट 5 दिन बाद का है, तो रजिस्ट्री करवाने में काफी परेशानी होगी। रजिस्ट्री का कामकाज भी अब जटिल होता जा रहा है। साथ ही टाइम स्लॉट प्रणाली लागू करने के लिए पंजीयन विभाग के पास संसाधन भी नहीं हैं। कई बार जब सर्वर डाउन हो जाता है तो काम अटक जाता है। ऐसे में पहले तो वकील और रजिस्ट्री करवाने के लिए क्रेता-विक्रेता कतार में लगकर बुकिंग लें और फिर तय समय पर ही पहुंचे। अगर एक बार टाइम निकला तो वह फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस प्रणाली से कर्मचारियों,वकीलों और आमजन को परेशानी होगा।

RH राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर के प्रताप नगर में विकसित देश के पहले
आवंटन का द्वितीय चरण
कोचिंग हब में निर्मित
आवंटन लॉटरी द्वारा
संस्थानिक सम्पत्तियों की आवंटन प्रक्रिया पुन: प्रारम्भ
ऑनलाइन आवेदन 07 दिसम्बर से 31 जनवरी, 2023 तक

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (परिसम्पत्तियों) का विवरण :

क्र. सं.	निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण	उपलब्ध संख्या	सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट)	दर प्रति वर्गफीट (रुपयों में)	कीमत (रुपयों में)
1	Complete Tower	2	1,12,357.84	4380.91	49,22,29,800/-
1(a)	Type-I (Ground &1st Floor)	10	8025.56	4619.69	3,70,75,600/-
1(b)	Type-I (2nd & 3rd Floor)	11	8025.56	4490.69	3,60,40,300/-
2	Type-II	27	4012.72	4233.86	1,69,89,300/-
3	Type-III	16	2808.79	4233.92	1,18,92,200/-
4	Type-IV	10	2409.91	4233.85	1,02,03,200/-
5	Type-V	19	2424.65	4233.84	1,02,65,600/-
6	Type-VI	10	1588.06	4233.90	67,23,700/-

राजस्थान संवाद

नोट:– • उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विविध व्यय पृथक से देय होंगे।
पात्रता • पंजीकरण के लिए कोचिंग संस्थाएं, स्टार्टअप संस्थाएं तथा व्यक्ति भी पात्र होंगे। आवंटित सम्पत्तियों का उपयोग केवल कोचिंग के लिए किया जा सकेगा।
• किसी एक सम्पूर्ण टावर अथवा किसी एक ही टावर मे एक ही श्रेणी की समस्त सम्पत्तियों के लिए आवेदन करने पर आवंटन में प्राथमिकता।

शर्तें/भुगतान प्रक्रिया

- पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- आवेदक उपरोक्त तालिका में दर्शायी 6 श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगा
- प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी द्वारा आवेदकों की वरीयता निर्धारित की जायेगी
- वरीयता निर्धारण पश्चात् सफल आवेदकों को संस्थानिक सम्पत्ति का आवंटन लॉटरी द्वारा किया जायेगा
- 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी
- शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी
- आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित परिसम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा
- आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी

आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने, विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141–2744688, 0141–2740009 कार्यालय समय उपरान्त: (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, 99833131666, 8852000770 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) आवासीय अभियंता, श्री प्रकाश चौधरी (9983993886) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website:
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/2068

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)

सम्पादकीय

संकट में पड़ी शी चिनफिंग की सत्ता

कोविड प्रतिबंधों के विरुद्ध छिड़ा आंदोलन जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति

इन दिनों चीन एक ऐसे ऐतिहासिक जनउभार का केंद्र बना हुआ है, जिसकी एक दो महीने पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। कुछ दिन पहले तक यह हाल था कि चीन की किसी भी गली में विरोध के बोल बोलने वाले को कम्युनिस्ट पार्टी के खुफिया एजेंट और हिटलर की गेस्टापो से भी ज्यादा खूंखार पब्लिक सिक्योरिटी ब्यूरो (पीएसबी) के सिपाही तुरंत दबोच लेते थे। करोड़ों खुफिया टीवी कैमरों और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस लाखों पुलिस चौकियों का ऐसा दबदबा है कि प्रदर्शन की गुप्त योजना पर चुपचाप अपने घरों से निकले लोगों के तय स्थान पर पहुंचने से पहले ही पीएसबी एजेंट वहां पहले से खड़े मिलते थे। इसी कारण भूख और बुखार में तड़पते बच्चे को लेकर कोविड बैरियर पार करने की भी लोगों में हिम्मत नहीं थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से चीन के दर्जनों शहरों के आम लोग और छात्र सड़कों पर उतर आए हैं और राष्ट्रपति शी चिनफिंग तथा कम्युनिस्ट सरकार से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

इंटरनेट, टीवी, मोबाइल और अखबारों पर सरकार के कड़े नियंत्रण के बावजूद चीन से आ रहीं खबरों से पता चल रहा है कि भारी संख्या में सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं और लगातार फैल रहे हैं। चीन के सभी हिस्सों में सैकड़ों स्थानों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस तरह के बड़े प्रदर्शन पिछली बार जून 1989 में देखने को मिले थे जब चीनी विश्वविद्यालयों के लाखों युवा कम्युनिस्ट तानाशाही खत्म करने की मांग कर रहे थे। लगभग 400 शहरों तक फैले उस आंदोलन को कुचलने के लिए तब प्रधानमंत्री ली पेंग और सर्वोच्च नेता देंग शियाओपिंग ने तीन लाख से ज्यादा सैनिकों को सड़कों पर उतार दिया था। सेना ने युवा प्रदर्शनकारियों पर टैंक चढ़ाकर और मशीनगनों के बल पर आंदोलन को कुचल दिया था। उस कार्रवाई में हजारों युवा मारे गए थे, लेकिन किसी सरकार ने न केवल मृतकों की संख्या जाहिर नहीं होने दी, बल्कि चीन के इतिहास लेखन में उस घटना के जिक्र पर भी पाबंदी लगा दी।

ऐसा नहीं कि 1989 के बाद चीन में कभी प्रदर्शन नहीं हुए। फैक्ट्रियों, बांधों और नए शहरों के विकास के लिए किए जाने वाले भूमि अधिग्रहण, उद्योगों और खनन के कारण होने वाले भयंकर प्रदूषण तथा पानी की कमी और रोजगार जैसे सवालों पर हजारों बार प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन वे स्थानीय स्तर तक सीमित थे और उन्हें पुलिस के दमन से दबा दिया जाता रहा। तिब्बत, शिंजियांग, दक्षिणी मंगोलिया जैसे उपनिवेशों तथा बाद में हांगकांग में लोकतंत्र की मांग को लेकर चलने वाले आंदोलनों को तो सैनिक और पुलिस के दम पर कभी पनपने ही नहीं दिया गया, लेकिन इस बार कोविड के कारण स्थिति बहुत बदली हुई है। कोविड के फैलाव ने चीनी वैक्सीन पर चीन सरकार के झूठे दावों की भी पोल खोल दी है।

पिछले तीन महीने से शी सरकार ने 'जीरो-कोविड नीति' की जिद में आकर सैकड़ों शहरों और हजारों फैक्ट्रियों में नागरिकों को और मजदूरों को घरों और कारखानों के भीतर बंद रहने पर मजबूर कर दिया है। अब समझ में आ रहा है कि अक्टूबर में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस में खुद को चीन का स्थायी नेता बनवा लेने के चक्कर में शी ने 'जीरो-कोविड नीति' का इस्तेमाल विरोधियों को चुपचाप जेलों में डालने और नागरिकों को किसी विरोध से रोकने के लिए किया था। वर्तमान आंदोलन शी चिनफिंग के खिलाफ चीनी जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति है।

भोजन, चिकित्सा, रोजगार, बिजली की किल्लत के खिलाफ लोगों के गुस्से को पहली अभिव्यक्ति गत 19 सितंबर को तब मिली, जब घरों से जबरन पकड़कर एक कोविड केंद्र ले जा रहे लोगों की एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और 27 लोग मारे गए। चीनी जनता के आक्रोश ने 24 नवंबर को तब राष्ट्रव्यापी रूप धारण कर लिया जब उरुम्ची शहर में कोविड पाबंदी के कारण तालाबंद किए गए एक बहुमंजिला भवन में आग लग गई। पुलिस और सेना ने आग बुझाने वाली गाड़ियों को तीन घंटे तक रोके रखा, जिससे दर्जनों लोग घरों में ही भस्म हो गए। आग से घबराकर भवन की सातवीं-आठवीं मंजिल से गिरते लोगों के वीडियो जब चीनी इंटरनेट मीडिया पर घूमने लगे तो जनता का गुस्सा बम की तरह फूट पड़ा। रही-सही कसर कतर में चल वहे विश्व फुटबाल कप ने पूरी कर दी, जब लोगों ने वहां हजारों दर्शकों को खुली भीड़ में बिना मास्क पहने फुटबाल का आनंद लेते देखा।

चीन पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि शी चिनफिंग गुट के सताए हुए लाखों कम्युनिस्ट काडर और चीनी सेना के अधिकारी इस आंदोलन को हवा दे रहे हैं। इससे राष्ट्रपति शी की गद्दी को खतरा पैदा हो गया है। पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन की मृत्यु ने आंदोलनकारियों के लिए सड़कों पर उतरने का रास्ता और आसान कर दिया है। जिस चीन में पिछले सात दशकों से एक अकेले व्यक्ति को भी ऊंची आवाज में नारा लगाने पर पाबंदी रही है, वहां अब शोक के नाम पर विद्यार्थी मोमबत्तियां, फूल और सादे कागज लेकर उतर आए हैं। चीन के सौ से ज्यादा विश्वविद्यालयों को बंद करने और विद्यार्थियों को घर जाने का आदेश दे दिया गया है, ताकि प्रदर्शनों से उन्हें दूर किया जा सके। शी सरकार ने प्रदर्शनकारियों के गुस्से को शांत करने के लिए कई शहरों में कोविड प्रतिबंधों में ढील की घोषणा की है। यह आंदोलनकारियों के लिए जीत का संकेत है। अब देखना यह है कि चीन का आजीवन शासक बनने का सपना पाले बैठे शी चिनफिंग नई रियायतों से युवा आंदोलकारियों को रिझाते हैं या अपने पुराने आका देंग और ली पेंग का रास्ता अपनाकर फौजी टैंक उतारते हैं। शी का फैसला जो भी हो, इस बार सड़कों पर उतरी युवा पीढ़ी 1989 वाले आदर्शवाद से प्रभावित पीढ़ी नहीं है। यह वह नई पीढ़ी है जिसे देंग ने ''अमीर होना एक उपलब्धि है'' का सबक देकर आर्थिक और सामाजिक रूप से महत्वाकांक्षी बना दिया है और जिसके हाथ में मोबाइल जैसा हथियार है, जिसके बूते वह लाखों-करोड़ों लोगों की आवाज को सामूहिक दहाड़ में बदलने का दम रखती है।

THREE चीयर्स

जावेद जाफरी

जन्म- 4 दिसंबर
उम्र - 58 वर्ष

- पहली फिल्म- तहलका
- हिट फिल्में- धमाल, 100 डेज, मेरी जंग

धर्मेन्द्र

जन्म- 8 दिसंबर
उम्र- 86 वर्ष

- पहली फिल्म - बॉयफ्रेंड
- हिट फिल्में- कुंदन, क्षत्रिय, फरिश्ते, बटवारा, करिश्मा कुदरत का, रजिया सुल्तान, आस पास, नसीब, धरमवीर, शोले, चुपके चुपके, जुगनू, ब्लैकमेल, झील के उस पार, सीता और गीता, मेरा गांव मेरा देश, जीवन मृत्यु, आया सावन झूम के, मेरे हमदम मेरे दोस्त, आंखें, काजल, बंदिनी.

दिया मिर्जा

जन्म- 9 दिसंबर
उम्र- 40 वर्ष

- पहली फिल्म- रहना है तेरे दिल में
- हिट फिल्में- शूट आउट एट लोखंडवाला, हे बेबी, लगे रहो मुन्ना भाई, परिणीता.

डिनो मारिया

जन्म- 9 दिसंबर
उम्र- 46 वर्ष

- पहली फिल्म- प्यार में कभी कभी
- हिट फिल्में- राज, गुनाह

साहसी रुखसाना का रोल निभाएंगी श्रद्धा

बॉलीवुड के विलेन शक्ति कपूर की ब्यूटीफूल बेटी श्रद्धा कपूर एक बार फिर बायोपिक करने जा रही हैं. वह उस युवती का किरदार निभाने जा रही हैं जिसके साहस की तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक ने की है. श्रद्धा सिल्वर स्क्रीन पर रुखसाना बनेंगी. मेकर्स ने एक्ट्रेस से बातचीत शुरू की है, लेकिन अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है. अगर सब कुछ सही रहता है तो यह श्रद्धा की दूसरी फिल्म होगी, जो रियल स्टोरी बेस्ड होगी. इससे पहले वो अंडरवर्ल्ड दाउद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर का किरदार निभा चुकी हैं.

'सभी खाना खाकर सोने की तैयारी कर रहे थे. तभी कुछ ऐसा हुआ, जिसके बारे में तब 20 साल की रुखसाना कौसर ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा. हाथ में बड़ी सी गन लिए 3 शख्स ने घर पर धावा बोल दिया. अंदर घुसे और पनाह मांगी. रुखसाना और उसके परिवार को समझते देर नहीं लगी कि ये आतंकवादी हैं. रुखसाना के पिता ने आतंकियों को घर में एक रात गुजारने से सख्त मना कर दिया. इतना सुनते ही आतंकियों का चेहरा गुस्से से तमतमाने लगा. उन्होंने बंदूक की बट से रुखसाना के पिता को मारना शुरू कर दिया. रुखसाना और उसका भाई बेड के नीचे छिपकर ये सब देख रहे थे, लेकिन पिता पर हमला होते देख वो खुद को रोक नहीं पाई. पास पड़ी कुल्हाड़ी उठाई और एक दहशतगर्द के गले पर दे मारी. जब तक कुछ समझ आता, रुखसाना ने बंदूक छीनी और फायर कर दिया. एक आतंकी को मौत के घाट उतार चुकीं रुखसाना को उस मुश्किल घड़ी में कहां से हिम्मत मिली, इसके बारे में उन्होंने बाद में बताया भी और अल्लाह का शुक्रिया भी अदा किया. लेकिन उस वक्त बस वो खतरनाक हथियारों से लैस आतंकवादियों से भिड़ चुकी थीं. रुखसाना का ये रौद्र रूप देख आतंकी भी डर से कांप गए थे और हाथ-पांव उठाकर भाग निकले थे. बाद में रुखसाना और उनका परिवार पुलिस के पास पहुंचा, सारी आपबीती सुनाई और फिर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रुखसाना की हिम्मत की दाद दी थी.'

ये कहानी अब सिल्वर स्क्रीन पर भी देखने को मिलेगी.

CATCH काउंटर

मैं 35 साल की हूं, और जब 30 साल की थी, तब से मैं एक बच्चा पैदा करना चाहती थी. लेकिन मैं समझती हूं कि ये चीजें तब होती हैं जब उन्हें होना होता है. अब वह समय आ गया है.

– नेहा मर्दा, एक्ट्रेस.

ईडी एक एक्सपीरियंस है और यह जीवन है. मुझे जब बुलाया गया तो मैंने अपनी ड्यूटी निभाई. मैंने सभी सवालों के जवाब दिए हैं.

विजय देवरकोंडा, एक्टर.

12 साल गुमनाम रहे, अब करेंगे विस्फोट

करीब 12 साल गुमनामी की जिंदगी जीने के बाद फरदीन खान कूकी गुलाटी की फिल्म 'विस्फोट' से दोबारा बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं. इस फिल्म को संजय गुप्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख भी होंगे. इस दौरान कहा गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन हाल ही में संजय ने खुलासा किया है कि फरदीन की कमबैक मूवी थिएटर में नहीं, बल्कि ओटीटी पर स्ट्रीम की जाएगी.

ये 2012 की वेनेजुएला की फिल्म 'रॉक, पेपर, सीजर' का आधिकारिक रीमेक है. फिल्म में रितेश एक पायलट का रोल प्ले कर रहे हैं. वहीं, फरदीन खान किडनैपर के रोल में हैं, जो रितेश के बेटे का अपहरण कर लेता है. इस साल के शुरुआत में एक इंटरव्यू में फरदीन ने खुलासा किया था कि वह फिल्म में डोंगरी के एक लड़के की भूमिका निभा रहे हैं. फिल्म में फरदीन-रितेश के अलावा प्रिया बापट, क्रिस्टल डिसूजा, सीमा बापट और शीबा चड्ढा भी हैं. संजय गुप्ता के साथ-साथ भूषण कुमार भी इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. वहीं, संजय ने कहा कि हर्षवर्धन राणे और मीजान जाफरी अभिनीत उनकी डायरेक्टोरियल वेंचर को भी वे सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज करेंगे. ये पूछने पर कि उनकी फिल्मों को थियेटर में न चलाने का कारण क्या है, उन्होंने कहा- हमने इन फिल्मों को थिएटर में ले जाने और बड़ी संख्या में कमाई करने का कोई भ्रम नहीं पाला है. मैं स्पष्ट था कि बॉलीवुड को महामारी के बाद ठीक होने में कम से कम 2 साल लगेंगे.

- संजय गुप्ता ने खुलासा किया कि उनका प्रोडक्शन हाउस 3 और फिल्में बना रहा, जो सभी डिजिटल रिलीज के लिए हैं. इन तीनों में से एक फिल्म का निर्देशन वे करेंगे, जो एक ब्लैक कॉमेडी है. अन्य 2 फिल्मों में एक चांदनी चौक में सेट है, जबकि दूसरी एक कॉमेडी थ्रिलर है. उनकी आखिरी फिल्म मुंबई सागा थी, जिसमें जॉन अब्राहम और इमरान हाशमी थे.

कार्तिक करेंगे रश्मिका संग 'आशिकी 3'

कुछ समय पहले घोषणा हुई थी कि कार्तिक आर्यन फिल्म आशिकी-3 में लीड रोल निभाएंगे. उसके बाद से ही फिल्म में उनकी एक्ट्रेस को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं. पहले चर्चा थी कि दीपिका पादुकोण, कृति सेनन और श्रद्धा कपूर में से कोई एक उनकी हीरोइन बन सकती है. फिर यह भी खबर आई कि लीड एक्ट्रेस की रेस में रश्मिका मंदाना भी चल रही हैं और अब ऐसा लगता है कि रश्मिका इस रेस की विनर साबित हुई हैं.

रश्मिका ने फिल्म 'पुष्पा द राइज' में अल्लू अर्जुन के साथ काम करके हिंदी सिनेमा के दर्शकों के दिलों में खासी जगह बना ली है. रश्मिका को ही मेकर्स ने इस प्रोजेक्ट के लिए हीरोइन के तौर पर फाइनल किया है. रश्मिका और कार्तिक बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं नजर आए हैं, इसलिए वह फ्रेश पेयर लगेंगे. इसके अलावा कार्तिक ने कृति सेनन, कियारा आडवानी, अनन्या पांडे के साथ काम किया हुआ है. इसलिए मेकर्स चाहते हैं कि वह किसी नए चेहरे के साथ नजर आएं. कई दर्शक हैं जो इस जोड़ी को देखना चाहते हैं.

मेलोडी SONG

- फिल्म - जॉनी मेरा नाम (1970)
- गायक- किशोर कुमार
- संगीतकार- कल्याणजी, आनंदजी
- गीतकार - इंदिवर (श्यामलाल बाबू राय)

पल भर के लिए कोई हमें
प्यार कर ले, झूठा ही सही (2)
दो दिन के लिए कोई इकरार कर ले (2)
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...
हमने बहुत तुझको चुप चुपके देखा (2)
दिल पे खिंची है तेरे काजल की रेखा
काजल की रेखा बनी, लक्ष्मण की रेखा
हो हो हो हो काजल की रेखा बनी लक्ष्मण की रेखा
राम में क्यों तूने रावण को देखा (2)
खड़े खिड़की पे, आ ऐ ऐ ऐ ऐ ऐ
खड़े खिड़की पे जोगी स्वीकार कर ले
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें प्यार...
हीरे से जड़े तेरे नैन बड़े,
जिस दिन से लड़े, तेरे दर पे पड़े (2)
सुन सुनकर तेरी नहीं-नहीं
जां निकल जाए ना कहीं,
जरा हां कह दे मेरी जान कह दे,
मेरी जान कह दे जरा हां कह दे
जब रैन पड़े, नहीं चैन पड़े (2)
नहीं चैन पड़े, जब रैन पड़े
माना तू सारे हसीनों से हसीं है (2)
अपनी भी सूरत बुरी तो नहीं है (2)
कभी तू भी ओ, कभी तू भी हमारा
दीदार कर ले, झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...
हम वो नहीं जो छोड़ दें तेरा दमन,
अपने होठों की हंसी हम तुझको देंगे (2)
आंसू तेरे अपनी आंखों में लेंगे (2)
तू हमारी वफा का ऐताबर कर ले (2)
झूठा ही सही,
पल भर के लिए कोई हमें...

TV मैजिक

शो में 20 साल का लीप

कहानी में आएगा बड़ा ट्विस्ट

टीवी के पॉपुलर शो 'बड़े अच्छे लगते हैं 2' में राम कपूर यानी नकुल मेहता की याददाश्त वापस आ जाएगी. शो के मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है. इन दिनों अपनी पत्नी प्रिया और बेटी पीहू को भुलाए बैठे राम कपूर की याददाश्त इसी माह दिसंबर में वापस आ जाएगी. पहले यह दावा भी किया था कि शो में जल्दी ही 20 साल का लीप आएगा और इसके लीड एक्टर नकुल मेहता और दिशा परमार इस शो को अलविदा कह देंगे. कहा जा रहा है कि सीरियल में आगे राम और प्रिया कपूर की बेटी पीहू पर फोकस किया जाएगा. बड़ी पीहू और शो के अन्य एक्टर्स की कास्टिंग जारी है, जो जल्दी ही फाइनल हो सकती है. इसी महीने की शुरुआत राम और प्रिया की जिंदगी में सबकुछ ठीक हुआ था. राम को अपनी सौतेली मां नंदिनी कपूर यानी शुभावी चौकसे, सौतेले भाई शुभम यानी मनराज सिंह और पूर्व प्रेमिका वेदिका यानी रीना अग्रवाल की असलियत का पता चल गया था. लेकिन इसी बीच उसका और प्रिया का कार एक्सीडेंट हुआ और वह अपनी जिंदगी के कुछ हिस्से को भूल चुका है. उसे यह याद नहीं कि प्रिया उसकी पत्नी और पीहू उसकी बेटी है. प्रिया राम की याददाश्त वापस लाने की कोशिश कर रही है. अब देखना यह है कि वह अपने इस काम में सफल हो पाती है या नहीं.

बेपरवाह तब्बू

अभिनेत्री तब्बू को कभी काम की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी. हाल ही में उन्होंने अनीस बज्मी की फिल्म 'भूल भुलैया' को लगभग पूरा कर दिया है. इसके साथ ही वह अपने अगले 2 प्रोजेक्ट को लेकर व्यस्त हो गई हैं. इनमें एक फिल्म 2023 के शुरू में रिलीज होगी. जहां तक फिल्मों का सवाल है, कोई विशिष्ट रोल होने पर ही वह खुलकर फिल्म का जिक्र करती हैं. अपनी जिंदगी की तरह अपने करिअर को लेकर भी उन्हें कोई परवाह नहीं है. उनके मन में जो आता है, वह वही करती हैं. तब्बू का कहना है, 'अभी तक मैंने यह सब कभी अपने पर्सनैलिटी बिल्डअप के लिए नहीं किया. दरअसल मैं हूं ही ऐसी. एकदम बेपरवाह ....' यह जिंदगी जीने का उनका अपना फलसफा है.

छोटे रोल में खुश हैं एली

पिछले दिनों रिलीज 'गुडबॉय' में अभिनेत्री और मॉडल एली एबराम भी एक छोटे से रोल में दिखाई पड़ी हैं. अब दिसंबर में आनेवाली फिल्म 'गणपत' में भी वह ऐसा ही किरदार कर रही हैं. इस बारे में उनका कहना है कि कई बार ऐसे छोटे-छोटे रोल को ऑडियंस खूब नोटिस करते हैं. इसलिए मैं इन पर भी खूब मेहनत करती हूं. विदेश से आई इस मॉडल को आज भी सलमान की दोस्त के तौर पर ज्यादा पहचाना जाता है, पर एली अब इस बात का जिक्र नहीं करना चाहती हैं.

दिल्ली आते ही ललचाया अर्जुन का मन

बोले, 'ट्रेनर को चीट डे के लिए मना लिया है'

दिल्ली की सर्दियां अभिनेता अर्जुन कपूर को बचपन से पसंद रही हैं. इन दिनों वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग के लिए दिल्ली में हैं और यहां की सर्दी के साथ-साथ यहां के पकवानों का भी खूब लुत्फ उठा रहे हैं. अपनी इस नई फिल्म की शूटिंग के लिए वह ऋषिकेश भी जाने वाले हैं. अर्जुन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को अपने फिल्मी करिअर के लिए बहुत भाग्यशाली मानते रहे हैं. वह कहते हैं, 'दिल्ली हमेशा से मेरे लिए बहुत खास रही है और यह मेरा लकी चार्म है.

'दिल्ली में अपनी तमाम चर्चित फिल्मों जैसे '2 स्टेट्स', 'की एंड का', 'संदीप और पिंकी फरार' की शूटिंग कर चुके अर्जुन कहते हैं, ये सभी फिल्में मेरी फिल्मोग्राफी की सबसे खास फिल्में रही हैं और इन फिल्मों से मुझे बड़ी पहचान मिली, जिसका मैं आभारी हूं.' जानकारी के मुताबिक, अर्जुन कपूर दिल्ली अपनी नई फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' की शूटिंग के लिए पहुंचे हैं. इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर और रकुलप्रीत सिंह काम कर रही हैं.

अर्जुन कहते हैं, 'मैं अपनी अगली फिल्म के लिए दिल्ली वापस आकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे उम्मीद है कि यह फिर से सिनेमा में मेरे करिअर की सबसे खास फिल्म होगी. फिटनेस के लिए कड़ी दिनचर्या का पालन करने वाले अर्जुन का मन दिल्ली के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने के लिए भी ललचा रहा है. वह कहते हैं, 'चूंकि आजकल मैं फिटनेस के लिए सतर्क हूं और जल्द ही अपेक्षित शरीर हासिल करना चाहता हूं, इसलिए मैं दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद रोज नहीं ले पाऊंगा लेकिन मैंने अपने ट्रेनर को मना लिया है कि वह एक दिन मुझे दिल्ली में अपने मन की चीजें खाने दें.' अर्जुन के पिता बोनी कपूर की बुआ और दूसरे कई रिश्तेदार दिल्ली और आसपास के शहरों में रहते हैं. उनकी दिली तमन्ना शूटिंग से ब्रेक लेकर उनके घर जाने की भी है. अर्जुन कहते हैं, 'मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं, जब मैं अपनी बुआ के घर का खाना और यहां की चाट खा पाऊंगा. मैं दिल्ली में इस आउटडोर शेड्यूल के लिए इसलिए भी उत्साहित हूं क्योंकि मेरे बचपन की छुट्टियां यहीं बीती हैं.'

एक नज़र

स्वास्थ्य विज्ञान विवि में 42 पद सृजित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों का नामांकन एवं संबद्ध कॉलेजों की संख्या निरंतर बढ़ने से अशैक्षणिक पदों की संख्या में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर स्थित राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 42 अशैक्षणिक पदों के सृजन को मंजूरी दी है। विश्वविद्यालय में सहायक कुलसचिव के 2 पद, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, उप विधि परामर्शी, सीनियर लीगल ऑफिसर, कनिष्ठ लेखाकार तथा सूचना सहायक के 1-1 पद, अनुभाग अधिकारी के 5, सहायक अनुभाग अधिकारी के 3, वरिष्ठ सहायक के 5, कनिष्ठ सहायक के 15 तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 7 पद सृजित किए गए हैं।

कांवटिया में एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी हुई शुरू

जयपुर। शास्त्री नगर में स्थित कांवटिया राजकीय चिकित्सालय में शनिवार से एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी शुरू हुई। यहां के सर्जरी विभाग की टीम ने पहली बार दूरबीन से हर्निया की सर्जरी की है। अधीक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि पहले मरीजों को इस प्रकार की सर्जरी के लिए एसएमएस में रेफर करना पड़ता था, जहां पहले से ही काफी लंबी वेटिंग लिस्ट होती हैं। प्राइवेट अस्पतालो में ऐसी सर्जरी के लिए 40-50 हजार का खर्चा आता है, लेकिन अब यह सुविधा कांवटिया में शुरू हो गई है।

28 सदस्यीय प्रतिनिधि केरल से पहुंचे जयपुर

पंचायतीराज योजनाओं का अवलोकन करेगा दल

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। केरल से बीनू मोलके के नेतृत्व में रविवार को 28 सदस्यीय प्रतिनिधि जयपुर आए। यह दल 13 दिसंबर तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर पंचायती राज की विभिन्न योजनाओं और इन योजनाओं के तहत अपनाए जा रहे नवाचारों का अवलोकन करेंगे। इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में उन्हें पंचायती राज सचिव नवीन जैन ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राजस्थान की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विभिन्नता से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि राज्य की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति विश्व पटल पर अपनी अनूठी पहचान बनाए हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने 'सतत विकास लक्ष्य' के उद्देश्य से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। शासन सचिव ने प्रदेश की योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि राजस्थान में पंचायती राज संस्थान 'ग्लोबल टू लोकल' रूपरेखा के जरिए कार्य कर रही है। राज्य में कुल 11 हजार 272 ग्राम पंचायतों के जरिए प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जन तक पहुंचाया जा रहा है।

जल्द खुले में शौच मुक्त होगा प्रदेश: स्वच्छ भारत मिशन के निदेशक प्रताप सिंह ने प्रतिनिधियों को पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रदेश में स्वच्छता मिशन के तहत विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही राजस्थान 'खुले में शौच मुक्त' प्रदेश होगा। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों ने दल से मुलाकात कर केरल में चल रही पंचायती राज की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

मंत्री और विधायकों ने दिया आश्वासन, तुड़वाया था पार्षदों का अनशन

अब तक नहीं गठित हुई जयपुर नगर निगम हेरिटेज में समितियां!

जयपुर। ऑन नगर निगम हेरिटेज में संचालन समितियों का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। समितियों के गठन के लिए विधायकों द्वारा दिया गया समय बीतने के बाद भी समाधान नहीं निकलने पर कांग्रेस पार्षदों ने बुधवार को अनशन शुरू कर दिया था। गत गुरुवार शाम अनशन पर बैठे पार्षदों से समझाइश करने देर शाम मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, मंत्री महेश जोशी, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी और महापौर मुनेश गुर्जर निगम मुख्यालय पहुंचे। मंत्री व विधायकों की समझाइश के बाद पार्षदों ने अनशन खत्म कर दिया था। विधायकों ने सात दिन में कमेटिया गठित करने का आश्वासन दिया है। शहर के कांग्रेस विधायकों में चल रही खींचतान के चलते समितियों का गठन नहीं हो रही। पार्षदों से समझाइश करने पहुंचे मंत्रियों और विधायकों में भी एकजुटता नजर नहीं आई। धरना स्थल से प्रतापसिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी के जाने के बादमंत्री महेश जोशी और उपमहापौर असलम फारूकी भी निगम मुख्यालय पहुंचे और पार्षदों से समझाइश की थी। गत बुधवार रात अनशन पर बैठे पार्षदों से महापौर ने मंत्री विधायकों से बात करने के लिए तीन दिन का समय मांगा था किन्तु आज तक कमेठियां गठित नहीं हुई।

पार्षदों को तारीख पर तारीख़

निगम हेरिटेज में कांग्रेस का बोर्ड बने दो वर्ष बीतने के बाद भी संचालन समितियों का गठन नहीं होने पर नाराज कांग्रेस पार्षदों ने धरना शुरू किया। धरने पर बैठने से पहले पार्षदों को मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सात दिन में कमेटियों का गठन करने का आश्वासन दिया था। सोमवार को सात दिन पूरे होने पर पार्षदों ने अनशन पर जाने की घोषणा की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। गुरुवार को फिर से मंत्री-विधायकों ने सात दिन का समय मांगा था। पार्षदों का कहना था कि जब तक समितियों का गठन नहीं होता तब तक धरना जारी रहेगा।

नहीं दे पा रहे चेयरमैनों के नाम

नगर निगम हेरिटेज में चारो कांग्रेस विधायक अपने अपने क्षेत्र के चेयरमैन के नाम और संख्या निर्धारित नहीं कर पा रहे। इस कारण अब इनमें आपसी विवाद भी बढ़ता जा रहा है। वहीं, कांग्रेस के समर्थन में आए 9 निर्दलीय पार्षदों को भी निर्धारित स्थान देने पर विवाद है। इसी विवाद को सुलझाने के लिए मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास विधायकों में सामंजस्य बैठाने का प्रयास करते आ रहे है।

पुलिस को गैंगवार की आशंका

प्रताप नगर में दिन दहाड़े युवक को गोली मारी, मौत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में बदमाशों ने दिन दहाड़े एक युवक पर फायरिंग कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए ए श्रेणी की नाकाबंदी करवाई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस के अनुसार वारदात गोदावरी अपार्टमेंट के पास हुई। थड़ी पर महेन्द्र मीणा अपने साथियों के साथ चाय पी रहा था। इसी दौरान चौपहिया वाहन में आए बदमाशों ने उस पर फायरिंग शुरु कर दी।

गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आशंका जता रही है कि मृतक महेंद्र मीणा और विनीत मेडी में आपसी रंजिश चल रही थी। पुलिस ने बताया कि बदमाश फायरिंग करने के बाद अपनी गाड़ी से भागने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुई तो गाड़ी को छोड़ दूसरे वाहन से भाग निकले। बदमाश के खिलाफ जयपुर सहित कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। शहर में लगातार हो रही फायरिंग की घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल है।

राजकाज सॉफ्टवेयर के जरिए ई-फाइलिंग कार्य शुरू

प्रदेश का पहला ऑनलाइन जिला कलेक्ट्रेट बनेगा जयपुर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट प्रदेश का पहला ऑनलाइन कलेक्टर बनने जा रहा है। प्रशासन प्रदेश आमजन के कार्य को आसान बनाने और प्रशासनिक कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए जयपुर जिला प्रशासन प्रदेश के सरकारी कार्यालयों के लिए नजीर बनने जा रहा है। जयपुर कलेक्ट्रेट में ई फाइल सिस्टम शुरू कर किया है। कागजी कार्यवाही को कम करते हुए सभी कार्य ऑनलाइन होंगे। कलेक्ट्रेट में एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी तक चलने वाली कागजी फाइलें अब ई फाइल के रूप में बनेगी। जिला प्रशासन ने इस सिस्टम पर काम करते हुए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कलेक्ट्रेट की दो शाखाओं संस्थापन शाखा और सामान्य शाखा में ई फाइल सॉफ्टवेयर पर पत्रावलियों का संधारण का कार्य शुरू किया है।

जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने गुरुवार को ई फाईलिंग का काम शुरू करते हुए जिला कलेक्टर ने चार-चार फाइलों का निस्तारण ई फाइल सिस्टम से किया। प्रक्रिया में ई फाइल सिस्टम पर प्रस्तुत की गई इन फाइलों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम और अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर पूर्व ने अपनी टिप्पणियों के साथ ऑनलाइन ही जिला कलेक्टर के पास भेजी। उसके बाद जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने ऑनलाइन ही फाइलों पर ई साइन कर इन फाइलों का निस्तारण किया।

ई-साइन से फाइलों का निस्तारण

ई फाइल सिस्टम के नोडल अधिकारी और डीओआईटी के उप निदेशक रितेश कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (डीओआईटी) की ओर से सरकारी विभाग और कार्यालयों में आसान, पेपरलेस और ऑनलाइन कार्य करने के लिए एकीकृत सॉफ्टवेयर राजकाज सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही ई फाइल सिस्टम डेवलप किया गया है। इसके लिए कर्मचारियों को पहले ही ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

पहले चरण में 2 शाखाओं में शुरू

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि कलेक्ट्रेट की दो शाखाओं में ई फाइल सिस्टम शुरू किया गया है। धीरे-धीरे सभी शाखाओं में ई फाइल सिस्टम से ही फाइलों का निस्तारण करने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्ट्रेट में पूरी तरह से ई फाइल सिस्टम लागू होने के बाद पंचायत और तहसील स्तर पर भी इस सिस्टम को लागू किया जाएगा।

ई-फाइल सिस्टम के ये होंगे लाभ

- फाइल की ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो सकेगी।
- कार्यों में सरलता और पारदर्शिता आएगी।
- समय की बचत होगी।
- फिजिकल मूवमेंट की आवश्यकता नहीं होगी और कोरोना जैसी विकट परिस्थिति में वर्क फ्रॉम होम या एनी व्हेयर कार्य संभव हो सकेगा।
- कार्यालय टिप्पणी से लेकर पत्रावली अनुमोदन की प्रक्रिया पेपरलेस होगी।

रथ हुए रवाना: भाजपा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ आमजन को बांटी आरोप पत्र की प्रतियां

200 विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश यात्रा का शंखनाद

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। भाजपा की जनआक्रोश यात्रा रविवार को प्रदेश की पूरी 200 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ चली। प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में यात्राओं का जगह-जगह स्वागत किया गया। रथ यात्रा के आगाज के साथ ही चौपाल और नुक्कड़ सभाओं के आयोजन भी शुरू कर दिए गए हैं, जो पूरी यात्रा में प्रतिदिन होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के झारखंड महादेव मंदिर व आमेर में शिला माता मंदिर, राष्ट्रीय मंत्री व प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ताड़केश्वर मंदिर चौड़ा रास्ता, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सर्वस्तु विलास से, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जंभेश्वर मंदिर ओसियां से जनाक्रोश यात्रा का शंखनाद किया। यात्रा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र की प्रतियां जनता को बांटी जा रही हैं, जिसमें वादा खिलाफी, कानून व्यवस्था को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसके अलावा शिकायत पत्र फॉर्म भी जनता से भरवाए जा रहे हैं, जो रथ में लगी शिकायत पेटिका में एकत्र किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक वितरित किए जा रहे हैं। पूनियां ने आमेर में शिला माताजी मंदिर से यात्रा का शुभारंभ रथ का पूजन कर किया। इस दौरान वह करीब 5 किमी कार्यकर्ताओं के साथ पैदल चले। पूनियां ने कहा कि कांग्रेस के शासन में जंगलराज, कुशासन, भ्रष्टाचार और वादा खिलाफी के खिलाफ भाजपा ने इस यात्रा का आगज किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने किसान कर्जमाफी को लेकर किसानों से, रोजगार को लेकर युवाओं से वादा खिलाफी की। साथ ही भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून व्यवस्था, बदहाल चिकित्सा और शिक्षा व्यवस्था, बिजली, सड़क और पानी की समस्याओं को लेकर की जनता में आक्रोश है, जिसको मुखरता देने के लिए भाजपा ने जन आक्रोश अभियान की शुरुआत की है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था हुई बदहाल

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने कहा कि कांग्रेस सरकार के जंगलराज में पूरे राजस्थान की कानून व्यवस्था बदहाल है, निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं, एक बेटी के सामने उसके पिता की गोलियों से हत्या कर दी जाती है और राज्य सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहती है, इसलिए गूंगी, बहरी कांग्रेस सरकार और कुर्सी से चिपके बैठे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जनता हमेशा के लिए विदाई को तैयार बैठी है।

नड्डा के बयान पर गहलोत का पलटवार

'यूपीए की योजनाओं का नाम बदल काम चला रहे मोदी'

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के केंद्र की योजनाओं का नाम बदलने के आरोप को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। गहलोत ने कहा- यह तो हमारा आरोप उनके ऊपर है, जो यूपीए गवर्नमेंट की योजनाएं थी, उनका नाम बदल कर मोदी जी ने काम चलाया है। सीएम ने कोटा में राहुल गांधी की सभा की तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बातचीत में जयपुर में नड्डा की सभा में कुर्सियां खाली रहने की बात करते हुए कहा कि बीजेपी की जन आक्रोश यात्रा फेल हो रही है, उससे लोग जुड़ नहीं रहे हैं। जनता तब जुड़ती है, जब मुद्दे हों। हमने मुद्दों का मौका ही नहीं दिया। वो क्या संघर्ष करेंगे, क्या विरोध करेंगे? अब चुनाव के लिए आए हैं। चुनाव जीतने के लिए वो झूठ बोलते हैं कि किसानों का ऋण माफ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 22 लाख किसानों के ऋण माफ हुए हैं। 1 से 6 लाख तक के ऋण माफ हुए हैं। लोग उनके झूठ का पर्दाफाश, खुद ही कर रहे हैं।

जी20 शेरपा बैठक उदयपुर में शुरू

दुनिया की मदद के लिए आज विशिष्ट स्थिति में है भारत: शोंबी शार्प

हिलव्यू समाचार
उदयपुर। संयुक्त राष्ट्र के स्थानिक समन्वयक शोंबी शार्प ने भारत की विदेश नीति की तारीफ करते हुए कहा कि टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। भारत जी20 की अध्यक्षता के साथ और अन्य देशों के साथ वैश्विक आवाज के रूप में लक्ष्यों को हासिल करने में मदद के लिहाज से इस समय विशिष्ट स्थिति में है। पिछले कुछ साल और महीनों में अनेक संकट देखे गए हैं। भारत को अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है जब हम एसडीजी एजेंडा के आधे रास्ते में हैं। शार्प ने कहा कि भारत 'हमें पटरी पर वापस लाने' के लिए विशिष्ट स्थिति में है।

भारत हासिल कर सकता है 9% जीडीपी

आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि भारत कई वर्षों तक 9% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए जरूरी है कि दुनिया लगातार उच्च वृद्धि दर हासिल करे। भारत की प्रति व्यक्ति आय केवल 2,200 अमेरिकी डॉलर है और यह कई वर्षों की उच्च वृद्धि दर के बाद हासिल की गई है।

हम लोकतंत्र की जननी: कांत

बैठक में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने बैठक में टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर एक सह-आयोजन को संबोधित करते हुए कहा, हम बड़े भू राजनीतिक संकट से गुजर रहे हैं। हमने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को टूटते, देशों पर कर्ज बढ़ते और जलवायु कार्रवाई एवं जलवायु वित्त पोषण संबंधी बड़े संकट देखे हैं। उन्होंने कहा पहले हमें एजेंडा के विषय विकसित देशों से मिलते थे। अब, हम जी20 की बैठक का एजेंडा तय करने जा रहे हैं। हम दुनिया को बताएंगे कि हम लोकतंत्र की जननी हैं।

एसडीजी लक्ष्यों का संग्रह

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2015 में अपनाए गए एसडीजी लोगों और धरती के लिए शांति एवं समृद्धि के लिए, अभी और भविष्य के लिए 17 वैश्विक लक्ष्यों का संग्रह है, जिन्हें 2030 तक प्राप्त करना है। एसडीजी के लक्ष्यों में- गरीबी और भुखमरी का खात्मा, अच्छा स्वास्थ्य और कुशलता, अच्छी शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल और साफ-सफाई आदि शामिल हैं।

इन विषयों पर होगी चर्चा

भारत जी20 की अध्यक्षता के तहत पहली शेरपा बैठक की मेजबानी कर रहा है। इसकी अध्यक्षता भारतीय शेरपा अमिताभ कांत कर रहे हैं। बैठक में यूरोपीय संघ (ईयू) और नौ विशेष आमंत्रित देशों समेत 19 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस बैठक में 40 से अधिक प्रतिनिधि पहुंचेंगे। बैठक में रोजगार, स्वास्थ्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था, व्यापार, निवेश और उद्योग, पर्यावरण और जलवायु, ऊर्जा, भ्रष्टाचार विरोधी, कृषि, महिला सशक्तीकरण, पर्यटन और संस्कृति के विषय पर चर्चा होगी।

एक नज़र

जयपुर सहित उत्तरी राजस्थान में सर्द हवाओं का असर

माउंट आबू में रात में बर्फ़... गुलाबी नगरी में दिन में बढ़ी ठंड

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पहाड़ों पर बर्फबारी का सीधा असर अब मैदानी भागों में पड़ने लगा है। प्रदेश में सर्द हवाओं का सितम शुरू हो गया है। इसके चलते माउंट आबू से लेकर शेखावाटी तक सर्दी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है।

राजधानी जयपुर सहित शेखावाटी और उत्तरी राजस्थान में दिन के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है, वहीं सिरोही के माउंट आबू में रात तापमान शून्य से एक डिग्री के बीच बना हुआ है। रविवार को माउंट आबू का न्यूनतम तापमान 1 डिग्री दर्ज किया गया।

सीजन में रहेगा औसत तापमान: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक उत्तर भारत एक या दो भागों में मौसम सामान्य से नीचे न्यूनतम तापमान रहने का अनुमान है। साथ ही मौसम विभाग ने उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों सर्दियों में कुछ क्षेत्रों को छोड़कर अन्य स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान लगाया है।

कई स्थानों पर छाया कोहरा

सर्द हवाओं के चलते प्रदेश के कई जिलों में सुबह के समय कोहरे की स्थिति बन रही है। राजधानी जयपुर के टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, सीतापुरा, न्यू सांगानेर रोड, जगतपुरा सहित अन्य जगहों पर कोहरा छाया रहा। इसके साथ ही वाहनों और खेतों में ओस की बूंदे नजर आईं। रविवार को करीब 14 से अधिक जिलों का न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया।

एक दर्जन जिलों में 2 डिग्री तक की गिरावट

सर्द हवाओं से प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। रविवार को अलवर में अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री की गिरावट रही, वहीं अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, श्रीगंगानगर, सीकर, झुंझुनू, उदयपुर, जैसलमेर, चूरू सहित एक दर्जन जिलों में एक से दो डिग्री तक तापमान कम रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार आगामी पांच-छह दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। चूरू, झुंझुनूं, सीकर के अलावा सिरोही, बीकानेर, नागौर, जैसलमेर आदि स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है।

पर्यटन विकास निगम ने शुरू की कवायद

तारागढ़ किले में जल्द शुरू होगा पर्यटन, बनेगा रोप-वे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम ने तारागढ़ किले में जायरीन और पर्यटकों के लिए सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई है। विभाग डेढ़ हजार साल पुराने तारागढ़ किले की सूरत बदलने की तैयारी कर रहा है। निगम किले तक आवाजाही के लिए रोप-वे, पुराने रेलवे क्वार्टर में कैफेटेरिया और पर्यटकों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा का प्रस्ताव राज्य और केंद्र को भेजेगा।

साथ ही पर्यटन विकास निगम तारागढ़ किले को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने के प्रयास भी होंगे।

1400 साल पुराना है किला

तारागढ़ किला चौहान काल का 1400 साल से भी ज्यादा पुराना किला है। यह 2855 फीट ऊंची अरावली पहाड़ी पर बना है। किला 50 से ज्यादा युद्धों का गवाह रहा है। किले का निर्माण चौहान सम्राट अजयपाल ने ग्याहरवीं सदी में करवाया था। विदेशी आक्रान्ताओं के हमले से बचने के लिए ढाई दिन के झौंपड़े के पास ही तारागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया गया था। यह किला अजेयमेरू दुर्ग के नाम से जाना जाता था। मुगलों के काल में इस किले का बड़ा सामरिक महत्व था।

18वीं शताब्दी के रेलवे क्वार्टर भी लिए जाएंगे लीज पर, रेल मंत्री को लिखा पत्र

दरगाह स्थित अढाई दिन के झोंपड़े अथवा पृथ्वीराज चौहान स्मारक से तारागढ़ पहाड़ी तक रोप-वे बनेगा, जिसका काम जल्द शुरू किया जाएगा। रोप-वे से पर्यटक-जायरीन अरावली पर्वतमाला की खूबसूरती का लुत्फ उठा सकेंगे। आरटीडीसी ब्रिटिश काल में बने 18वीं शताब्दी के रेलवे क्वार्टर को भी लीज पर लेगा। क्वार्टर में कैफेटेरिया-रेस्टोरेंट के साथ रुकने के लिए सुविधायुक्त रूम बनाए जाएंगे। इससे जायरीन और पर्यटकों को सुविधा होगी। इस सम्बन्ध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजा गया।

प्रस्ताव मंजूर, कामकाज जल्द शुरू होगा: धर्मेन्द्र राठौड़: आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने बताया कि तारागढ़ किले स्थित रेलवे के क्वार्टर को लीज पर लेने के लिए रेल मंत्री को प्रस्ताव भेज चुके हैं। स्वीकृति मिलते ही यहां कैफेटेरिया और रूम बनाए जाएंगे। रोप-वे का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। कामकाज जल्द शुरू होगा। पुष्कर हेलिकॉप्टर सेवा को तारागढ़ से जोड़ने को लेकर सर्वेक्षण कराया जाएगा।

गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में तुर्की और चाइना मेड पिस्टल का इस्तेमाल

बदमाशों से मुठभेड़... हमलावर दबोचे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान की पुलिस ने गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में शामिल बदमाशों को 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस की 150 से अधिक अलग-अलग टीमों ने गांव वालों की मदद से हत्याकांड के आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार 5 आरोपियों में से 2 सीकर के और 3 हरियाणा के रहने वाले हैं। इनमें एक नाबालिग है। शनिवार की सुबह सीकर के पिपराली में राजू ठेहट पर गोलियां बरसाने वाले यह बदमाश किसके कहने से आए थे या किस गैंग से जुड़े हैं, पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया हैं।

एडीजी क्राइम डॉ. रविप्रकाश मेहरडा ने बताया कि बदमाशों के पास से चीन और तुर्की में बने 5 विदेशी पिस्टल बरामद किए गए। इनके पास इतनी गोलियां थी कि अगर यह किसी एक स्थान पर छिप कर पुलिस की टीमों पर फायर करते तो पूरी पुलिस टीम का खात्मा कर सकते थे। पुलिस ने ऐसा जाल बिछाया कि वे पूरी गोलियां चला ही नहीं सके। इनके पास कुल करीब 185 राउंड बुलेट्स थी। इनमें से 1 हजार से ज्यादा गोलियां चल सकती थी। इन्होंने 52 राउंड सीकर में, 3 बबाई गांव में और पुलिस से मुठभेड़ में 5 राउंड फायर किए।

मुठभेड़ में दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

बदमाशों ने पुलिस निरीक्षक मनीष शर्मा व हिम्मत सिंह पर फायरिंग की, जो बाल-बाल बचे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में सतीश व जतिन को पैर में गोली लगी है, जिनका जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज जारी है। सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप, जयपुर रेंज आईजी उमेश दत्ता और झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा ने टीमों को लीड किया।

ऐसे पकड़े गए बदमाश

बदमाश राजू ठेहट के घर के सामने ही करणी हॉस्टल में रह रहे थे। हत्या कर भागते समय झुंझुनूं के बाबई में इन्होंने पहली नाकाबंदी तोड़ी। फिर कार में सवार बदमाश फायरिंग करते हुए हरड़िया से बागोली नदी में उतर गए। पुलिस की 15 टीमों ने बाघोली नदी के निकट पहाड़ियों और गांवों में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान सराय (हरियाणा), डाबला व स्यलोदड़ा-थाना पाटन के नजदीक पहाड़ियों के पास खेतों में छिपे हुए बदमाश मनीष उर्फ बच्चिया (25) निवासी जोरा वाली ढाणी थाना नीमकाथाना और विक्रम गुर्जर (28) निवासी बामरडा जोहड़ा थाना खंडेला को पकड़ लिया। वहीं 3 बदमाश आगे भाग निकले। जो गुढ़ा पौंख में स्थित पहाड़ियों पर जा चढ़े। पता चलते ही पहाड़ियों को पुलिस ने घेर लिया और ग्रामीणों की मदद से गांव झुंझुनूं से माला खेत की पहाड़ियों से सतीश मेघवाल (40), जतिन कुमार (24) निवासी ढाढवा-थाना बाढड़ा, हरियाणा को पकड़ लिया। वहीं, एक अन्य बाल अपचारी भी इनके साथ था, जिसे भी निरुद्ध कर लिया।

विजेंद्र सिंह हत्याकांड में परेड कराई

गैंगस्टर्स को फटे कपड़े पहनाकर घुमाया ताकि उनका डर ख़त्म हो

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजधानी में लगातार हो रहे अनकंट्रोल क्राइम को कंट्रोल करने के लिए जयपुर पुलिस ने गैंगस्टर्स की सरेआम परेड करवाई। करधनी थाना पुलिस ने विजेंद्र सिंह हत्याकांड मामले में गिरफ्तार हुए बदमाशों को फटे कपड़ों में शुक्रवार को गली-गली घुमाया, ताकि आसपास के इलाके में डर फैलाने वाले इन बदमाशों की दहशत खत्म हो सके। करधनी इलाके में प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र सिंह हत्याकांड में गिरफ्तार पांचों बदमाशों को थाने से लेकर घटना स्थल तक परेड करवाई गई। हथियारबंद पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में हत्या में शामिल आरोपी सागर सिंह, नागर सिंह, जितेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह और अजय सिंह को घटना स्थल तक तस्दीक करने के लिए पहुंची। इस दौरान नजारा कुछ अलग ही था। पुलिस हथकड़ी लगाकर, हथियारबंद जवानों के साथ फटे कपड़ों में पांचों को गली-गली घुमाते हुए घटनास्थल तक लेकर पहुंची।

यूरिया की आपूर्ति में जुटा कृषि विभाग

93 हजार एमटी यूरिया की उपलब्धता का दावा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में अच्छी बारिश के बाद हुई रिकॉर्ड बुवाई के बीच कृषि विभाग यूरिया की आपूर्ति में जुट गया है। कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में 93 हजार मैट्रिक टन यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। गंगानगर में सबसे अधिक 11 हजार मैट्रिक टन यूरिया स्टॉक उपलब्ध है। कृषि आयुक्त कानाराम ने बताया कि अच्छी वर्षा से अग्रिम एवं अधिक बुवाई हुई है। शुक्रवार तक 99.04 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है, जो पिछले साल के इसी समय की तुलना में 9 लाख हैक्टेयर अधिक है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रबी सीजन के लिए केन्द्र सरकार की ओर से 14.50 लाख मैट्रिक टन यूरिया की मांग स्वीकृत की गई थी, जिसके तहत अक्टूबर व नवम्बर में 9 लाख मैट्रिक टन मांग के विरूद्ध 7.57 लाख मैट्रिक टन आपूर्ति की गई है। कृषि आयुक्त ने बताया कि अलवर, बूंदी, कोटा, सवाई माधोपुर, झालावाड़ व दौसा सहित सभी जिलों में खपत के अनुसार वितरण करवाया जा रहा है।

मंत्रीजी हमारी भी सुनो फरियाद: दिव्यांग बोले-

750 में तो सिलेंडर भी नहीं आता, कैसे चलाएं घर खर्च?

हिलव्यू समाचार
जयपुर। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगों ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली के सामने अपनी समस्याएं रखीं और कहा कि सरकार की तरफ से पेंशन को 750 से बढ़ाकर तीन हजार रुपए किया जाना चाहिए। आज महंगाई इतनी हो गई है कि 750 का तो गैस सिलेंडर भी नहीं आता फिर इतने में दिव्यांगजनों के घर का चूल्हा कैसे जलेगा। अधिकतर ग्रामीण दिव्यांगजन पेंशन पर ही आश्रित रहते हैं, ऐसे में सरकार द्वारा पेंशन को बढ़ाया जाना जरूरी है। दिव्यांगजनों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की व्यवस्था करवाने की भी अपील की। दरअसल शनिवार को एचसीएम रीपा में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में मंत्री टीकाराम दिव्यांगजनों को संबोधित कर रहे थे। जूली ने दिव्यांगजनों की समस्याओं को जल्द ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

5000 स्कूटियां वितरित

कार्यक्रम में मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि पिछले वर्ष 2000 स्कूटियां वितरित की गई थी और इस वर्ष मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घोषणा अनुसार 5000 स्कूटियां वितरित की जा रही हैं। उन्होंने विशेष योग्यजन स्कूटी सवार के पीछे बैठकर सवारी भी की।

दिव्यांगता शारीरिक नहीं, मानसिक

शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि दिव्यांगता शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक होती है। उन्होंने उपस्थित सभी विशेष योग्यजनों को राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रत्येक दूसरे विशेष योग्यजनों तक पहुंचाने का आग्रह किया और योजनाओं से लाभान्वित कराने का संकल्प दिलाया।

दृष्टिबाधित स्टूडेंट बोले... हमें लैपटॉप दो

दृष्टिबाधित स्टूडेंट्स ने मंत्री को कहा कि और दिव्यांगों के लिए स्कूटी जैसी कई सुविधाएं हैं, मगर हमारे लिए सरकार द्वारा सुविधाओं के नाम पर केवल स्टिक दी जाती है। हमें लैपटॉप की सुविधा दी जानी चाहिए। कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए सरकार या कॉलेज द्वारा लैपटॉप की सुविधा दी जाए। कई सॉफ्टवेयर हैं जिनको इंस्टाल करके हम हमारी आगे की पढ़ाई जारी रख सकते हैं। इस पर मंत्री बोले कि हम आप लोगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को लेकर सरकार से बात करेंगे।

25 रुपए प्रतिदिन मिलती है पेंशन

अलवर निवासी दिव्यांगजन देवेंद्र यादव ने बताया कि सरकार को महंगाई क्यों नहीं दिखाई देती। दिव्यांगजनों को एक दिन के 25 रुपए मिलते हैं जिसमें आज के समय दो वक्त चाय भी पीना मुश्किल है। रोजगार नहीं है, प्राइवेट कंपनी हमें रोजगार नहीं देती। लोगों के तानों के साथ प्रशासन की भी सुनते हैं। सरकार को दिव्यांगजनों की मांग को मानकर पेंशन को बढ़ाना चाहिए।

आश्वासन नहीं, मांगें पूरी हों

विकलांग समिति के अध्यक्ष करणीलाल शर्मा ने बताया कि हम प्रताड़ना झेलते हैं। विकलांग अधिकार अधिनियम 2016 को धरातल पर लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग में हमारे लिए अलग से धारा नहीं है, जब कोई विकलांग थाने केस कराने जाता है तो धारा नहीं आती है। हमें नकार दिया जाता है। हम सरकार से आश्वासन नहीं, मांगें पूरी करवाना चाहते हैं।

काम की बात

धारीवाल ने किया विकास कार्यों का शिलान्यास

जयपुर। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने शनिवार को कोटा के रामपुरा सैटेलाइट अस्पताल में 17.91 करोड़ के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस अस्पताल में सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोटा में चिकित्सा सुविधा के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार पर 193 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। स्वायत्त शासन मंत्री ने एमबीएस अस्पताल के भवन का फसाड़ बदलने एवं अन्दर के कार्यों का रिनोवेशन कराने की घोषणा की। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. विजय सरदाना ने स्वायत्त शासन मंत्री का स्वागत कर अस्पताल में हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर। राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदेशभर के न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं होने से कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर हैं। कर्मचारी संघ की जयपुर शाखा ने जिला एवं सेशन न्यायाधीश को पत्र लिख जल्द कार्रवाई की मांग की है। भांकरोटा थाना पुलिस की ओर से सुभाष मेहरा की मौत के संबंध में परिजनों की ओर से दी गई शिकायत पर एफआईआर हाईकोर्ट प्रशासन के निर्देश के बावजूद दर्ज नहीं की गई है।

राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव 24 दिसंबर को

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनावों का नया शेड्यूल शुक्रवार को मुख्य चुनाव अधिकारी सुनील अरोड़ा ने जारी कर दिया है। नए शेड्यूल के अनुसार आरसीए के चुनाव 24 दिसंबर को होंगे। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार 19 दिसंबर को नए सिरे से वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। जिसके बाद 20 दिसंबर को नामांकन, 21 दिसंबर को नाम पत्रों की जाँच, 23 दिसंबर को नामांकन वापसी, 24 दिसंबर सुबह 10 बजे से वोटिंग होगी। वोटिंग के तुरंत बाद मतगणना कर आरसीए की नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना

स्कूल में दूध पीने से 28 बच्चियों की तबीयत बिगड़ी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। हनुमानगढ़ के सेठ राधाकिशन बिहाणी राजकीय गर्ल्स मिडल स्कूल में मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का दूध पीने से 282 में से 28 छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। दरअसल, दूध पीने के बाद उनका जी मिचलाने लगा और उल्टी की शिकायत हुई थी, जिसके बाद स्कूल स्टाफ ने स्टूडेंट्स को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 27 स्टूडेंट्स को डिस्चार्ज कर दिया गया। योजना शुभारंभ के बाद शुक्रवार को पहली बार स्कूल में दूध पिलाया गया था। इनमें से 11 बालिकाओं ने पहली बार दूध पीया था।

तीन दिन पहले हुआ था योजना का शुभारम्भ

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को सीएमआर से वर्चुअल उद्घाटन किया था। योजना के तहत सरकारी स्कूलों, मदरसों और विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों के कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के लिए सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को पाउडर से तैयार दूध उपलब्ध कराया जाता है। इसमें कक्षा एक से पांचवीं तक के स्टूडेंट को 150 मिलीलीटर और कक्षा छह से आठवीं तक के स्टूडेंट को 200 मिलीलीटर दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।

11 बच्चियां कभी नहीं पीतीं दूध

पूरे घटनाक्रम पर पीएमओ डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि बच्चियों की हालत सामान्य है। 27 बच्चों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। दूसरी तरफ, डेयरी एमडी एसएस पाल का कहना है कि बीमार हुए बच्चों में 11 ऐसे थे जो कभी दूध नहीं पीते, 4 बच्चे घर से खाली पेट और 6 बच्चे घर से केवल चाय पीकर आए थे वहीं कुछ बच्चों को दूध पीना अच्छा नहीं लगता।

उदयपुर में टैक्सी ड्राइवर हत्याकांड का खुलासा

मर्डर के बाद शव ठिकाने लगाया और ले भागे टैक्सी

चालक को गोली मारने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
उदयपुर। उदयपुर के गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र में 11 दिन पहले हुई टैक्सी चालक की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने मर्डर का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी विकास शर्मा ने बताया कि थाना फलासिया निवासी आरोपी कुलदीप सिंह पुत्र इंद्र सिंह व मनीष मीणा पुत्र काना मीणा एवं थाना भीलोडा गुजरात निवासी विजय उर्फ जीजू उर्फ चंदन मीणा पुत्र राम जी व अनिल लट्ठा उर्फ अंका पुत्र रजनीकांत को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने टैक्सी लूटने के इरादे से फलासिया क्षेत्र के बिछीवाड़ा निवासी टैक्सी चालक हाफिज खान (35) की हत्या की। आरोपियों ने टैक्सी चालक की गर्दन में तीन गोलियां मारी और शव को बारापाल के जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने हत्या एवं लूट के आरोपी समेत लूटी गई कार खरीदने एवं मध्यस्था करने के आरोप में 4 जनों को गिरफ्तार किया है। एसपी शर्मा ने बताया कि हाफिज खान उदयपुर रूट पर इको कार टैक्सी में चलाता था। 18 नवंबर की सुबह घर से निकला, लेकिन शाम को घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने अगले दिन फलासिया थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 20 नवंबर को हाफिज खान की लाश बारापाल के जंगल में थाना गोवर्धन विलास पुलिस को मिली। इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले

मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कांवरिया एवं सीओ भूपेंद्र एवं जितेंद्र सिंह राठौड़ के सुपरविजन में टीम गठित की गई। टीम ने फलासिया से बारापाल की तरफ आने वाले सभी मार्गों पर करीब 80 किलोमीटर के रूट पर 300 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें 18 नवंबर की सुबह करीब 6 बजे हाफिज खान तीन अज्ञात युवकों के साथ जाता दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों से पूछताछ व तकनीकी आधार पर हत्या एवं लूट के आरोपी कुलदीप सिंह को फलासिया के जंगल से गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया गया।

सरकार नहीं चाहती जनता के मुद्दों को सदन में उठाया जाए

■ देवनानी ने मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

हिलव्यू समाचार
अजमेर। पूर्व शिक्षा मंत्री व वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक 15वीं राजस्थान विधानसभा के 7वें सत्र का सत्रावसान नहीं करना लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। यह विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का खुल्लमखुल्ला हनन है। अजमेर उत्तर विधायक देवनानी ने गुरूवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी को पत्र लिखकर सत्रावसान करने की मांग की।

पत्र के बारे में जानकारी देते हुए देवनानी ने बताया कि पिछला बजट सत्र मार्च माह में समाप्त हो गया था जिसका सत्रावसान आज तक भी नहीं होने से लोकतंत्र की धज्जियां उड़ी है।

इस बीच एक सत्र ही बुलाया गया जिसमें भी विधायक नए प्रश्न नहीं लगा सके साथ ही विधायकों को अन्तःप्रश्न से भी मरहूम रहना पड़ा। वहीं इस सत्र को भी समाप्त हुए सवा दो माहिने हो गए लेकिन अब तक सत्रावसान नहीं किया गया। अब नया बजट सत्र आने वाला है जिसमें भी इन हालातों में विधायकों के संवैधानिक अधिकारों का गला घोटा जाना तय है।

जिसमें भी विधायकों को संशय है कि वे नए प्रश्न नहीं पूछ सकेंगे और जनता की समस्याओं को नहीं उठा सकेंगे। देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार नहीं चाहती कि विधायक जनता से जुड़ी कोई समस्याओं को सदन में उठाए। प्रदेश में आए दिन काननू व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही हैं।

महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर है। कांग्रेस में आंतरिक कलह जगजाहिर है।

सीकर दौरे पर सीएस

सीएस के निर्देश के बाद छुट्टी के दिन फील्ड में उतरे अफसर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सरकार की योजनाओं और कार्यों के निरीक्षण के लिए मुख्य सचिव द्वारा अधिकारियों को फील्ड में दौरा कर रिपोर्ट बनने और समस्याओं के निराकरण के निर्देश के बाद शनिवार को करीब एक दर्जन प्रशासनिक अधिकारी फील्ड में नजर आए। स्वयं मुख्य सचिव उषा शर्मा शनिवार को सीकर दौरे पर रहीं। वहीं अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल झुंझुनू दौरे पर रहे। जयपुर जिला कलेक्टर सहित अन्य जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों ने फील्ड में दौरा किया। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सीकर में सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया साथ ही राज्य सरकार की फ्लैगशिप व जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। जिले में चल रहे विकास कार्यों, लक्ष्मणगढ़ में संचालित इन्दिरा रसोई व केंद्र समेत कई सरकारी संस्थानों की जानकारी प्राप्त की। सीएस ने ठिकरिया में कम टीकाकरण पर असंतोष व्यक्त करते हुए टीकाकरण बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सेवा सहकारी समिति पलसाना में खाद उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा किसानों को जागरूक किया। सीएस ने लक्ष्मणगढ़ में इकोलॉजिकल गार्डन का निरीक्षण कर कहा कि लक्ष्मणगढ़ शहर में पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षियों के लिए यह गार्डन अपने आप में एक अनूठा प्रयोग हैं। उन्होंने नेचुरल गार्डन की वीडियो फिल्म बनाने के लिए उपवन संरक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने इस अवसर पर नेचुरल गार्डन में कल्पवृक्ष का पौधा रोपण किया।

अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं पीएचईडी डॉ. सुबोध अग्रवाल सीकर-झुंझुनू के खेतड़ी क्षेत्र, श्रीसीमेंट के लीज क्षेत्र, आसपास के खनिज इलाकों और हिन्दुस्तान कॉपर प्लांट व अण्डर ग्राउण्ड खदान कोलियान का बारीकी से मुआयना किया। इस मौके पर एसीएस ने झुंझुनू और सीकर जिले में आयरन व कॉपर सहित खनिजों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने खनिज खोज कार्य में तेजी लाने, ऑक्शन के लिए नए ब्लॉक तैयार करने और खनन सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास

प्रदेश में माइक्रो मॉनिटरिंग तकनीक से हाई रिस्क क्षेत्रों में जीरो डेथ रिपोर्ट

हिलव्यू समाचार
जपुर। राजस्थान में वर्ष 2022 में नवंबर माह तक करीब 21 हजार सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई है। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा बीते तीन वर्ष में सबसे अधिक है। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा, परिवहन विभाग और पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहे हैं।

राजस्थान पुलिस ने दुर्घटनाओं और इनसे बढ़ते मौत के ग्राफ को कम करने के लिए माइक्रो मॉनिटरिंग तकनीक पर काम किया। इसके परिणामस्वरूप 6 थाना क्षेत्र में नवंबर माह में शून्य मृत्यु दर्ज की गई, वहीं सड़क सुरक्षा एवं परिवहन विभाग द्वारा पुलिस, डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ को एडवांस ट्रॉमा केयर ट्रेनिंग देकर दुर्घटनाओं में घायलों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात वीके सिंह ने बताया कि जुलाई महीने के अंत में किए गए विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि कुछ थाना क्षेत्र में दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है। ऐसे 20 से ज्यादा दुर्घटना दर्ज होने वाले 40 थानों को पुलिस मुख्यालय द्वारा चिह्नित कर माइक्रो मॉनिटरिंग प्रारंभ की। दुर्घटनाओं को घटाने के लिए इंफोर्समेंट से लेकर रोड इंजीनियरिंग इंप्रूवमेंट आदि आवश्यक कदम उठाए गए। इसका परिणाम यह निकला कि 40 में से 6 थाना क्षेत्र में नवंबर माह में ही जीरो डेथ रिपोर्ट दर्ज की गई।

नवम्बर में छह थाना क्षेत्रों में हादसे से एक भी मौत नहीं

एडीजी ने बताया कि जयपुर ग्रामीण का मोजमाबाद, बीकानेर का श्रीडूंगरगढ़, पाली का जैतारण, जोधपुर पश्चिम का बोरानाडा, उदयपुर का ऋषभदेव और बांसवाड़ा के खमेरा थाना क्षेत्र में नवंबर महीने में सड़क दुर्घटना में एक भी मृत्यु दर्ज नहीं हुई। इससे पहले जनवरी से लेकर अक्टूबर महीने तक मोजमाबाद थाना क्षेत्र में 50 व्यक्ति, श्री डूंगरगढ़ में 42, जैतारण में 35, बोरानाडा में 29, ऋषभदेव में 30 और खमेरा में 21 सहित कुल 207 व्यक्तियों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई थी। उधर, एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में बनी स्किल लैब की तर्ज पर जोधपुर,अजमेर और बीकानेर तीन संभागों में स्किल लैब शुरू की जाएगी। इसके बाद अन्य संभागों में स्किल लैब का निर्माण किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाइफ सपोर्टिंग ट्रेनिंग दी जा सके और घायलों को बचाया जा सके।

SMS के ट्रॉमा में वर्ल्ड क्लास स्किल लैब सेंटर

राजस्थान परिवहन एवं रोड सेफ्टी विभाग द्वारा एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में पांच करोड़ की लागत से स्किल लैब का निर्माण किया है। यह उत्तर भारत की पहली वर्ल्ड क्लास का स्किल लैब सेंटर है। परिवहन विभाग की ओर से दो तरीके के ट्रेनिंग सेंटर कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यक्रम जो कि एक दिन आमजन और निर्धारित विभाग के स्टाफ जिसमें अधिकारी-कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाती है। दूसरी ट्रेनिंग तीन दिन की डॉक्टर्स और नर्सेज एडवांस ट्रॉमा केयर ट्रेनिंग दी जा रही है। इसमें रोड एक्सीडेंट के दौरान घायल की किस तरीके से सहायता की जा सकती है, इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग के लिए विभाग द्वारा एक ऐप का निर्माण किया जा रहा है। इसमें जो आमजन ट्रेनिंग करना चाहता है उसे राज्य सरकार द्वारा संचालित रोड सेफ्टी फंड से निःशुल्क ट्रेनिंग दी जा रही है।

सैटेलाइट इंटरनेट

दुनिया के कई देशों में स्टारलिंक, सैटेलाइट इंटरनेट की सुविधा दे रही है. एशिया की बात करें तो जापान ऐसा पहला देश है जहां कंपनी ने सैटेलाइट इंटरनेट की सर्विस शुरू की थी और यहां इसका इस्तेमाल हो रहा है.

गांव-कस्बों में भी मिलेगी नेटवर्क सुविधा

आसान भाषा में समझें तो सैटेलाइट इंटरनेट बिल्कुल वैसे ही काम करेगा, जैसे आपकी टीवी का केबल नेटवर्क काम करता है, जो सीधे सैटेलाइट के जरिए आप तक पहुंचता है, यानी यह दूर-दराज से केबल के जरिए नहीं आता. सैटेलाइट के जरिए मिलने वाले इंटरनेट को दूर-दराज गांव और कस्बों तक पहुंचाया जा सकेगा.

आएगी डिजिटल क्रांति

इसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को होगा, जिनको इंटरनेट नहीं होने के कारण छोटे-छोटे ऑनलाइन कार्यों या ट्रांजेक्शन के लिए शहर का रुख करना पड़ता है. गांवों में डिजिटल क्रांति आएगी. इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ने पर उनकी लाइफ और आसान बनेगी. इमरजेंसी की स्थिति में यह काम का साबित होगा. जब फायबर नेटवर्क में किसी तरह के डैमेज होने वाली स्थिति बनेगी तो यह नेटवर्क काम आएगा.

सैटेलाइट इंटरनेट सीधे अंतरिक्ष में लगे सैटेलाइट के जरिए यूजर्स तक पहुंचाया जाएगा, इसलिए इस इंटरनेट का इस्तेमाल दूर-दराज के उन हिस्सों तक होगा जहां पर मोबाइल टावर नहीं है. देश में 5जी सर्विस शुरू होने के बाद बड़े स्तर पर सैटेलाइट इंटरनेट लाने की तैयारी चल रही है. इसके लिए दिग्गज टेलिकॉम कंपनियों के अलावा एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक भी तैयारी में जुटी है.

फाइबर नेटवर्क बिछाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

सीधे सैटेलाइट से मिलने के कारण इसे सैटेलाइट इंटरनेट नाम दिया गया है. इसका इस्तेमाल भी वैसे ही किया जाएगा, जैसे यूजर्स टीवी के लिए सैटेलाइट नेटवर्क पाने के लिए करते हैं. सैटेलाइट इंटरनेट की सर्विस उपलब्ध कराने के लिए टेलिकॉम कंपनी एंटीना देगी, जो सैटेलाइट से मिलने वाले सिग्नल को यूजर तक इंटरनेट के रूप में पहुंचाएगा. ये सिग्नल एंटीने तक पहुंचने के बाद मॉडम और वायरलेस राउटर तक पहुंचेगा और यहां से यूजर्स की डिवाइस से कनेक्ट हो जाएगा. इस तरह दूर-दराज के क्षेत्रों में इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए फाइबर नेटवर्क बिछाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुंचाना आसान हो पाएगा.

विकास के नाम पर खड़े कंक्रीट के जंगलों में हरियाली खोती जा रही है. रेजोनेंस कंसल्टेंसी ने विश्व के 21 ऐसे पर्यावरण अनुकूल शहरों की सूची बनाई है, जहां न केवल विकास और हरियाली का संतुलन नजर आता है, बल्कि हवा की गुणवत्ता को बेहतर करने के साथ ही पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, स्वच्छता तथा अपशिष्ट प्रबंधन में बेहतर कार्य किया है.

प्लानिंग से महक रहा पर्यावरण

इन शहरों से सीखें विकास और हरियाली के बीच संतुलन

सिंगापुर

एशिया के सबसे हरे-भरे देशों में सिंगापुर का जिक्र आता है. 2008 से ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेट लेना जरूरी है, इसलिए सिंगापुर में रूफटॉप गार्डन आम बात है. यहां न्यूयॉर्क की हाईलाइन की तरह पुराने रेलमार्ग को 15 मील के ग्रीनवे में बदल दिया गया है. शहर के कई पार्कों को खास बुजुर्गों के लिए चिकित्सीय उद्यान के रूप में बदला गया है.

रेकजाविक, आइसलैंड

धरती पर आइसलैंड जैसी जगह ढूंढने में आपको मशक्कत करनी पड़ सकती है. देश का 11 फीसदी हिस्सा ग्लेशियर से बना है. रेकजाविक में देश की 60 फीसदी आबादी रहती है. देश की 90 फीसदी से ज्यादा आबादी की ऊर्जा जरूरत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी होती है. ईवी के लिए मुफ्त चार्जिंग सुविधा है.

सैन फ्रांसिस्को

सैन फ्रांसिस्को ने कई वर्षों से 'लोकल फूड खाओ' अभियान चलाया है. 2016 में शहर में 10 मंजिल या उससे अधिक की इमारतों में सौर पैनल जरूरी कर दिया गया. शहर में सिंगल यूज और पानी की प्लास्टिक बोतल की बिक्री पर बैन है.

पेरिस, फ्रांस

लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल पेरिस, पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं में भी अग्रणी है. 900 मील की बाइक लेन पूरे शहर में बिछी है. सीन नदी को यातायात के लिए बंद र खा गया है. 2024 तक डीजल कारें और 2030 तक गैस से चलने वाली कारें शहर में नहीं आ सकेंगी.

स्टॉकहोम, स्वीडन

यूरोप के सबसे हरे-भरे शहरों में शामिल स्टॉकहोम की दो-तिहाई से अधिक आबादी काम के लिए या तो पैदल जाती है या साइकिल चलाती है. आधे से अधिक शहरवासियों को अक्षय ऊर्जा से बिजली मिलती है. शहर की इमारतों में ऊर्जा दक्षता मानक हैं.

बर्लिन, जर्मनी

ईवी को बढ़ावा देने के लिए शहरभर में 400 से अधिक चार्जिंग स्टेशन हैं. शहर में लगभग हर जगह साइकिल के लिए लेन बनी हुई है, ताकि लोग वाहनों का प्रयोग कम करें. सौर ऊर्जा और रिसाइकल प्रणाली अच्छी है. पानी की सबसे कम बर्बादी होती है.

वाशिंगटन डीसी

यहां खाद्य संस्कृति भी पर्यावरण अनुकूल है. यहां कई किसान बाजार हैं, जहां स्थानीय फल-सब्जियों को प्रमुखता से खरीदा जाता है. इसके अलावा रॉक क्रीक जैसे बड़े पार्क यहां का जीवन सुखद बनाते हैं.

एम्सटर्डम, नीदरलैंड

यहां पर्यावरण अनुकूल संस्कृति को अपनाया गया है. बढ़ता शाकाहार, प्लास्टिक का सीमित प्रयोग, कॉर्बन उत्सर्जन में कमी और हरियाली से हवा में स्वच्छता तथा पर्यावरण में ताजगी महसूस होती है. साइकिल, एम्सटर्डम में परिवहन का मुख्य साधन है. 2030 तक 55 फीसदी कॉर्बन उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य है.

वियना, ऑस्ट्रिया

संगीत का शहर, मोजार्ट, बीथोवेन और सिगमंड फ्रायड का घर वियना न केवल अपनी समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, बल्कि हरियाली भी यहां की पहचान है. यहां का नगर नियोजन बेहतरीन है और बसावट के साथ ही पार्कों को उचित स्थान दिया गया है. यहां सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का प्रयोग अधिक होता है. माउंट कैलनबर्ग में शानदार अंगूर के बागान हैं.

कुरिटिबा, ब्राजील

वर्ष 1970 से कुरिटिबा की सरकार हरित नीतियों को आगे बढ़ा रही है. यहां के लोगों ने ही राजमार्गों के किनारे 15 लाख पेड़ लगाए हैं. 20 लाख की आबादी वाला कुरिटिबा, दक्षिण अमेरिका के सबसे हरे शहरों में गिना जाता है.

दुनियाभर की अज़ीबोग़रीब नौकरियाँ

हम लोग जिस चीज के लिए शायद सबसे ज्यादा रोते हैं, वो है नौकरी. अगर अभी भारत में बेरोजगारों की संख्या बता दी जाए तो हो सकता आप और हम गंभीर चिंता में आ जाएं. जिन्हें नौकरी नहीं मिली, उन्हें डर लगा रहता है कि कल क्या होगा? जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें डर है कि कहीं कल हमारी न चली जाए. साइंस से लेकर कॉमर्स, आर्ट्स से लेकर स्पोर्ट्स तमाम क्षेत्रों में ढेरों नौकरियों के अवसर निकलते हैं. लेकिन क्या आपने सुना है कि कोई सो रहा है और उसे पैसे मिल रहे हैं? क्या आपने सुना है कि किसी को रोने के एवज में पैसे मिल रहे हैं? कोई स्मेल सूंघकर पैसे कमा रहा है. अब बताइए, आखिर कहां नौकरियों की कमी है! ये नौकरियां आपको अजीब लग सकती हैं लेकिन इसमें अच्छी-खासी सैलरी है. आइए जानते हैं, दुनिया भर की अजीबोगरीब जॉब्स के बारे में.

पैसेंजर पुशर

जो लोग बाहरी देशों में घूमते हैं, वे जानते होंगे कि लंदन का अंडरग्राउंड सबसे ज्यादा क्राउडेड रहता है. लेकिन सिर्फ यही एक भीड़भाड़ वाली जगह नहीं है. क्या आपने कभी जापान की ट्रेनों के सीन देखे हैं? जापान की मेट्रो में रोजाना इतने असंख्य लोग यात्रा करते हैं कि मेट्रो के दरवाजे आसानी से बंद नहीं होते. बस इसी एक काम के लिए उन्होंने पैसेंजर पुशर रखे हैं. न्यूयॉर्क, टोक्यो और बीजिंग में पैसेंजर पुशर को नौकरी पर रखा जाता है. उन्हें वहां 'ओशिया' कहते हैं और यह ट्रेन में अधिक से अधिक लोगों को धकेलकर दरवाजों को बंद करवाने में मदद करते हैं.

पांडा कीपर

आप इन्हें पांडा कीपर भी कह सकते हैं और पांडा नैनी भी. जू में छोटे-बड़े और क्यूट से दिखने वाले पांडा को खिलाने-पिलाने से लेकर सुलाने के लिए पैसे मिलते हैं. आपको एक बच्चे की तरह पांडा का ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही पांडा को पूरे दिन गले लगाकर रखने के लिए भी चीन में पैसे दिए जाते हैं. इस नौकरी को पाने के लिए आपकी एजुकेशन के साथ वाइल्ड लाइफ और खासतौर से पांडा के बारे में जानकारी व अच्छी फोटोग्राफी स्किल होनी चाहिए.

प्रोफेशनल मोर्निंग (रुदाली)

क्या आपने बॉलीवुड हिंदी फिल्म 'रुदाली' देखी है? इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया ने जो किरदार निभाया है, वो दूसरों के मातम में जाकर रोता है. आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह दक्षिण पूर्व एशिया में एक परंपरा भी है. वहां ऐसा माना जाता है कि मृतक जीवन के आगे की यात्रा को ठीक से कर सके, इसलिए अंतिम संस्कार में प्रोफेशनल रोने वाले बुलाए जाते हैं. प्रोफेशनल मोर्निंग करके लोग पैसा भी कमा रहे हैं.

क्यू स्टैंडर

एक लाइन स्टैंडर, क्यू स्टैंडर, लाइन सिटर या प्रोफेशनल क्यूअर वह व्यक्ति होता है जो अक्सर भुगतान के लिए कतार में दूसरे के स्थान पर पोजीशन लेता है. आपने सुना होगा कि कुछ लोग टीवी शोज में पेड ऑडियंस रखते हैं. यह बस उसी तरह की नौकरी है. स्टैंडर अपने क्लाइंट के लिए एक भौतिक वस्तु, जैसे गेम कंसोल, खरीदने के लिए कतार लगा सकता है या सेवा के लिए कतार में होने पर उस व्यक्ति के लिए जगह रख सकता है. लंदन में एक प्रोफेशनल क्यूअर है जो दिन में 16,000 रुपये तक कमाता है, वो भी सिर्फ लाइन में दूसरों की जगह खड़े रहकर.

हाल ही में हवाई का मौना लोआ ज्वालामुखी 40 बाद फिर से फूटा है. यह दुनिया के सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है. इस परस्फोट के बारे में अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी जारी कर आपातकालीन दल वहां भेजा है. अमेरिका के यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी लावा बहुत फैला नहीं है, क्योंकि अभी यह केवल पहाड़ी के शीर्ष तक ही सीमित है, लेकिन जल्दी ही यह आसपास के लोगों को प्रभावित कर सकता है.

मौना लोआ वर्ल्ड का सबसे बड़ा ज्वालामुखी

अभी शीर्ष क्षेत्र तक ही सीमित

यह प्रस्फुटन पहाड़ के शीर्ष क्षेत्र तक ही सीमित था, जिसे कैल्डेरा कहते हैं. यूएसजीएस का कहना है कि लावा और ज्यादा निकलता है तो वह आसपास बहुत तेजी से फैलेगा. लेकिन अभी तक तो लावा शीर्ष तक ही सीमित है. फिलहाल आसपास के लोगों को तैयार रहने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्होंने जल्द से जल्द अपनी जगह से दूर ले जाया जा सके. मौना लोआ प्रशांत महासागर के हवाई द्वीपों के उस इलाके में आता है जहां ज्वालामुखियों की सक्रियता की ज्यादा संभावना होती है. हवाई द्वीपों में 6 सक्रिय ज्वालामुखी हैं और इनमें से मौना लोआ पृथ्वी पर सबसे बड़ा ज्वालामुखी है. 1843 के बाद से यह 33 बार फूट चुका है. 1984 में पिछला प्रस्फोट हुआ था जो 22 दिन तक लगातार लावा उगलता रहा जो 60 किलोमीटर के इलाके में फैल गया था.

यह भी है वजह

मौना लोआ हवाई भाषा का शब्द है जिसका मतलब लंबा पहाड़ होता है. इसकी कुछ रोचक विशेषताएं और बड़ा आकार है, इसी वजह से यह दुनिया का सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है. इसकी वजह इसका आयतन और क्षेत्रफल है जो दूसरे मौना केआ जैसे ज्वालामुखियों से भी बड़ा है. साथ ही इसके हो चुके विस्फोट के कारण भी इसे सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है.

स्थानीय मानते हैं पवित्र स्थल

स्थानीय लोग इस ज्वालामुखी को एक पवित्र स्थल की तरह मानते हैं. इस ज्वालामुखी का प्रभाव क्षेत्र 5,721 वर्ग किलोमीटर और चौड़ाई 120 किलोमीटर है. यह न केवल क्षेत्र में बड़ा है, बल्कि ऊंचाई में काफी प्रमुखता से गिना जाता है. समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 4,179 मीटर है. इससे निकले लावे से ढकी जमीन भी आयतन में बहुत बड़ी मानी जाती है.

अनुसंधान के लिए रोचक

यह लगातार बहाव वाला ज्वालामुखी है जो पृथ्वी पर सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है. गठन के बाद से इसमें सबसे ज्यादा विस्फोट हुए हैं, लेकिन इसके विस्फोट बहुत शक्तिशाली नहीं रहे. इस तरह तमाम अनोखी विशेषताओं के कारण यह अनुसंधान का प्रिय विषय बना रहा है. गुंबद के आकार के इस ज्वालामुखी के काल्डेरा (शीर्ष क्षेत्र) की गहराई 183 मीटर है.

4 उपसमूह क्रेटर

इस ज्वालामुखी की एक और खास बात है कि उसके 4 उपसमूह क्रेटर हैं. इन्हें लुआ होहोउन, लुआ होउ, ला फोहोलो और साउथ पिट कहते हैं. ये ज्वालामुखी हवाई द्वीप समूह पर दूसरा सबसे युवा है. ये टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के कारण 3 लाख साल पहले ऑलिगोसिन युग में बने थे. मौना लोआ ज्वालामुखी पहले 1.6 करोड़ साल के आसपास समुद्र में शुरू हुआ था. लगातार विस्फोट और उससे लावा निकलने के कारण यह एक द्वीप में बदल गया. माना जाता है कि इसने 40 हजार साल पहले सतह पर आकर द्वीप के रूप में आकार लिया और उसके बाद से पिछले 10 हजार वर्षों क दौरान इसकी वृद्धि दर धीमी हो गई.

स्मार्ट मूनवॉकर्स सबसे तेज जूते

पिट्सबर्ग के स्टार्टअप शिफ्ट रोबोटिक्स ने ऐसे जूते पेश किए हैं, जो आपको 250 फीसदी तेज रफ्तार से चलने में सक्षम बनाते हैं. पहिएदार स्मार्ट मूनवॉकर्स के आविष्कारकों का कहना है कि इससे आपको 250 फीसदी का स्पीड बूस्ट मिलेगा. कंपनी का कहना है कि ये 'दुनिया के सबसे तेज जूते' हैं. इन जूतों को आप नियमित जूते या फैंसी सैंडल पर स्ट्रैप कर सकते हैं. जूता सामान्य चलने की गति को सक्षम करने का काम करता है, जबकि 8 पहिये आपको तेजी से आगे बढ़ाते हैं और आपकी रफ्तार को तेज करते हैं. 2 किलोग्राम वजनी ये जूते आपको लगभग 10.5 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत चाल में सक्षम बनाते हैं. जूते सॉफ्टवेयर से लैस हैं, जो इन्हें आपके मूवमेंट के अनुकूल रखता है. जरूरत पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक पहियों को बंद कर देता है.

सोशल मीडिया में सराहे गए अपनेपन के किस्से

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का दंश झेलने के बाद दुनिया में प्यार, सहिष्णुता, अपनापन व दयालुता की जरूरत और बढ़ गई है. जानते हैं सहानुभूति और दयालुता के कुछ ऐसे ही किस्सों के बारे में, जो वर्ष 2022 में सोशल मीडिया पर वायरल हुए-

हवाई सफर में मददगार

उत्तर प्रदेश का एक दंपति हवाईअड्डे की औपचारिकताओं से अनजान था. ऐसे में अमिताभ शाह नाम के शख्स ने उनकी मदद की. शाह ने लिंक्डइन पर बताया, 'यह दंपति 8 घंटे बस के सफर के बाद हवाई अड्डे पर फ्लाइट में बैठने की तैयारी कर रहा था, वे परेशान थे. मैं मुस्कान के साथ उनके पास गया और उनसे मेरे पीछे चलने को कहा. बुजुर्ग महिला चाहती थी कि मैं उनकी तस्वीर खींचूं और उनकी बेटी को भेजूं. मैंने तस्वीर भेज दी. जब एयर होस्टेस खाना परोसने आई तो उन्होंने मना कर दिया. दोनों भूखे-प्यासे लग रहे थे. मैंने एयर होस्टेस से कहा कि उन्हें सैंडविच और ज्यूस दें और उन्हें बताएं कि वे भाग्यशाली ग्राहक हैं, जिन्हें मुफ्त भोजन मिल रहा है. मैंने इसके लिए छिपकर भुगतान किया. मुझे आंतरिक खुशी मिली.

सार्वभौमिक भाषा है दयालुता

इस साल अप्रैल में छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस अवनिश शरण ने ट्विटर पर एक तस्वीर साझा की. तस्वीर में स्कूल में पढ़ने वाला एक छोटा बालक अपनी पानी की बोतल से एक अभावग्रस्त बुजुर्ग दम्पति की बोतल में पानी भर रहा है. 'घृणा सिखाई जाती है, दया स्वाभाविक है' कैप्शन वाली यह भावुक तस्वीर इंटरनेट पर दयालुता की मिसाल के रूप में वायरल हुई. ट्विटर यूजर्स ने कहा कि दयालुता एक सार्वभौमिक भाषा है, जिसे बच्चों को बहुत छोटी उम्र से ही सिखाया जाना चाहिए. एक अन्य यूजर ने इसे 'मानवता का आदर्श उदाहरण' बताया.

छोटी-छोटी चीजों से खुशी

इस साल फरवरी में प्रबलीन कौर नाम की एक इंस्टाग्राम यूजर ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'कल रात मुझे इडली खाने का बहुत मन हुआ और हम इडली वाले अंकल की तलाश में यहां आए. जब हम यहां पहुंचे तो मैंने उनका नंबर मांगा. पता चला कि उनके पास फोन नहीं है. हम सभी ने सोचा कि हमें उन्हें एक फोन गिफ्ट करना चाहिए. हम घूमते रहे, एक दुकान मिली और हमने यह फोन खरीदा. इसे पाकर अंकल बहुत खुश और अचंभित हुए. इस तरह की छोटी-छोटी चीजों को करने से बहुत खुशी मिलती है. हम बहुत खुश थे, क्योंकि अंकल खुश थे.'

टूटने नहीं दी उम्मीद

नोएडा के एक फास्ट फूड चेन आउटलेट के कर्मचारी की दयालुता का किस्सा भी पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इस वीडियो में दिखाया गया कि एक बच्ची बर्गर खाना चाहती थी. काउंटर पर बर्गर की कीमत 90 रुपए बताई गई, लेकिन बच्ची के पास सिर्फ 10 रुपए ही थे. वह मायूस हो गई, लेकिन अगले ही पल उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई. एक कर्मचारी ने उससे 10 रुपए का नोट लेकर अपनी ओर से 80 रुपए मिलाए और उसे बर्गर खरीदकर दिया. मानवता और दयालुता के इस काम को धीरज कुमार नाम के एक कर्मचारी ने अंजाम दिया था. फास्ट फूड कंपनी ने उनकी पहचान कर उन्हें सम्मानित किया.

जोसेर की कब्र तक ले जाती हैं ये 4800 वर्ष पुरानी सीढ़ियां

प्राचीन मिस्र के तीसरे राजवंश के दूसरे राजा जोसेर की कब्र तक ले जाने वाली सीढ़ियां गीजा गवर्नरेट के सक्कारा गांव में हैं. इनके ऐतिहासिक और पुरा महत्त्व का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि ये सीढ़ियां करीब 4800 वर्ष पुरानी हैं. जोसेर का पिरामिड मिस्र की पत्थर से निर्मित आरंभिक संरचना है.

रेगिस्तान में बने बड़े गोले

नामीबिया के तट से 140 किलोमीटर दूर नामीब रेगिस्तान में 2 से 10 मीटर तक बड़े ये गोले (फेयरी सर्कल) हमेशा कौतुहल का केंद्र रहे हैं. इन सर्कल के बीच करीब 10 मीटर तक दूरी है. अब तक माना जाता था कि दीमक लगने से ऐसा होता है. अब जर्मनी की गोएटिंगेन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि बारिश होने के बाद सर्कल के अंदर भी घास दिखाई देती है, लेकिन बारिश के बाद धीरे-धीरे अंदर की तरफ लगी घास गायब होती जाती है. वैज्ञानिक भाषा में इसे 'ईको-हाइड्रोलॉजिकल फीडबैक' कहते हैं.

एक नज़र

अभिषेक बनर्जी की रैली स्थल के पास विस्फोट, तीन लोग मारे गए

कोंटाई (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी की रैली के स्थान के पास हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी की रैली के स्थल कोंटाई शहर से 1.5 किलोमीटर दूर भूपतिनगर इलाके में अर्जुननगर के ब्लॉक दो में हुई। भूपतिनगर पुलिस थाने के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शुक्रवार रात करीब सवा 11 बजे बजे एक घर में धमाका हुआ। अभी यह पता नहीं लग पाया है कि विस्फोट किस वजह से हुआ और मामले की जांच जारी है। धमाका इतना जोरदार था कि इस घटना में फूस की छत वाला मिट्टी का घर ध्वस्त हो गया। मृतकों की पहचान राजकुमार मन्ना, देबकुमार मन्ना और बिस्वजीत गायेन के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि राजकुमार तृणमूल का कार्यकर्ता था। फॉरेंसिक दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर नमूने एकत्र किए।

घटना के लिए टीएमसी जिम्मेदार: BJP

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने इस घटना के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल बम बनाने का उद्योग फल-फूल रहा है। माकपा के वरिष्ठ नेता सुजान चक्रवर्ती ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ऐसी घटनाओं पर चुप क्यों हैं और उन्हें इस घटना पर बयान देना चाहिए। टीएमसी के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि विपक्ष के लिए बिना किसी सबूत के पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी को दोष देना बहुत आसान है।

कांग्रेस संचालन समिति की बैठक: खरगे का जवाबदेही पर जोर

कांग्रेस का अधिवेशन फरवरी में, 26 जनवरी से नई यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस का तीन दिवसीय अधिवेशन अगले साल फरवरी महीने के दूसरे पखवाड़े में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होगा, जिसमें अध्यक्ष के तौर पर मल्लिकार्जुन खरगे के निर्वाचन पर मुहर लगेगी और फिर नई कार्यसमिति के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी अध्यक्ष खरगे की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस संचालन समिति की बैठक में अधिवेशन को लेकर यह निर्णय लिया गया। यह पार्टी का 85वां अधिवेशन होगा। खरगे के अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार संचालन समिति की बैठक हुई। पिछले महीने पार्टी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के शीर्ष निकाय कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के स्थान पर इस संचालन समिति का गठन किया था। खरगे ने बैठक की शुरुआत में संगठन में ऊपर से लेकर नीचे तक जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जो लोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें नए लोगों को मौका देना चाहिए।

संपर्क के लिए चलेगा अभियान

संचालन समिति की बैठक के बाद पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं को बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के समापन के बाद आगामी 26 जनवरी से देश भर में 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान शुरू किया जाएगा, जिसके तहत ब्लॉक, पंचायत और बूथ के स्तर पर लोगों से संपर्क साधा जाएगा। दो महीने तक चलने वाले इस अभियान में राहुल गांधी का पत्र भी लोगों को सौंपा जाएगा, जिसमें यात्रा का संदेश होगा तथा उसके साथ नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ आरोप पत्र भी संलग्न होगा।

खरगे ने ये दिए मंत्र

- जो लोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हैं, उन्हें नए लोगों को मौका देना चाहिए।
- जन आंदोलनों के लिए 30 से 90 दिन में तैयार करें रूपरेखा

प्रियंका करेंगी महिला मार्च की अगुवाई

पार्टी की ओर से महिला मार्च भी निकाला जाएगा, जिसकी अगुवाई प्रियंका गांधी करेंगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि 'भारत जोड़ो' यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेगी तथा 26 जनवरी तक श्रीनगर में इसका समापन होगा। 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के तहत तीन स्तरीय कार्यक्रम होगा। ब्लॉक और बूथ के स्तर पर यात्राएं होंगी, जिला स्तर पर अधिवेशन होंगे तथा राज्य के स्तर पर रैलियां होंगी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता इस अभियान से संबंधित कार्यक्रमों शामिल होंगे।

ये मौजूद थे बैठक में

बैठक में खरगे के अलावा पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता शामिल थे। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के कारण भाग नहीं ले सके।

पंजाब: ड्रोन और तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के तरन तारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट एक ड्रोन से तीन किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के संयुक्त अभियान में यह बरामदगी की गयी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक ट्वीट में कहा, सीमा पार तस्करी नेटवर्क के विरूद्ध विशेष अभियान चलाते हुए तरण तारण पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त अभियान में तरण तारण के पी एस वोलतोहा इलाके में तलाशी अभियान के दौरान एक ड्रोन बरामद किया जिसमें तीन किलोग्राम हेरोइन थी। एक दिन पहले ही सीमा सुरक्षा बल ने फाजिल्का जिले लगभग 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी जिसे पाकिस्तान ड्रोन द्वारा गिराया गया था।

मूसेवाला हत्या मामला

साजिशकर्ता गोल्डी बराड़ को अमेरिका में किया गया डिटेन

एजेंसी
चंडीगढ़। गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया है। हालांकि पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि अब तक बराड़ को हिरासत में लिए जाने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सिद्धू मूसेवाला के नाम से लोकप्रिय गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की पंजाब के मानसा जिले में 29 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य बराड़ ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। बराड़ के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। रेड कॉर्नर नोटिस विदेश में भगोड़े बदमाशों की गिरफ्तारी या हिरासत के लिये जारी किया जाता है। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ 2017 में स्टूडेंट वीजा पर कनाडा गया था। वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य है। बराड़ पिछले महीने डेरा सच्चा सौदा के एक अनुयायी की हत्या में भी एक प्रमुख साजिशकर्ता था।

मूसेवाला के पिता ने किया स्वागत

सिद्धू मूसेवाला के पिता ने गोल्डी बराड़ को हिरासत में लिए जाने की खबर का स्वागत किया। सिंह ने गुरुवार को केंद्र सरकार से बराड़ की गिरफ्तारी की खातिर किसी भी सूचना के लिए 2 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा करने का आह्वान किया था।

नौसेना प्रमुख की घोषणा: 2047 तक आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य

नौसेना की सभी शाखाओं के महिलाओं के लिए खुलेंगे द्वार

एजेंसी | नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने शनिवार को कहा कि भारतीय नौसेना अगले साल से अपनी सभी शाखाओं को महिलाओं के लिए खोलने पर विचार कर रही है। करीब 3,000 अग्निवीरों के पहले बैच की भर्ती कर ली गई है जिसमें 341 महिलाएं भी हैं। इसके साथ ही उन्होंने 2047 तक नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने की समय सीमा निर्धारित करते हुए शनिवार को कहा कि इस बारे में विचार किया जा रहा है कि स्वदेशी विमान वाहक पोत (आईएसी)2 की दिशा में आगे बढ़ा जाए, या आईएसी-1 का आर्डर दोहराने को प्राथमिकता दी जाए। एडमिरल आर. हरि कुमार ने नौसेना दिवस से एक दिन पूर्व शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नौसेना अनगिनत सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर क्षमता वृद्धि करने की राह पर है।

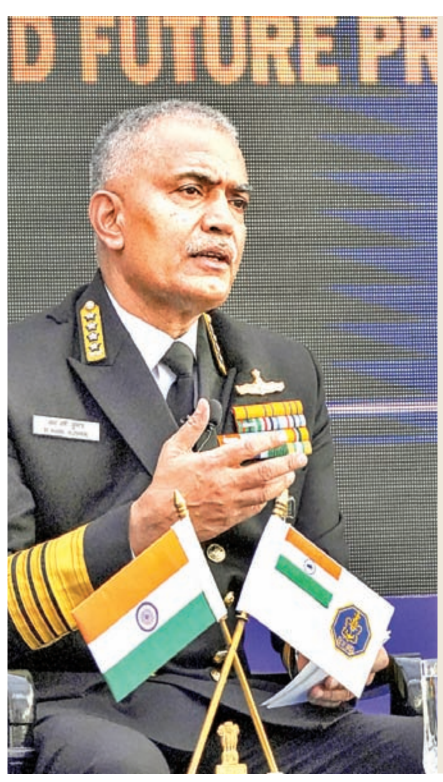

आईएसी-2 फिलहाल ठंडे बस्ते में

नौसेना प्रमुख से आईएसी-2 के बारे में कहा, हम अब भी इस बारे में विचार कर रहे हैं कि इसका आकार क्या होना चाहिए और उसकी क्षमता क्या होनी चाहिए? फिलहाल हमने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है क्योंकि हमने अभी-अभी आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किया है। परीक्षण के दौरान इस पोत ने जो प्रदर्शन किए उससे हम बहुत खुश हैं।

नौसेना तीन विमान वाहक पोत के पक्ष में

ज्ञात रहे कि नौसेना समुद्र में चीन की बढ़ती ताकत तथा हिंद महासागर में उसके बढ़ते दबदबे से निपटने के लिए तीन विमान वाहक पोत हासिल करने की हिमायत कर रही है। फिलहाल भारत के पास दो विमानवाहक आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत हैं। आईएनएस विक्रमादित्य रूसी मूल का है। हल्के लड़ाकू विमान (नौसेना संस्करण) परियोजना से बंदरगाह आधारित लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित अगली पीढ़ी के विकास में बहुत मदद मिलेगी। मानों का उत्पादन 2032 तक शुरू होगा।

वायु गुणवत्ता आयोग का आदेश

एनसीआर में गैर जरूरी निर्माण कार्यों पर लगाई रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बीच केंद्र के वायु गुणवत्ता आयोग ने रविवार को दिल्ली-एनसीआर में अधिकारियों को चरणबद्ध कार्रवाई कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण के तहत गैर-जरूरी निर्माण कार्य पर रोक लगाने का निर्देश दिया। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार को शाम चार बजे 407 रहा। एक्यूआई को 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 और 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर चार नवंबर के बाद 'गंभीर' श्रेणी में पहुंचा है, जब एक्यूआई 447 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 14 नवंबर को अधिकारियों को जीआरएपी के तीसरे चरण के तहत दिल्ली-एनसीआर में लागू प्रतिबंधों को हटाने का निर्देश दिया था, जिसमें गैर-जरूरी निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध भी शामिल था।

मद्रास हाईकोर्ट: मंदिरों में मोबाइल फोन पर लगे प्रतिबंध

एजेंसी
मदुरै। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वह राज्यभर के मंदिरों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लागू करे, ताकि मंदिरों की शुद्धता और पवित्रता को बरकरार रखा जा सके। यहां न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायाधीश जे सत्यनारायण प्रसाद की पीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त विभाग को यह निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता एम. सीतारमन ने याचिका में संबंधित विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि वे तूतीकोरिन जिले में तिरुचेंदूर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के परिसर में एंड्रायड मोबाइल फोन ले जाने और इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर कदम उठाएं। यह मंदिर भगवान मुरुगा के छह अधिष्ठानों में से एक है। पीठ ने मंदिर में मोबाइल पर पाबंदी लागू करने का निर्देश देते हुए कुछ उदाहरण भी दिए। इसने कहा कि केरल में गुरुवायुर स्थित श्री कृष्ण मंदिर, मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर और आंध्र प्रदेश में तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाकर इस पर सफलतापूर्वक अमल किया गया है।

Google के CEO सुंदर पिचाई पद्म भूषण से सम्मानित

वाशिंगटन। गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई को शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को में उनके करीबी परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में व्यापार और उद्योग श्रेणी में 2022 के लिए भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने पिचाई को यह पुरस्कार सौंपा और कहा कि उनकी प्रेरणादायक यात्रा भारतीय प्रतिभा के वैश्विक नवाचार में योगदान की पुष्टि करती है।

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था

जजों की नियुक्ति को लेकर अब उपराष्ट्रपति के निशाने पर सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर पिछले लंबे समय से खूब चर्चा हो रही है। देश के कानून मंत्री जजों की नियुक्ति वाली कॉलेजियम व्यवस्था की खुलकर आलोचना कर चुके हैं। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी जजों की नियुक्ति के संबंध में सुप्रीम कोर्ट को आड़े हाथों लिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को रद्द किए जाने को लेकर संसद में 'कोई चर्चा' नहीं हुई और यह एक ''बहुत गंभीर मसला'' है। धनखड़ ने यह भी कहा कि संसद द्वारा पारित एक कानून, जो लोगों की इच्छा को दर्शाता है, उसे उच्चतम न्यायालय ने 'रद्द' कर दिया और 'दुनिया को ऐसे किसी भी कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है।' उपराष्ट्रपति ने संविधान के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि जब कानून से संबंधित कोई बड़ा सवाल हो तो अदालतें भी इस मुद्दे पर गौर फरमा सकती हैं।

2015-16 में संसद ने पारित किया अधिनियम

धनखड़ ने कहा कि 2015-16 में संसद ने एनजेएसी अधिनियम पारित किया। उन्होंने कहा, "हम भारत के लोग- उनकी इच्छा को संवैधानिक प्रावधान में बदल दिया गया। जनता की शक्ति, जो एक वैध मंच के माध्यम से व्यक्त की गई थी, उसे खत्म कर दिया गया। दुनिया ऐसे किसी कदम के बारे में नहीं जानती।" एनजेएसी अधिनियम में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को पलटने का प्रावधान था, हालांकि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।

शक्ति जनादेश में बसती है

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की उपस्थिति में शुक्रवार को यहां एल एम सिंघवी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के लोग' का उल्लेख है और संसद लोगों की इच्छा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि शक्ति लोगों में, उनके जनादेश और उनके विवेक में बसती है।

कोई है ऐसा उदाहरण?

धनखड़ ने कहा "मैं यहां के लोगों- जिसमें न्यायिक अभिजात्य वर्ग, विचारशील व्यक्ति, बुद्धिजीवी शामिल हैं- से अपील करता हूं कि कृपया दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण खोजें जिसमें किसी संवैधानिक प्रावधान को रद्द किया गया हो।" उन्होंने कहा कि वह "हैरान हैं कि इस फैसले (एनजेएसी) के बाद संसद में कोई चर्चा नहीं हुई।"

एक नज़र

'एक शाम अर्जुन के नाम' में गूंजेंगे फिल्मी नग़मे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर में एक शाम अर्जुन के नाम अनूठा प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा। इसमें पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति को याद करने के साथ उनका सृजन पेश होगा। महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में 10 दिसम्बर को शाम 6 बजे से होने वाले 'एक शाम अर्जुन के नाम' कार्यक्रम में माटी मानस अर्जुन कला संग्रहालय व अर्जुन आर्ट गैलरी की ओर से प्रोग्राम होंगे। कार्यक्रम में खूबसूरत मूर्तियों के चितेरे रहे प्रजापति के पसंदीदा फिल्मी नगमे और गजलें प्रस्तुत की जाएंगी। कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र प्रजापति ने बताया कि कार्यक्रम वरिष्ठ संगीतकार डॉ. प्रकाश छबलानी की परिकल्पना में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम में प्रदेश की गायिका सीमा मिश्रा, संजय रायजादा, सुमंत मुखर्जी और दीपशिखा जैन गीत और गजलों को आवाज देंगे। कार्यक्रम का संचालन उद्घोषिका डॉ. सालेहा गाजी करेंगी। कार्यक्रम में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

जयरंगम जयपुर थिएटर फेस्टिवल 18 से

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश की खूबसूरती नाटकों के बीच फोटो के जरिए दिखाई देगी। मौका होगा जेकेके में 18 से 24 दिसंबर तक होने वाले जयरंगम जयपुर थिएटर फेस्टिवल में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन का। महोत्सव के तहत होने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता 'खुशबू-ए-राजस्थान' में फोटोग्राफर्स अपना हुनर तस्वीरों में दिखाएंगे। जयरंगम के तत्वावधान में नजर फोटो एग्जीबिशन की सहभागिता में यह ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता होगी। इसके लिए प्रतिभागी को जयरंगम के फेसबुक पेज को लाइक करके 'खुशबू-ए-राजस्थान' ग्रुप पर जाना होगा, जहां सारे नियमों के तहत वो अपनी कोई दो तस्वीर अपलोड कर सकते हैं। अपनी वही 2 फोटो खुशबू-ए-राजस्थान की

नारी का सम्मान सभ्य समाज की पहचान: डॉ. महेश जोशी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जिस समाज में महिलाओं का सम्मान होता है, उसे सभ्य समाज माना जाता है। महिलाओं का उनके आसपास के समाज पर बहुत प्रभाव पड़ता है। वे समाज की समस्याओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कोई भी महिला अपने बच्चे की पहली टीचर भी होती हैं। वह बच्चे को जो सिखाती है, वह उसका व्यक्तित्व तय करता है। यह विचार राजस्थान के पीएचईडी मंत्री महेश जोशी ने रखे तो वहां मौजूद लोगों ने उस पर मोहर लगाई। वे इवेंट मैनेजर यश कालरा द्वारा लिखित पुस्तक 'ओमाना- द कम्प्लीट वुमन' के विमोचन में बोल रहे थे। महेश जोशी, लेखक यश कालरा और संगीत की प्रोफेसर कांता धवन की ओर से पुस्तक का विमोचन किया और पुस्तम पर चर्चा की।

ओमाना के इर्द-गिर्द घूमती है पुस्तक

पुस्तक ओमाना के इर्द-गिर्द घूमती है। सफल व्यवसायी रुद्र स्थापित वकील ओमाना के प्यार में पड़ जाता है। वह कभी नहीं जान पाती है कि रुद्र उसे कितनी गहराई व सच्चाई के साथ महसूस करता है। रुद्र लेखक को अपने भावपूर्ण सफर के बारे में बताता है, जो उसकी यादों की गलियों में गुजरते हुए अंत में रुद्र का दोस्त बन जाता है। ओमाना के बारे में बताते हुए रुद्र भावनाओं में बह जाता है और बताता है कि एक महिला किस प्रकार स्वयं के अस्तित्व के साथ आसपास के लोगों के जीवन को बदल सकती है। कहानी ओमाना के आस-पास घूमती है, जो बुद्धिमान, गुणवान, मजाकिया, सुंदर और महत्वाकांक्षी है।

पुस्तक में सफलता की कहानियों को पिरोया

पुस्तक की बात करते हुए लेखक यश कालरा ने कहा कि पुस्तक के हर अध्याय में उन महिलाओं की कहानियां हैं, जिन्होंने अपने जीवन को सफलता की नई ऊंचाइयां प्रदान की। अपनी सीमाओं को चुनौती दी और आत्म दया व दोषारोपण के खेल में फंसने के बजाय समय की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती गई।

ओमाना की बातचीत के रूप में आगे बढ़ी कहानी

कहानी प्रमुख पात्र रुद्र और उसके जीवन की सबसे प्रिय महिला ओमाना की बातचीत के रूप में आगे बढ़ती है। इस दौरान ओमाना जीवन, लोगों, स्थितियों के बारे में अपना दृष्टिकोण बताती है। साथ ही यह बताती है कि एक व्यक्ति क्या सीख सकता है।

स्पेशल प्रतिभाओं को दी गाय के गोबर से बनी स्पेशल ट्रॉफी

दिव्यांगों ने किया जोश-जज़्बे के साथ परफॉर्म

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पैरों में परेशानी थी तो हाथों से और हाथों से लाचार हुए तो पैरों से स्टेज पर धमाल मचाया। कहीं से भी ऐसा नहीं लगा कि कुदरत ने उन्हें अलग बनाया है। उनका जोश और जज्बा किसी भी आम इंसान की तरह ही था। यह ही कारण था कि देश भक्ति गीत हो या बॉलीवुड मसाला, सभी में उन्होंने बेहतरीन परफॉर्म करके मैसेज दिए। ये थे स्पेशल पर्संस, जिन्होंने भारतीय दिव्यांग संघ, मैत्रेय संस्थान व यशस्वी प्राकृतिक फार्म की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस की पूर्व संध्या पर जवाहर कला केंद्र में दिव्यांग जनों के कार्यक्रम में परफॉर्मेंस में प्रभावित किया। कार्यक्रम में उमा शंकर शर्मा, अमित गुप्ता, पंकज लीला, आचार्य अनुपम जौली, किशोर कुमार टांक, ललित सिंह सचोरी, नरेंद्र कुमार जैन, सांवर मल जांगिड़ आदि मौजूद थे।

गाय और प्रतिभा दोनों का हुआ सम्मान

यशस्वी प्राकृतिक फार्म के अमित गुप्ता और पंकज लीला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गोबर से बने हुए स्मृति चिन्ह दिए गए। ये सबसे बड़ा और विशेष आकर्षण था। स्मृति चिन्ह एक विशेष प्रकार की पद्धति से बनाया गया था। इसमें गाय के गोबर का इस्तेमाल किया गया।

ये हुए सम्मानित

कार्यक्रम में दिव्यांग ज्योति और दिव्यांग गौरव सम्मान दिए गए। इसमें डॉ. आशीष राणा, दिनेश शर्मा, सांवर मल जांगिड़, अमित गुप्ता व पंकज लीला, रमित, अशोक जैन, दया जैन, देव अमित सिंह को दिव्यांग ज्योति सम्मान दिया गया। इसी प्रकार दिव्यांग गौरव सम्मान लीलाधर, महेश कुमार साहू, बृजेश, मोना अग्रवाल, ममता वर्मा, नेहा अरोडा, निर्मला कुमावत, साधना मलिक सिंह, मुकेश चौधरी और मेहश कुमार शर्मा को दिया गया।

अभिनय ने साकार किया श्रीकृष्ण रास

जयपुर।ओडिसी कलाकार ने जयपुर के मंच पर कला के विभिन्न रंग दिखाए। नेट थिएट कार्यक्रमों की कड़ी में ओडिसी कलाकार गोकुल श्रीदास ने नृत्य और भाव भंगिमा से श्रीकृष्ण के रास को जीवंत किया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा ने बताया कि गोकुल श्रीदास ओड़िशा के भुवनेश्वर शास्त्रीय नृतक हैं। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत काली मंगलाचरण से की और फिर गोविंद का रास व ओडिया अभिनय से ओडिया नृत्य की छटा बिखेरी। कार्यक्रम का संचालन आलोक ने किया।

रजिस्ट्रार कार्यालयों में अधिवक्ताओं में आक्रोश

जयपुर में स्लॉट बुकिंग टाइमिंग का विरोध, नहीं हो पाई एक भी रजिस्ट्री

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की ओर से रजिस्ट्री के लिए टाइम स्लॉट प्रणाली लागू करने के साथ ही विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार से जयपुर में टाइम स्लॉट प्रणाली लागू की गई, जिसका जयपुर के रजिस्ट्रार कार्यालयों में अधिवक्ताओं ने विरोध किया। इसके चलते जयपुर सहित अन्य रजिस्ट्रार कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हुआ और वकीलों के विरोध के चलते जयपुर में एक भी रजिस्ट्री नहीं सकी।

दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग का फैसला हमें मान्य नहीं है। अगर किसी को अर्जेंट रजिस्ट्री करवानी है तो वह इस नई प्रणाली के चलते जल्दी नहीं करवा पाएगा, क्योंकि अगर स्लॉट 5 दिन बाद का है, तो रजिस्ट्री करवाने में काफी परेशानी होगी। रजिस्ट्री का कामकाज भी अब जटिल होता जा रहा है। साथ ही टाइम स्लॉट प्रणाली लागू करने के लिए पंजीयन विभाग के पास संसाधन भी नहीं हैं। कई बार जब सर्वर डाउन हो जाता है तो काम अटक जाता है। ऐसे में पहले तो वकील और रजिस्ट्री करवाने के लिए क्रेता-विक्रेता कतार में लगकर बुकिंग लें और फिर तय समय पर ही पहुंचे। अगर एक बार टाइम निकला तो वह फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। इस प्रणाली से कर्मचारियों,वकीलों और आमजन को परेशानी होगा।

RH राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर के प्रताप नगर में विकसित देश के पहले
आवंटन का द्वितीय चरण
कोचिंग हब में निर्मित
आवंटन लॉटरी द्वारा
संस्थानिक सम्पत्तियों की आवंटन प्रक्रिया पुन: प्रारम्भ
ऑनलाइन आवेदन 07 दिसम्बर से 31 जनवरी, 2023 तक

फोटो प्रतीकात्मक

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (परिसम्पत्तियों) का विवरण :

क्र. सं.	निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण	उपलब्ध संख्या	सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट)	दर प्रति वर्गफीट (रुपयों में)	कीमत (रुपयों में)
1	Complete Tower	2	1,12,357.84	4380.91	49,22,29,800/-
1(a)	Type-I (Ground &1st Floor)	10	8025.56	4619.69	3,70,75,600/-
1(b)	Type-I (2nd & 3rd Floor)	11	8025.56	4490.69	3,60,40,300/-
2	Type-II	27	4012.72	4233.86	1,69,89,300/-
3	Type-III	16	2808.79	4233.92	1,18,92,200/-
4	Type-IV	10	2409.91	4233.85	1,02,03,200/-
5	Type-V	19	2424.65	4233.84	1,02,65,600/-
6	Type-VI	10	1588.06	4233.90	67,23,700/-

राजस्थान संवाद

नोट:– • उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विविध व्यय पृथक से देय होंगे।
पात्रता • पंजीकरण के लिए कोचिंग संस्थाएं, स्टार्टअप संस्थाएं तथा व्यक्ति भी पात्र होंगे। आवंटित सम्पत्तियों का उपयोग केवल कोचिंग के लिए किया जा सकेगा।
• किसी एक सम्पूर्ण टावर अथवा किसी एक ही टावर मे एक ही श्रेणी की समस्त सम्पत्तियों के लिए आवेदन करने पर आवंटन में प्राथमिकता।

शर्तें/भुगतान प्रक्रिया

- पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- आवेदक उपरोक्त तालिका में दर्शायी 6 श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगा
- प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी द्वारा आवेदकों की वरीयता निर्धारित की जायेगी
- वरीयता निर्धारण पश्चात् सफल आवेदकों को संस्थानिक सम्पत्ति का आवंटन लॉटरी द्वारा किया जायेगा
- 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी
- शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी
- आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित परिसम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा
- आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी

आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने, विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141–2744688, 0141–2740009 कार्यालय समय उपरान्तः (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, 99833131666, 8852000770 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) आवासीय अभियंता, श्री प्रकाश चौधरी (9983993886) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website:
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/2068

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)